THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 245 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.11 2082 सोमवार, 1 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

चुनाव आयोग अहंकार त्यागकर 2003 की तरह एसआईआर के लिए पर्याप्त समय दे: कांग्रेस

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि चुनाव आयोग की ओर से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की समयसीमा को आगे बढ़ाए जाने से स्पष्ट हो गया है कि कम समय से इसे पूरा करना अव्यवहारिक है। राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता प्रमोद तिवारी ने यह भी कहा कि इसमें इसके लिए एक-डेढ़ साल का समय सुनिश्चित होना चाहिए जैसे वर्ष 2003 में हुआ था।

उनका कहाना था कि आयोग को अहंकार त्यागना चाहिए और 2003 के कार्यक्रम के अनुसार प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहिए।

तमिलनाडु में 3 लोगों की मौत

149 जानवरों की जान गई; 234 कच्चे घर टूटे, 57,000 हेक्टेयर खेती की जमीन डूबी

चेन्नई, 30 नवंबर (एजेंसियां)। साइक्लोन दितवाह के चलते बारिश से जुड़ी घटनाओं में तमिलनाडु में तीन लोगों की मौत हो गई। तूतीकोरिन और तंजावुर में रविवार को दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। मयिलादुथुराई में करंट लगने से 20 साल के युवक की जान चली गई।

राज्य सरकार में मंत्री के रामचंद्रन ने बताया कि तटीय इलाकों में 234 झोपड़ियों/कच्चे घरों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 149 जानवरों की मौत हो गई है। खेती के काम वाली करीब 57,000 हेक्टेयर जमीन पानी में डूब चुकी है।

श्रीलंका में तबाही मचाने के बाद साइक्लोन दितवाह रविवार शाम को तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों से टकराया। मौसम विभाग ने कुड्डालोर, नागपट्टिनम, मयिलादुथुराई, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू समेत कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिणी आंध्र प्रदेश में रविवार को भी चक्रवात दित्वाह का असर जारी रहा और कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। चक्रवाती तूफान के उत्तरी तमिलनाडु तट के समानांतर बढ़ने के कारण अधिकारियों ने गंभीर मौसम संबंधी चेतावनी जारी की है। राज्य भर के जिलों, खासकर कावेरी डेल्टा क्षेत्र में, व्यापक जलभराव और दैनिक जीवन में व्यवधान की सूचना मिली है। राज्य सरकार ने स्थानीय निवासियों को राहत प्रदान करने के लिए प्रभावित जिलों में 38 राहत शिविर स्थापित किए हैं।

पुडुचेरी में अब भी मौसम खराब, समुद्र तटों पर लाइफगार्ड तैनात

पुडुचेरी में समुद्र में अभी भी उथल-पुथल जारी है और तेज हवाएं चल रही हैं, इसलिए एहतियात के तौर पर लाइफगार्ड ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों को समुद्र तट से हटा दिया है। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का एमआई-17 विमान स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर श्रीलंका में फंसे लोगों को बचाने का काम कर रहा है।

आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में एनडीआरएफ की टीम तैनात

चक्रवाती तूफान दित्वाह के चलते एनडीआरएफ की 30 सदस्यों वाली एक टीम आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में तैनात की गई है। टीम जिला प्रशासन के साथ समन्वय में काम कर रही है ताकि तूफान के असर को कम से कम किया जा सके।

चक्रवाती तूफान दित्वाह श्रीलंका में भारी तबाही मचाई है। वहां करीब 200 लोगों की मौत हुई है। साथ ही दर्जनों लोग लापता भी बताए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि राहत और बचाव कार्यों के बाद नुकसान की पूरी स्थिति साफ हो सकेगी। भारत के तटीय राज्यों में दित्वाह का असर दिख रहा है। तेज हवाओं के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है।

एनडीआरएफ और एसडीआरएफ समेत 28 से ज्यादा डिजास्टर रिस्पॉन्स टीमों को तैनात किया गया है। इनके अलावा महाराष्ट्र और गुजरात के एनडीआरएफ बेस से 10 टीमें चेन्नई पहुंची हैं। तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण शनिवार को 54 उड़ानें रद्द कर दी गईं थीं। पुडुचेरी सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने साइक्लोन के कारण छुट्टी घोषित कर सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। रविवार को सुबह 11.30 बजे यह लगभग % किमी/घंटा की रफ्तार से उत्तरी दिशा में बढ़ा। कुड्डालोर से 100 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व में, कराईकल से 110 किमी उत्तर-उत्तरपूर्व में, पुडुचेरी से 100 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व में, चेन्नई से 170 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व के सेंटर मे रहा। तूफान फिलहाल समुद्र में ही रहेगा यानी सीधा लैंडफॉल होगा ये तय नहीं है, लेकिन तूफान तट के बेहद करीब से गुजरेगा। दितवाह अगले 24 घंटे उत्तर की ओर बढ़ता रहेगा।

रामेश्वरम-चेन्नई सेक्टर में 11 ट्रेनों का रूट बदला गया है। इंडिगो ने जाफना, तूतीकोरिन और तिरुचिरापल्ली आने-जाने वाली फ्लाइट कैंसिल कीं। पुडुचेरी में साइक्लोन से निपटने के लिए 2 एनडीआरएफ टीम तैनात की गईं है। पुडुचेरी, कराईकल, माहे और यनम में सभी स्कूल और कॉलेज सोमवार तक बंद रहेंगे। 3 दिसंबर तक आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में तेज बारिश होने का अनुमान है।

शीतकालीन सत्र के हंगामेदार रहने के आसार

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र और विपक्ष के बीच इस शीतकालीन सत्र में कई मुद्दों को लेकर हंगामा छिड़ने के आसार अभी से नजर आ रहे हैं। शीतकालीन सत्र से पहले रविवार को हुई केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक में जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू समेत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, गौरव गोगोई और अन्य नेता शामिल हुए।

बैठक के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, 'ऐसा लगता है कि सरकार, भाजपा, प्रधानमंत्री भारत के लोकतंत्र और संसदीय परंपराओं को खत्म करना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, ये संभवतः सबसे छोटा शीतकालीन सत्र; ऐसा लगता है कि सरकार संसद को पटरी से उतारना चाहती है। उन्होंने संसद में पार्टी की रणनीति को लेकर कहा, सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने राष्ट्रीय सुरक्षा, वायु प्रदूषण, लोकतंत्र की रक्षा, मतदाता सूची की सुरक्षा पर चर्चा की मांग की।

माकपा नेता जॉन ब्रिटास ने कहा, दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट ने सरकार की पोल खोल दी है। हमारी पार्टी सुरक्षा से मुद्दों पर संसद में विस्तृत चर्चा चाहती है। उन्होंने कहा कि यदि संसद बाधित होती है और ठप्प होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'किसी ने नहीं कहा कि संसद नहीं चलेगी या चलने नहीं देंगे। कुछ नेताओं ने कहा कि वे एसआईआर पर सदन में हंगामा कर सकते हैं। मैं सकारात्मक रूप से कह रहा हूं कि हम विपक्ष की बात सुनने के लिए तैयार हैं। संसद सबकी है, देश की है। संसद में हर मुद्दे पर चर्चा करने का एक तरीका होता है। नियम होते हैं, परंपराएं होती हैं।'

किरेन रिजिजू ने कहा, 'शीतकालीन सत्र में हम आशा करते हैं कि सभी लोग शांत मन से काम करेंगे और गरमागरम बहस से बचेंगे। संसद में बहस होगी और मुझे उम्मीद है कि कोई व्यवधान नहीं होगा। अगर हम शांत मन से काम करेंगे, तो यह देश के लिए फायदेमंद होगा और संसद सत्र सुचारू रूप से चलेगा'

शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार असैन्य परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने संबंधी विधेयक के साथ अपने सुधार एजेंडे को आगे बढ़ाएगी। वहीं, विपक्ष 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के संशोधन का मुद्दा उठाने की तैयारी में है। संसद का तीन सप्ताह लंबा सत्र बिहार विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की भारी जीत के बाद आयोजित हो रहा है। विपक्ष की ओर से शीतकालीन सत्र में सोनिया-राहुल गांधी पर नई प्राथमिकी, दिल्ली प्रदूषण, दिल्ली आतंकी हमला और वोट चोरी जैसे मुद्दों को उठाने की संभावना है।

अहम बिल जो पेश होंगे

न्यूक्लियर सेक्टर के लिए बड़ा बदलाव: लोकसभा बुलेटिन के अनुसार एटॉमिक एनर्जी बिल भारत में परमाणु ऊर्जा के इस्तेमाल, कंट्रोल एंड रेगुलेशन से जुड़े प्रावधानों को नया फ्रेमवर्क देगा। यह पहली बार होगा जब प्राइवेट कंपनियों को न्यूक्लियर क्षेत्र में एंट्री मिल सकेगी। अब प्राइवेट कंपनियां भी न्यूक्लियर पॉवर प्लांट लगा सकेंगी।

हॉयर एजुकेशन कमीशन बनाने वाला बिल भी तैयार: सरकार हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल भी पेश करेगी। इसका उद्देश्य कॉलेज और यूनिवर्सिटी को अधिक फ्रीडम देना और सिस्टम को पारदर्शी बनाना है।

मणिपुर में राजभवन के पास विरोध-प्रदर्शन

इंफाल, 30 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में जातीय हिंसा के कारण अपने घरों से बेघर हुए सैकड़ों लोगों ने रविवार को इंफाल स्थित राजभवन के पास जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग थी कि उन्हें जल्द से जल्द अपने घरों में वापस लौटने दिया जाए।

कहां से आए प्रदर्शनकारी?

प्रदर्शन में शामिल लोग चुराचांदपुर, कांगपोकपी, इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व जिलों से थे। मई 2023 में मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद ये सभी लोग राहत शिविरों में जीवन बिता रहे हैं

संगाई पर्यटन महोत्सव के बहिष्कार की अपील

प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए और हाथों में बैनर पकड़े जिन पर लिखा था, 'विस्थापित जीवन मायने रखता है', 'लोग संगाई उत्सव का बहिष्कार करते हैं. 'अधिकार पहले, पर्यटन बाद में. 'हमारे मौलिक अधिकार सुनिश्चित करें' लोगों का आरोप है कि सरकार संगाई पर्यटन उत्सव आयोजित कर 'राज्य में सामान्य स्थिति लौट आई है' का दावा कर रही है, जबकि हजारों विस्थापित अब भी घरों से दूर शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

सुरक्षाबलों ने रोका प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों को कंगला गेट के पास, राजभवन से लगभग 200 मीटर पहले, सुरक्षा बलों ने रोक दिया। वहां से उन्हें आगे बढ़ने नहीं दिया गया। इसके बाद प्रदर्शनकारी उरिपोक क्षेत्र की ओर मार्च करते हुए आगे बढ़े।

लोगों में बढ़ती नाराजगी

चुराचांदपुर जिले से विस्थापित ईरोम अबुंग मैतेई ने कहा, 'सरकार सामान्य स्थिति होने का दावा कर रही है, लेकिन हम आज भी राहत शिविरों में हैं। हमारी परेशानियों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसलिए हमें सड़कों पर उतरना पड़ा।' उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज किया जाएगा और लोग राहत शिविरों में वापस नहीं लौटेंगे।

मई 2023 से मणिपुर में जातीय हिंसा जारी है। इंफाल घाटी के मैतेई समुदाय और पहाड़ी क्षेत्रों के कुकी समुदाय के बीच संघर्ष अब तक थम नहीं पाया है।

एमएलए पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली महिला पर बढ़े साइबर हमले

तिरुवनंतपुरम, 30 नवंबर (एजेंसियां)। निलंबित कांग्रेस विधायक राहुल ममकुटाथिल के खिलाफ यौन शोषण की शिकायत करने वाली महिला पर साइबर हमले बढ़ गए हैं। ऐसे में पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की निगरानी तेज तेज कर दी है। शिकायतकर्ता महिला की तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही हैं, जिसके चलते यह कदम उठाया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि साइबर अभियान शाखा अपनी नियमित साइबर निगरानी के तहत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निगरानी रखेगी। साइबर अपराध शाखा, साइबर थानों और विशेष साइबरडोम इकाई की निगरानी भी संभालता है। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें ऐसी जानकारी मिली है कि शिकायतकर्ता की सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल करके उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

12 राज्यों में एसआईआर की डेडलाइन सात दिन बढ़ाई गई

अब 11 दिसंबर तक चलेगा पुनरीक्षण

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने 12 राज्यों में एसआईआर की डेडलाइन सात दिन बढ़ा दी है। अब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया 11 दिसंबर तक चलेगी। पुनरीक्षण की समयसीमा बढ़ाने का एलान करते हुए आयोग ने जो नोटिस जारी किया है, इसके मुताबिक पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूची के मसौदे का प्रकाशन 16 दिसंबर को होगा। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी। चुनाव आयोग ने कहा है कि मतदाताओं के नाम दर्ज करने के लिए फॉर्म भरे जाने यानी इन्युमरेशन की अवधि 11 दिसंबर तक बढ़ाई गई है।

आयोग ने मतदान केंद्र यानी पोलिंग बूथों के आवंटन की प्रक्रिया भी 11 दिसंबर तक पूरे कर लिए जाने की बात कही है। 30 नवंबर को जारी शेड्यूल के मुताबिक आयोग ने 12 से 15 दिसंबर के बीच कंट्रोल टेबल तैयार किए जाने की बात कही है। इसी अवधि में सभी 12 राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाताओं की मसौदा सूची यानी ड्राफ्ट रोल भी तैयार कर लिए जाएंगे। मतदाता अपनी आपत्तियां 16 दिसंबर से 15 जनवरी के बीच दर्ज करा सकेंगे।

चुनाव आयोग ने कहा है कि 16 दिसंबर से सात फरवरी के बीच सभी राज्यों के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर मतदाताओं की आपत्तियों पर सुनवाई करेंगे। इसी अवधि में चुनाव आयोग नोटिस जारी कर मतदाताओं से जवाब भी तलब करेगा। 10 फरवरी को सभी पैमानों पर मतदाता सूची के ड्राफ्ट रोल को परखा जाएगा। इसके बाद आयोग की तरफ से अंतिम सूची के प्रकाशन की अनुमति दी जाएगी।

बता दें कि केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने 2% अक्तूबर को केरल समेत 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों की शुद्धि का अभ्यास शुरू करने का एलान किया था।

12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का दूसरा चरण आयोजित करने की घोषणा की थी। प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी, 2026 को प्रकाशित की जाएगी। एसआईआर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल कराया जा रहा है।

बांग्लादेश सीमा पर नए डिजाइन की फेंसिंग लगाने की तैयारी

अगरतला, 30 नवंबर (एजेंसियां)। लाबीएसएफ के त्रिपुरा फ्रंटियर के इंस्पेक्टर जनरल (आईजी) आलोक कुमार चक्रवर्ती ने कहा है कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर नए डिजाइन की फेंसिंग लगाने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसका प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेज दिया गया है। भारत, बांग्लादेश के साथ 4096 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है, जिनमें से 856 किलोमीटर सीमा त्रिपुरा में पड़ती है।

आलोक कुमार चक्रवर्ती ने कहा कि 'इंडिया-बांग्लादेश बॉर्डर पर ज्यादातर जगहों पर कांटेदार तार की फेंसिंग की समयसीमा खत्म हो चुकी है। त्रिपुरा में, मौसम की स्थिति (भारी बारिश) ने भी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर फेंसिंग पर असर डाला है। हम पुरानी फेंसिंग को बदलने की प्रक्रिया में हैं।' चक्रवर्ती ने बताया कि नई और बेहतर फेंसिंग लगाने का प्रस्ताव गृह मंत्रालय में विचाराधीन है।

एफआईआर के पचड़े में राहुल और सोनिया गांधी

विंटर सेशन में एसआईआर पर सरकार को घेरने से पहले बिगड़ा कांग्रेस का खेला!

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के लिए एक बार फिर नेशनल हेराल्ड का मामला गरमा गया है। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने से ठीक एक दिन पहले, दिल्ली पुलिस ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी समेत 6 अन्य लोगों के खिलाफ एक नई एफआईआर दर्ज की है। यह एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड के कथित तौर पर गलत तरीके से अधिग्रहण से जुड़ी है। यह मामला कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका है, खासकर तब जब पार्टी सरकार के खिलाफ कई मुद्दों पर हमलावर होने की तैयारी कर रही थी।

ताजा एफआईआर दिल्ली पुलिस के आर्थिक अपराध शाखा ने दर्ज की है। इसमें आरोप है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने अपने साथियों के साथ मिलकर एजेएल कंपनी पर अवैध कब्जा किया। एजेएल का संबंध कांग्रेस से रहा है और इसकी संपत्तियां करीब 2,000 करोड़ रुपये की बताई जाती हैं।

एफआईआर के मुताबिक, 'यह अधिग्रहण 'यंग इंडियन' नाम की कंपनी के जरिए किया गया, जिसमें गांधी परिवार की 76 फीसदी हिस्सेदारी है। यह कार्रवाई प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर हुई है। ईडी ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले की अपनी जांच के दौरान मिली जानकारी के आधार पर यह एफआईआर दर्ज करवाई है। ईडी ने 2008 से 2024 के बीच की अपनी जांच के नतीजों को साझा किया था।'

>>14

नए साल में वोकल फॉर लोकल अपनाएं : पीएम

काशी और तमिल संस्कृति का संगम अनोखा

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 128वें एपिसोड में रविवार को भारत में खेलों की प्रगति, विंटर टूरिज्म, वोकल फॉर लोकल के साथ ही वाराणसी में होने वाले काशी-तमिल संगमम का जिक्र किया।

पीएम ने कहा कि भारतीय खेलों के लिए यह महीना शानदार रहा। शुरुआत महिला टीम की आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीत से हुई। भारत को कॉमनवेल्थ खेलों की मेजबानी का भी ऐलान हुआ। टोक्यो में हुए डेफ ओलिंपिक्स में भारत ने रिकॉर्ड 20 मेडल जीते। महिला कबड्डी टीम ने वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचा और बॉक्सिंग कप में भी भारत ने 20 मेडल हासिल किए।

मोदी ने बताया कि 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' पर सेंट्रल हॉल में विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। वंदेमातरम् के 150 वर्ष होने पर पूरे देश में होने वाले कार्यक्रमों की शानदार शुरुआत हुई। 25 नवंबर को अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा का आरोहण हुआ। इसी दिन कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में पांचजन्य स्मारक का लोकार्पण हुआ।

वोकल फॉर लोकल अपनाने की अपील

पीएम ने कहा कि वे हमेशा वोकल फॉर लोकल की बात करते हैं। G-20 में भी उन्होंने यही भावना रखकर विदेशी नेताओं को भारतीय शिल्प के उपहार दिए। दक्षिण अफ्रीका को नटराज प्रतिमा, कनाडा को चांदी का अश्व, जापान को चांदी के बुद्ध, इटली को सिल्वर मिरर और ऑस्ट्रेलिया को ब्रास उरली। उन्होंने कहा कि देश अब स्वदेशी उत्पादों को अपना रहा है, दुकानदारों और युवाओं ने भी इसे अपनाया है। उन्होंने त्योहार और नए साल की खरीदारी में भी वोकल फॉर लोकल अपनाने की अपील की।

नौसेना तेजी से आत्मनिर्भर बन रहीः पीएम ने कहा कि भारत की सुरक्षा मजबूत होने पर हर नागरिक गर्व महसूस करता है। हाल ही में आईएनएस माहे को नौसेना में शामिल किया गया। इसका स्वदेशी डिज़ाइन चर्चा में रहा और पुडुचेरी-मालाबार के लोग इसके नाम से खुश हुए, क्योंकि यह ऐतिहासिक जगह माहे पर आधारित है। इसके क्रेस्ट में उरुमी और कलारिपयट्टू की पारंपरिक तलवार जैसी झलक है। पीएम ने बताया कि नौसेना तेजी से आत्मनिर्भर बन रही है। 4 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाया जाएगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलना शानदार रहा

उत्तराखंड में विंटर टूरिज्म बढ़ रहाः पीएम ने कहा कि सर्दियों के साथ ही विंटर टूरिज्म का मौसम भी शुरू हो गया है। कई देश स्कीइंग, स्नो-ट्रेकिंग और विंटर फेस्टिवल से बड़ी कमाई करते हैं। भारत में भी पहाड़, संस्कृति और एडवेंचर की पूरी क्षमता है। उत्तराखंड का विंटर टूरिज्म तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, खासकर औली, मुनस्यारी, चोपटा और डेयारा।

स्थानीय उपाद अपनाने की अपीलः पीएम ने कहा कि शहद के पीछे लोगों की मेहनत और प्रकृति का तालमेल छिपा होता है। जम्मू-कश्मीर का सफेद रामबन सुलाई शहद अब जीआई टैग मिलने के बाद देशभर में प्रसिद्ध हुआ है। कर्नाटक के पुत्तुर और तुमकुरु में संस्थाओं ने आधुनिक प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और बी-बॉक्स देकर किसानों की कमाई बढ़ाई है। नागालैंड में ऊँची चट्टानों से जोखिम भरा शहद संग्रह किया जाता है। देश में शहद उत्पादन अब डेढ़ लाख मीट्रिक टन पार कर चुका है और निर्यात तीन गुना बढ़ा है।

वाराणसी में चौथा काशी-तमिल संगमम

मोदी ने कहा कि काशी और तमिल संस्कृति का संगम अनोखा है। 2 दिसंबर से नमो घाट पर चौथा काशी-तमिल संगमम शुरू हो रहा है, जिसकी थीम है- तमिल सीखो। यह कार्यक्रम तमिल भाषा प्रेमियों के लिए महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। काशी वासियों को इसमें नए लोग और नई चीजें सीखने का मौका मिलता है। इस बार भी वे पूरे उत्साह से तमिलनाडु से आए लोगों का स्वागत करने को तैयार हैं।

22 भाषाओं में ब्रॉडकास्ट होता है मन की बात

मन की बात को 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा 11 विदेशी भाषाओं में भी ब्रॉडकास्ट किया जाता है। इनमें फ्रेंच, चीनी, इंडोनेशियाई, तिब्बती, बर्मी, बलूची, अरबी, पश्तो, फारसी, दारी और स्वाहिली शामिल हैं। मन की बात की ब्रॉडकास्टिंग आकाशवाणी के 500 से अधिक ब्रॉडकास्टिंग सेंटर से होती है। पहले एपिसोड की टाइम लिमिट 14 मिनट थी। जून 2015 में इसे बढ़ाकर 30 मिनट कर दिया गया था।

पुलवामा में बुखारी हादसा

182 बटालियन के दो सीआरपीएफ जवान घायल, एसएमएचएस अस्पताल में भर्ती

पुलवामा, 30 नवंबर (एजेंसियां)। पुलवामा के मुरन इलाके में 182/बीएन के दो सीआरपीएफ जवान बुखारी के कारण लगी आग में घायल हो गए। घायल जवानों में एएसआई शंभू कुमार को कई जगहों पर जलने के गंभीर निशान हैं, जबकि सीटी विकास को मामूली चोटें आई हैं। दोनों घायल जवानों को प्राथमिक उपचार के बाद डिप्टी अस्पताल, पुलवामा से श्री महराजा हस्पिटल एंड मेडिकल कॉलेज श्रीनगर रेफर किया गया। उनके परिजनों और साथियों के अनुसार यह दुर्घटना बुखारी के उपयोग के दौरान हुई। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि दोनों जवानों की हालत स्थिर है और उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। सुरक्षाबलों ने मामले की पुष्टि करते हुए घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

'कुछ भारतीय लोग अपनी ही भाषा नहीं जानते'

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने क्यों कही ये बात?

नागपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को भारतीय भाषाओं और मातृभाषाओं के घटते इस्तेमाल पर चिंता जताई। मोहन भागवत ने कहा कि हालात ऐसी स्थिति पर पहुंच गए हैं कि कुछ भारतीय लोग हमारी अपनी भाषाएं नहीं जानते हैं। संत ज्ञानेश्वर की मूल रूप से मराठी में लिखी गई पुस्तक 'श्री ज्ञानेश्वरी' के अंग्रेजी संस्करण के विमोचन के अवसर पर नागपुर में बोलते हुए भागवत ने समाज से भाषाई विरासत के धीरे-धीरे कम होने पर आत्मचिंतन करने की अपील की।

उन्होंने कहा, 'एक समय था जब सारा संचार, लेन-देन, रोजमर्रा के काम संस्कृत में होते थे। अब, कुछ अमेरिकी प्रोफेसर हमें संस्कृत पढ़ाते हैं, जबकि वास्तव में हमें इसे दुनिया को सिखाना चाहिए था। आज बहुत से बच्चे कुछ बुनियादी और सरल शब्द भी नहीं जानते हैं और अक्सर घर पर अपनी मातृभाषा और अंग्रेजी के मिश्रण में बात करते हैं।'

आरएसएस प्रमुख ने कहा, 'स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि कुछ भारतीय लोग हमारी अपनी भारतीय भाषाएं नहीं जानते हैं।' उन्होंने कहा कि अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा इसके लिए जिम्मेदार नहीं है, बल्कि घर पर भारतीय भाषाएं बोलने की अनिच्छा के कारण स्थिति और बिगड़ रही है। उन्होंने कहा, 'अगर हम अपने घर में अपनी भाषा ठीक से बोलें, तो चीजें बेहतर होंगी। लेकिन हम ऐसा नहीं करते।' भागवत ने कहा कि अब संत भी अंग्रेजी में बात करते हैं, जो समझ में आता है, लेकिन यह अभी भी बदलती भाषाई प्राथमिकताओं का संकेत है।

संत ज्ञानेश्वर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संत ने समाज की बेहतर समझ के लिए भगवद् गीता के ज्ञान को मराठी में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, 'अब समस्या यह है कि अंग्रेजी भाषा में पर्याप्त शब्द नहीं हैं जो हमारी भाषाओं में व्यक्त विचारों या अवधारणाओं के सार और गहराई को व्यक्त कर सकें।

ज्ञानेश्वर द्वारा प्रयुक्त एक शब्द के लिए अक्सर कई अंग्रेजी शब्दों की आवश्यकता होती है, लेकिन वह पूरी तरह से इच्छित अर्थ नहीं बता पाता।' एक उदाहरण देते हुए उन्होंने भारतीय परंपरा में बताए गए कल्पवृक्ष का उल्लेख किया। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध अवधारणाओं का विदेशी भाषा में अनुवाद करने की सीमाओं पर जोर देते हुए भागवत ने पूछा, 'आप कल्पवृक्ष का अंग्रेजी में अनुवाद कैसे करेंगे?' उन्होंने कहा कि ऐसे उदाहरण इस बात पर जोर देते हैं कि भारतीय भाषाओं को संरक्षित और मजबूत क्यों किया जाना चाहिए।

नकली ब्रांडेड सामान का भंडाफोड़

दिल्ली में 3.5 लाख नकली सिगरेट जब्त, कीमत 50 लाख, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने नकली सिगरेट के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश करते हुए 3.5 लाख से अधिक नकली सिगरेट जब्त की हैं, जिनकी कीमत लगभग 50 लाख रुपये बताई जा रही है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह बरामदगी उत्तरी दिल्ली के लाहौरी गेट इलाके से हुई है, जहाँ पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारा था।

डीसीपी नॉर्थ राजा बंथिया ने बताया कि हमें एक आदमी के बारे में जानकारी मिली जो नकली सिगरेट का धंधा करता है। हमने लाहौरी गेट इलाके के पास छापा मारा और गोल्ड फ्लेक और मार्लबोरो जैसे ब्रांड मिले। जिन्हें जब्त कर लिया गया है। करीब 3.5 लाख सिगरेट हैं। जिनकी कीमत 50 लाख रुपये है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वे पास के फतेहपुरी इलाके के हैं। वे बहुत लंबे समय से इस धंधे में लगे हुए थे।

हम बनाने वालों का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रहे हैं। पुलिस को एक मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग नकली सिगरेट का कारोबार कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर एक टीम ने लाहौरी गेट के पास छापेमारी की। छापेमारी के दौरान, पुलिस को गोल्डफ्लेक और मार्लबोरो जैसे प्रतिष्ठित ब्रांडों की नकली सिगरेट का एक विशाल भंडार मिला। कुल मिलाकर लगभग 3 ।5 लाख नकली सिगरेट जब्त की गईं, जिनका अनुमानित मूल्य 50 लाख रुपये आंका गया है।

बीएलओ के बढ़े हुए मानदेय का बंगाल सरकार ने नहीं किया भुगतान, चुनाव आयोग ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने बीते दिनों बीएलओ के मानदेय को बढ़ाने का आदेश जारी किया था। हालांकि चुनाव आयोग के आदेश के बावजूद बंगाल की टीएमसी सरकार ने बीएलओ और निर्वाचन आयोग के अन्य अधिकारियों को बढ़े हुए मानदेय का भुगतान नहीं किया। इसे लेकर अब चुनाव आयोग ने आपत्ति जताई है। चुनाव आयोग ने बीते अगस्त में एक नोटिफिकेशन जारी किया, जिसमें लिखा 'शुद्ध मतदाता सूची लोकतंत्र के आधार हैं। मतदाता सूची तैयार करने वाली मशीनरी में इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर, असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर, बीएलओ सुपरवाइजर और बीएलओ शामिल होते हैं, जो मतदाता सूची तैयार करने में अहम भूमिका निभाते हैं। चुनाव आयोग ने बीएलओ और अन्य अधिकारियों का सालाना मानदेय बढ़ाने का फैसला किया है। इससे पहले साल 2015 में बीएलओ और मतदाता सूची तैयार करने वाली मशीनरी के अधिकारियों का मानदेय बढ़ाया गया था।'

नोटिफिकेशन के अनुसार, 2015 से बीएलओ को सालाना मानदेय 6 हजार रुपये था, जिसे बढ़ाकर 12 हजार कर दिया गया है। वहीं मतदाता सूची के लिए पहले बीएलओ को एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती थी, जिसे अब बढ़ाकर दो हजार रुपये कर दिया गया है। बीएलओ सुपरवाइजर को पहले 12 हजार रुपये का मानदेय मिलता था, जो अब बढ़ाकर 18 हजार कर दिया गया है। वहीं इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन अधिकारी को 30 हजार और असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन अधिकारी को 25 हजार रुपये का सालाना मानदेय मिलेगा। पहले इन अधिकारियों को कोई मानदेय नहीं मिलता था।

ई- रिक्शा की बैटरी फटी, बेटी की मौत, मां गंभीर, ड्रायवर भी झुलसा

इंदौर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर के विजय नगर क्षेत्र में ई रिक्शा की बैटरी फट गई। रिक्शा में सवार बेटी की इलाज के दौरान मौत हो गई है और मां गंभीर है। इसके अलावा ड्रायवर भी झुलस गया है। बेटी अपनी मां की आंख का इलाज कराने के लिए आई अस्पताल जा रही थी। तभी यह हादसा हो गया। दोनों घायल मां-बेटी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया है। इस घटना के बाद शहर की ई रिक्शा की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं,

क्योंकि कई रिक्शा चालक अपनी रिक्शा में सस्ती बैटरी या दो बैटरियां लगाकर चलाते हैं। जिस रिक्शा में हादसा हुआ। उमसें भी दो बैटरी लगी हुई थी। घटना रामकुंवर बाई पति नाथु सिंह और उनकी बेटी पवित्रा बाई पति विजय चौहान के साथ हुई। मां रामकुंवर बाई की हालत भी गंभीर बनी हुई है और इलाज के दौरान रविवार सुबह पवित्रा की मौत हो गई। इस हादसे में रिक्शा चला रहा ड्रायवर अरुण गुप्ता निवासी निरंजपुर भी झुलस गया है।

नक्सली कपल का सरेंडर, प्रभात मैग्जीन कंटेंट राइटर धनुष मुख्यधारा में लौटा

बालाघाट, 30 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बालाघाट में 35 सालों से लाल आतंक की जद रहा बालाघाट अब नक्सलियों से मुक्ति की राह पर है। एमएमसी जोन में लगातार जारी संयुक्त ऑपरेशन के दबाव में अब माओवादी सरेंडर की ओर बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में बालाघाट में सक्रिय नक्सली कपल धनुष उर्फ मुन्ना और उसकी पत्नी रोनी उर्फ तुले ने छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ में आत्मसमर्पण कर दिया। दिलचस्प बात ये है कि धनुष संगठन में टेक्निकल काम संभालता था और नक्सली साहित्य, प्रेस नोट और प्रभात मैग्जीन के लिए कंटेंट राइटिंग भी करता था। धनुष पर 14 लाख और तुले पर 6 लाख का इनाम था। दोनों कई नक्सली वारदातों में शामिल रहे हैं।

तकनीकी जिम्मेदारियों में धनुष की भूमिका

खैरागढ़ के बकरकट्टा थाना पहुंचकर आत्मसमर्पण करने वाले इस नक्सली कपल की उम्र महज 25 साल है। दोनों माड़ डिवीजन और एमएमसी जोन के सक्रिय सदस्य रहे। धनुष न सिर्फ फर्राटेदार अंग्रेजी बोलता था, बल्कि उसकी कंप्यूटर स्किल और टाइपिंग स्पीड भी बेहद तेज थी। यही वजह है कि संगठन में उसे तकनीकी जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। एंटी नक्सल ऑपरेशन के एडिशनल एसपी आदर्शकांत शुक्ला के मुताबिक, धनुष नक्सली साहित्य, प्रेस नोट और मैग्जीन प्रभात के लिए कंटेंट तैयार करता था। वहीं उसकी पत्नी रोनी और तुले सेंट्रल कमेटी मेंबर रामदेर के साथ काम करती रही है।

एमएमसी जोन में जारी संयुक्त ऑपरेशन

एमएमसी जोन यानी मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में संयुक्त ऑपरेशन तेज़ी से जारी है। हाल ही में हुई मुठभेड़ में इंस्पेक्टर आशीष शर्मा शहीद हुए थे, जिसके बाद नक्सलियों पर दबाव और बढ़ा। बालाघाट में सक्रिय यह नक्सली कपल भी बदलते हालात को देखते हुए अब शांतिपूर्ण और सम्मानजनक जीवन जीने की चाह में मुख्यधारा में लौट आया है।

सीपीडब्ल्यूडी के पूर्व एडीजी एमसीटी परेवा फिर बने आर्बिट्रेशन संस्थान के अध्यक्ष

हजारों करोड़ के विवाद सुलझाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। देश में जीडीपी के लगभग 17 परसेंट के बराबर प्रोजेक्ट्स विवादों में फंसे हुए हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल आर्बिट्रेशन (आईआईटीएआरबी) ने इन मुद्दों को सुलझाने का लक्ष्य रखा है। 2026 में एक इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस की जा रही है, जिसमें सरकारी और प्राइवेट सेक्टर के आर्बिट्रेशन एक्सपर्ट्स को बुलाया जाएगा। यह जानकारी सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के पूर्व एडिशनल डायरेक्टर जनरल एमसीटी परेवा ने दी, जिन्होंने दिल्ली पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट में लंबे समय तक काम किया। उन्हें बिना किसी सहमति के फिर से आईआईटीएआरबी का चेयरमैन चुना गया है। उनके साथ, नीरज राजवंशी को सेक्रेटरी और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया के पूर्व एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर जी।एस। दुबे को ट्रेजरर चुना गया। आईआईटीएआरबी की 14वीं एनुअल जनरल मीटिंग के टर्म के लिए चुनाव राजधानी के इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स-इंडिया में हुआ।

चुनाव की प्रक्रिया लगभग एक महीने तक चली और एनुअल मीटिंग में बिना किसी सहमति के चुनाव के साथ खत्म हुई। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल आर्बिट्रेशन, इंजीनियरों और आर्किटेक्ट्स के बीच कॉन्ट्रैक्ट के झगड़ों को सुलझाने के लिए आर्बिट्रेशन का एक तेज और सस्ता कानूनी ढांचा देने के लिए काम कर रहा है। परेवा ने कहा कि यह हजारों करोड़ रुपये के सरकारी प्रोजेक्ट्स पर झगड़ों के लॉजिकल और कानूनी समाधान के लिए एक काबिल फोरम है।

सर्दियों में घुसपैठ की आशंका के बीच बीएसएफ की सतर्कता बढ़ी, हर नापाक हरकत पर पैनी नजर

आरएस पुरा, 30 नवंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में हत्या की खबरों और दिल्ली धमाके के बाद बीएसएफ ने गश्त तेज कर दी है। सीमा को सुरक्षित और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए शनिवार को गश्ती अभियान चलाया। बीएसएफ जवानों के साथ पुलिस के सीनियर अधिकारियों ने भी अभियान में हिस्सा लिया। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के साथ महत्वपूर्ण इलाकों का निरीक्षण किया। दुश्मन देश से कोई नापाक हरकत न हो, इसलिए नालों, पुलिया और नहरों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। गश्त कर रहे जवानों ने कहा कि वह दिन-रात प्रहरी बनकर सरहद की रक्षा कर रहे हैं। घुसपैठ रोकने के साथ-साथ ड्रोन की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। महिला जवानों ने कहा कि वह देश वासियों की रक्षा के लिए फर्ज निभा रही हैं। जब भी पाकिस्तान की ओर से किसी प्रकार की हरकत की जाती है तो उन्हें उसी की भाषा में जवाब दिया जाता है। सूत्रों के अनुसार सर्दी बढ़ने पर अंतरराष्ट्रीय सीमा व एलओसी पर घुसपैठ कराने के इरादे से पाकिस्तान में लांचिंग पैड पर कई आतंकियों को रखा गया है। ऐसे में पैनी नजर रखी जा रही है। जवान आधुनिक हथियारों के साथ सतर्क हैं।

सांबा में मॉकड्रिल कर नालों में उगे सरकंडों को खंगाला

तनाव को देखते हुए भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कड़ी चौकसी कर दी गई है। सीमा की निगरानी में तैनात जवानों को दिन-रात दुश्मन की हर हरकत पर नजर रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। 125वीं वाहिनी के कमांडिंग अधिकारी शेखर की देखरेख में सीमा पर शनिवार को मॉकड्रिल की गई। जवानों ने नालों में उगे सरकंडों को खंगाला।

तारबंदी के आसपास तलाशी अभियान चलाया। अग्रिम मोर्चों पर महिला कर्मी भी तैनात की गई हैं जिन्होंने अभियान में भाग लिया। सूत्रों के अनुसार घना कोहरा व धुंध के चलते सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तान की ओर बहने वाले नदी-नालों पर उगे सरकंडों में जवानों को निगरानी रखने में काफी दिक्कतें रहती हैं। घुसपैठ पर नकेल कसने के लिए अब सुरक्षाबलों की ओर से चौकसी बढ़ा दी गई है। साथ ही आधुनिक यंत्र लगाए गए हैं।

नासिक में एक ही परिवार के 4 सदस्यों के शव घर से मिले, जांच में जुटी पुलिस

नासिक, 30 नवंबर (एजेंसियां)। नासिक में एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव उनके ही घर में पाए गए हैं। दिल दहला देने वाली ये घटना नासिक जिले के देवला तालुका स्थित फुले मालवाडी गांव की है। मृतकों की पहचान गोविंद बालू शेवाले (40 वर्ष), उनकी पत्नी कोमल गोविंद शेवाले (35 वर्ष), बेटी ख़ुशी गोविंद शेवाले (8 वर्ष), और बेटा श्याम गोविंद शेवाले (1.5 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, परिवार का मुखिया गोविंद शेवाले फांसी से लटका मिला। उसकी पत्नी कोमल और दोनों बच्चे खुशी और श्याम के शव सोए हुए अवस्था में पाए गए। आशंका है हत्या के बाद आत्महत्या का कदम उठाया गया है। घटना की सूचना मिलते ही देवला पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए, घटना की विस्तृत और वैज्ञानिक जांच के लिए नासिक विभागीय फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। पुलिस ने सभी पहलुओं से जांच शुरू कर दी है, लेकिन घटना के कारणों और अन्य विस्तृत जानकारी अभी तक साफ़ नहीं है।

कश्मीर यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल में घुसा भालू, छात्राओं में फैली दहशत

श्रीनगर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर विश्वविद्यालय के गर्ल्स हास्टल में एक भालू के घुसने से दहशत फैल गई। इसके तुरंत बाद आपातकालीन कार्रवाई शुरू की गई और छात्राओं को अपने कमरों में रहने की सलाह दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भालू को सबसे पहले सदरबल क्षेत्र में देखा गया, जहां वह फुटपाथ पर टहल रहा था। लोग उसे देखकर स्तब्ध रह गए। कुछ ही समय बाद, आवारा कुत्तों के एक झुंड ने भालू का पीछा करना शुरू कर दिया। भागने के प्रयास में भालू एक बिजली के खंभे पर चढ़ गया और चहारदीवारी फांदकर गर्ल्स हास्टल के अंदर गिर गया, जिससे वहां हड़कंप मच गया। विवि के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और वन्यजीव विभाग को सूचित किया।

भालू का पता लगाने और उसे पकड़ने के लिए बचाव अभियान शुरू किया गया, क्योंकि टीमों के पहुंचने तक भालू परिसर के अंदर चला गया था। चीफ प्राक्टर प्रो। इम्तियाज़ अहमद खान ने बताया कि भालू गर्ल्स हास्टल से होकर गुजरा और फिर आसपास के इलाके में गायब हो गया। उन्होंने छात्राओं को सख्त निर्देश दिए कि जब तक स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में न आ जाए, वे अपने कमरों में ही रहें। उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में श्रीनगर के बाहरी इलाकों में भालुओं के देखे जाने की घटनाओं में वृद्धि हुई है, विशेषकर शरद ऋतु के अंत में, जब ये वन्यजीव भोजन की तलाश में मानव बस्तियों की ओर आते हैं।

पुलिस भर्ती का पेपर देने आई छात्रा अचानक परीक्षा केंद्र से हो गई गायब, बाहर पिता करता रहा इंतजार

सतना, 30 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सतना जिले में आयोजित पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा के दौरान एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। मध्य प्रदेश के भिंड जिले से अपने पिता के साथ परीक्षा देने आई एक छात्रा परीक्षा केंद्र से ही लापता हो गई। पिता गेट पर बेटी के लौटने का इंतजार करता रहा लेकिन जब वह नहीं आई तो उसने कॉलेज प्रबंधन से संपर्क किया। वहां से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पिता ने सिविल लाइन थाने में पुलिस से मदद मांगी। बाद में सीसीटीवी की छानबीन में छात्रा किसी शख्स के साथ दूसरे गेट से निकलती दिखी।

डंपिग ग्राउंड में पॉलिथीन में लिपटा मिला नवजात का शव, मंजर देखकर दहल गया सुपरवाइजर

चंडीगढ़, 30 नवंबर (एजेंसियां)। शहर के डंपिंग ग्राउंड में रविवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जिसने मानवता को झकझोर कर रख दिया। रोजाना की तरह सुबह ड्यूटी पर पहुँचे सुपरवाइज़र पुष्पेन्दर शर्मा की नज़र जैसे ही कूड़े के ढेर पर पड़ी एक पॉलिथीन पर गई, उनका दिल सहम गया। पॉलिथीन के अंदर एक नवजात बच्ची/बच्चे का निर्जीव शरीर पड़ा था। क्षणभर को पुष्पेन्दर की सांसें थम गईं। उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि कोई इतनी बेरहमी से जन्म लेते ही मासूम को मौत के हवाले कर सकता है। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुँची पुलिस टीम ने क्षेत्र को सील कर जांच शुरू कर दी। आसपास काम करने वाले सफाई कर्मचारियों का कहना है कि वे इस दृश्य को देखकर अभी तक सदमे में हैं। एक महिला सफाई कर्मचारी ने भावुक होकर कहा, "जिसने भी ये किया है, उसके दिल में जरा भी ममता नहीं थी।

लिव-इन हो या दूसरी शादी, क्रूरता हुई तो 498ए लगेगा

कर्नाटक हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

बेंगलूरू, 30 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने लिव इन रिलेशन और धारा 498ए को लेकर ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि अब 'पति' सिर्फ कानूनी कागजों वाला नहीं माना जाएगा। आईपीसी की धारा 498ए (अब बीएनएस 85-86) लिव-इन रिलेशनशिप, बिना शादी के साथ रहने वाले पार्टनर पर भी पूरी तरह लागू होगी। यानी अगर कोई पुरुष किसी महिला को यह भरोसा दिलाता है कि वह उसका पति है और फिर उसके साथ मारपीट, दहेज मांग या मानसिक-शारीरिक क्रूरता करता है, तो वह कानून की पकड़ से नहीं बच सकता, चाहे शादी वैध न भी हो।

लिव-इन पर कैसे लागू होगा 498ए ? यह क्रांतिकारी फैसला 18 नवंबर को जस्टिस सूरज गोविंदराज की बेंच ने सुनाया। मामला एक व्यक्ति का था जिसकी पहली शादी से बेटी थी, फिर भी उसने 2010 में दूसरी महिला से शादी कर ली। 2016 में रिश्ता टूटा तो दूसरी पत्नी ने 498ए का केस ठोक दिया। आरोपी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा, 'मेरी पहली शादी वैध थी, इसलिए दूसरी शादी कानूनी नहीं। ये तो बस लिव-इन था, 498ए कैसे लग सकता है?

कोर्ट ने उसकी दलील ठुकराते हुए कहा, 'महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा के लिए 498ए एक सामाजिक सुरक्षा कवच है।' अगर कोई पुरुष पहली शादी छुपाकर किसी महिला के साथ पति-पत्नी की तरह रहता है और क्रूरता करता है, तो वह सिर्फ इसलिए बच नहीं सकता कि कागज पर शादी अमान्य थी। जज ने लिखा, 'संबंध का सार मायने रखता है, कागजी वैधता नहीं। अगर जोड़ा पति-पत्नी की तरह रह रहा था और महिला को विश्वास था कि शादी वैध है, तो क्रूरता के सबूत मिलते ही 498ए पूरी ताकत से लागू होगी।

कोर्ट ने यह भी कहा कि आरोपी का तर्क स्वीकार करना अन्याय होगा। इससे धोखेबाज पुरुषों को फायदा मिलेगा जो शादी का झांसा देकर महिलाओं का शोषण करते हैं। जज ने साफ शब्दों में लिखा, 'ऐसा करने से कानून का मकसद ही खत्म हो जाएगा और धोखाधड़ी को बढ़ावा मिलेगा।' महिला संगठनों ने फैसले का स्वागत किया है। अधिवक्ता सौम्या शर्मा कहती हैं, 'यह उन हजारों महिलाओं के लिए बड़ी राहत है जो लिव-इन या धोखे की शादी में फंसकर 498ए से वंचित रह जाती थीं। अब कानून ने साफ कर दिया – क्रूरता हुई तो सजा पक्की!' वकीलों के मुताबिक यह फैसला पूरे देश में मिसाल बनेगा।

दिल्ली में सड़क हादसा: बेकाबू हुई तेज रफ्तार मर्सिडीज, फुटपाथ पर सो रहे तीन को कुचला, एक की मौत

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने ऑटो स्टैंड पर खड़े तीन लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। दिल्ली पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया है। वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस स्टेशन को देर रात करीब 2:33 बजे नेल्सन मंडेला मार्ग पर एंबियंस मॉल के ठीक सामने, वसंत विहार की ओर एक सड़क दुर्घटना की पीसीआर कॉल मिली। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को एक दुर्घटनाग्रस्त मर्सिडीज G63 कार मिली। ऑटो स्टैंड पर घायल अवस्था में पड़े तीन लोग मिले, जिनकी उम्र 23, 35 और 23 वर्ष थी। ये तीनों एंबियंस मॉल स्थित एक रेस्तरां के कर्मचारी थे। तीनों घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। मेडिकल जांच के दौरान चमोली, उत्तराखंड निवासी रोहित (उम्र 23 वर्ष) को मृत घोषित कर दिया गया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 1 दिसंबर, 2025 3

सुविचार: अपनो का साथ बहुत आवश्यक है, सुख है तो बढ़ जाता है और दुःख हो तो बंट जाता है!

विकास की नई उड़ान भरने को तैयार है तेलंगाना : रेवंत रेड्डी

तेलंगाना राइजिंग 2047 विज़न डॉक्यूमेंट हुआ तैयार

8-9 दिसंबर को ग्लोबल समिट में होगा अनावरण

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य अपने विकास की नई उड़ान भरने को तैयार है। आज सचिवालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि 8 और 9 दिसंबर को फ्यूचर सिटी में होने वाले ग्लोबल समिट में राज्य का महत्वाकांक्षी तेलंगाना राइजिंग 204% विज़न डॉक्यूमेंट जारी किया जाएगा। यह डॉक्यूमेंट राज्य की दीर्घकालिक विकास रणनीति, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और नागरिकों की सहभागिता को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह विज़न डॉक्यूमेंट नीति आयोग, आईएसबी और अन्य शीर्ष संस्थानों के सहयोग से तैयार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को वैश्विक कंपनियों के साथ जोड़कर रोजगार सृजन, आर्थिक मजबूती और भविष्य के लिए एक सक्षम तेलंगाना का निर्माण है। राज्य का विकास तीन प्रमुख रीजन पर आधारित विज़न डॉक्यूमेंट के अनुसार, तेलंगाना को तीन हिस्सों में बांटा गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वारंगल, आदिलाबाद, कोठागुडेम और रामागुंडम में नए एयरपोर्ट्स के निर्माण को अंतिम रूप दिया जा चुका है। मजबूत हाईवे नेटवर्क, बेहतर पोर्ट कनेक्टिविटी और अंतरराष्ट्रीय स्तर की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएँ बड़े निवेश को आकर्षित करेंगी। राज्य में विश्वस्तरीय शिक्षा और टेक्नोलॉजी लाने पर ज़ोर देते हुए, सरकार अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को आमंत्रित कर रही है ताकि तेलंगाना को एक प्रमुख नॉलेज हब के रूप में स्थापित किया जा सके।

सरकार ने 2034 तक तेलंगाना को 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था में तेलंगाना का योगदान 10 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। 8 और 9 दिसंबर को आयोजित होने वाले ग्लोबल समिट में अनेक वैश्विक हस्तियों और निवेशकों को आमंत्रित किया गया है। डिप्टी मुख्यमंत्री श्री भट्टी विक्रमार्का के नेतृत्व में प्रजा भवन में एक वॉर रूम भी स्थापित किया गया है, जहाँ तैयारियों की निगरानी की जा रही है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसे विकसित राष्ट्रों को अपना मॉडल और प्रतिस्पर्धी मानता है।

हम आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु से नहीं, बल्कि विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं से मुकाबला करेंगे।

तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के लिए प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी को आमंत्रण

सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, उद्योगपति, खिलाड़ी और अन्य क्षेत्र के प्रमुखों को बुलावा

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत फ्यूचर सिटी में 8 और 9 दिसंबर को आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को आमंत्रित करने का निर्णय राज्य सरकार ने लिया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को स्वयं आमंत्रित करेंगे। केंद्रीय मंत्री, सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, वरिष्ठ उद्योगपति, प्रमुख अर्थशास्त्री, खिलाड़ी, मीडिया प्रमुख, कूटनीतिज्ञ और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को राज्य सरकार आमंत्रित करेगी। सम्मेलन में आमंत्रित किए जाने वाले लोगों के स्तर के अनुसार राज्य मंत्री और उच्च अधिकारी आमंत्रण देंगे। इसके लिए एक आमंत्रण समिति का गठन किया गया है। इस समिति के नेतृत्व में विशेष रूप से एक वेबसाइट भी स्थापित की जाएगी। समिति यह सुनिश्चित करेगी कि किसे आमंत्रित किया गया, किसने आमंत्रण स्वीकार किया, आने वाले प्रतिनिधियों को उपयुक्त सुविधाएँ दी जाएँ और उन्हें समन्वय के लिए उच्च अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी।

इस आमंत्रण समिति का समन्वय सरकारी विशेष प्रधान कार्य निदेशक सब्यसाची घोष करेंगे। आमंत्रण से संबंधित सभी विवरणों की निगरानी मुख्यमंत्री करेंगे। विभिन्न क्षेत्रों के लिए अब तक लगभग 4,500 प्रतिनिधियों को आमंत्रण भेजा जा चुका है, जिनमें से लगभग 1,000 प्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति की पुष्टि कर दी है, जैसा कि सरकारी विशेष प्रधान कार्य निदेशक जयेश रंजन ने बताया है।

हमारा उद्देश्य सिंगरेणी क्षेत्र के युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना: बलराम

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कंपनी के सीएमडी एन. बलराम ने रविवार को कहा कि उनकी कंपनी सिंगारेणी क्षेत्र के शिक्षित युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि युवाओं में भारत और विदेशों में शैक्षिक और रोजगार अवसरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और प्रेरक व्यक्तित्वों के संदेशों के माध्यम से उन्हें उच्च लक्ष्यों की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से चेमत चुक्कालकु टरफिदु नामक एक अभिनव कार्यक्रम शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का मल्लू के निर्देशों के अनुसार सिंगरेणी

कंपनी में लागू किया जा रहा है। रुद्रमपुर के आरसीओए क्लब में रविवार को आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से रोजगार मेलों के माध्यम से रोजगार के अवसर प्रदान करने के अलावा, विशेषज्ञों को प्रतिभाशाली युवाओं के करीब लाकर उन्हें उचित मार्गदर्शन और जागरूकता प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में प्रतिभागी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विशेषज्ञ और क्लाउड सेल्स के सीईओ पल्ले श्रीनिवास ने कहा कि सिंगरेणी नेतृत्व के तहत उठाया गया यह प्रयास वास्तव में अभिनव है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमताओं को साबित करने के कई अवसर हैं। उन्होंने गर्व से उल्लेख किया कि वे एक सेवानिवृत्त सिंगारेणी कर्मचारी के पुत्र हैं और वर्तमान में लंदन में भी संचालन करने वाली कंपनी चला रहे हैं। उन्होंने प्रेरक संदेश देते हुए कहा कि मेहनत में कौशल जोड़ने से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना संभव है। उन्होंने इस मूल्यवान कार्यक्रम के आयोजन के लिए सिंगारेणी प्रबंधन को धन्यवाद भी दिया।

इस अवसर पर, निदेशक (ऑपरेशंस) एल. वी. सुर्यनारायण और निदेशक (ई एंड एम) एम. तिरुमला राव ने विशेष अतिथि के रूप में सभा को संबोधित किया। मान्यता प्राप्त प्रतिनिधि यूनियनों और अधिकारियों के संघों से वासिरेड्डी सीतारामैया, त्यागराजन और नरसिंह राव ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोत्तागुडेम एरिया के महाप्रबंधक शालेम राजू ने की और उन्होंने उद्घाटन भाषण दिया। अन्य उपस्थित अधिकारियों में जी. वी. किरण कुमार (जीएम – पर्सनल), जी. वी. कोटिरेड्डी (एसओटी जीएम), जी. वी. मोहन राव (डीजीएम – पर्सनल), एन. योहान (डीजीएम – आईई), जे. क्रिस्टोफर (डीजीएम – ई एंड एम, एरिया वर्कशॉप), बी. शिवा केशव राव (कॉर्पोरेट ऑफिस डीजीएम – पर्सनल), सीनियर पीओ मज्जी मुरली, वित्त प्रबंधक एम. रमेश और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल थे।

हैदराबाद में 'डिजिटल अरेस्ट' कर बुजुर्ग से 2 करोड़ रुपये की ठगी, ठगों ने खुद को बताया सीबीआई ऑफिसर

हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने एक और डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी का खुलासा किया है। ठगों ने शहर के 71 साल के एक वरिष्ठ नागरिक से 1.92 करोड़ रुपये ऐंठ लिए। पीड़ित ने बताया कि कुछ लोगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर उन्हें धमकाया और पैसे जमा करवाए।

पुलिस के अनुसार, ठगों ने पीड़ित को फोन कर कहा कि उनके आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल हुआ है। उन्हें बताया गया कि आधार के नाम पर मुंबई के केनरा बैंक में एक खाता खोला गया है।

इसके बाद वीडियो कॉल कर ठगों ने एटीएम कार्ड की फोटो दिखाई और दिल्ली क्राइम ब्रांच की फर्जी एफआईआर भेजी।

तीन आरोपी गिरफ्तार

पीड़ित को कहा गया कि केस बंद करने के लिए पैसे जमा करने होंगे। डर और भ्रम में फंसे पीड़ित ने 7 से 14 नवंबर के बीच 1,92,50,070 रुपये कई खातों में डाल दिए। धोखाधड़ी का एहसास होने पर पीड़ित ने तुरंत साइबर क्राइम पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर तीन आरोपियोंपांडू विनीत राज, जी. तिरुपतैया और गौनी विश्वनाथमको गिरफ्तार कर लिया।

ये तीनों हैदराबाद के रहने वाले हैं और देशभर में पांच मामलों में शामिल पाए गए, जिनमें से दो तेलंगाना के हैं। मुख्य आरोपी सनीप उर्फ एलेक्स अभी फरार है। विनीत राज खाते उपलब्ध करवाता था, जबकि तिरुपतैया और विश्वनाथम संयुक्त खाते चलाते थे।

पुलिस की चेतावनी

पुलिस ने लोगों को चेताया है कि भारतीय कानून में डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई नियम नहीं है। पुलिस या कोई भी एजेंसी वीडियो कॉल पर गिरफ्तारी नहीं करती। असली गिरफ्तारी में अधिकारी घर या कार्यालय पर आकर, आधिकारिक वारंट दिखाकर कार्रवाई करते हैं।

साथ ही, पुलिस ने कहा कि कोई भी सरकारी एजेंसीजैसे पुलिस, सीबीआई व ईडी या कस्टम्सकभी भी फोन पर पैसे, जुर्माना या सिक्योरिटी डिपॉजिट मांगकर केस बंद नहीं करती। लोगों को सलाह दी गई है कि किसी अजनबी को ओटीपी, पासवर्ड, बैंक डिटेल, आधार या पैन की जानकारी न दें, खासकर जब सामने वाला खुद को अधिकारी बता रहा हो।

दुबई-हैदराबाद फ़्लाइट में एयर होस्टेस से दुर्व्यवहार

नशे में धुत यात्री गिरफ्तार, सीट पर मिला अश्लील नोट

हैदराबाद, 30 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। दुबई से हैदराबाद आ रही एक उड़ान में एयर होस्टेस से दुर्व्यवहार करने के आरोप में एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को इसकी जानकारी दी। आरजीआई हवाईअड्डा पुलिस के अनुसार, केरल निवासी करीब 30 वर्षीय यह यात्री शुक्रवार को उड़ान के दौरान नशे में था और सेवा दे रही एयर होस्टेस को उसने अनुचित तरीके से छुआ। केबिन क्रू ने तुरंत इसकी जानकारी कैप्टन और ग्राउंड स्टाफ को दी।

विमान उतरने के बाद यात्री ने दावा किया कि वह अपना पासपोर्ट सीट पर भूल गया है। जब स्टाफ ने वहाँ खोजबीन की, तो सीट से क्रू के लिए लिखा हुआ एक अश्लील और अपमानजनक नोट मिला। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुँचाने के लिए हमला या आपराधिक बल), धारा 75 (यौन उत्पीड़न) समेत अन्य प्रावधानों में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। बाद में उसे स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

मेडिकल पीजी परीक्षाओं में गड़बड़ियों के आरोप

कुलपति ने दिया इस्तीफ़ा * 117 असफलता दर पर डॉक्टरों ने उठाए सवाल * मुख्यमंत्री से सतर्कता जांच की मांग

हैदराबाद, 30 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कालोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (केएनआरयूएचएस) में पीजी परीक्षाओं में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। मामला तब और गरम हो गया जब विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नंदकुमार रेड्डी ने अपना इस्तीफ़ा दे दिया। सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों के पीजी डॉक्टरों ने बताया कि इस बार परीक्षाओं में असफलता दर 11% तक पहुंच गई, जबकि आमतौर पर यह केवल 1-2% रहती है। डॉक्टरों के अनुसार 7 से 30 अक्टूबर तक परीक्षाएँ हुईं और 4 नवंबर को ही परिणाम जारी कर दिए गए, जिससे संदेह है कि उत्तर पुस्तिकाओं का आवश्यक बहु-परीक्षक मूल्यांकन नहीं हुआ।

डॉक्टरों ने यह भी आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय के तकनीकी विंग ने मूल्यांकन सॉफ्टवेयर में बदलाव किए, जिसके चलते माइक्रोबायोलॉजी और सामुदायिक चिकित्सा जैसे विषयों में कई छात्र फेल हो गए। वरिष्ठ डॉक्टरों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब परीक्षा शाखा पर सवाल उठे हों और अब इसमें बड़े सुधार की जरूरत है।

पीजी डॉक्टरों ने बताया कि वे परिणाम जारी होने के अगले दिन से ही सचिव, कुलपति और स्वास्थ्य मंत्री से मिले, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब वे मुख्यमंत्री से सतर्कता जांच की मांग कर रहे हैं और पुनर्मूल्यांकन या अनुग्रह अंक देने की भी मांग कर रहे हैं।

इसी बीच, कुलपति डॉ. नंदकुमार रेड्डी ने शुक्रवार को इस्तीफ़ा दे दिया। उन्होंने कहा कि नए कुलपति की नियुक्ति तक उन्हें अंतरिम रूप से कार्य करने के लिए कहा गया है। सूत्रों के अनुसार, कुलपति के कामकाज को लेकर लंबे समय से विश्वविद्यालय में नाराज़गी थी और उनके इस्तीफ़े की खबर लगते ही कुछ कर्मचारियों ने पटाखे फोड़कर खुशी भी जताई।

हाईटेक सिटी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

हैदराबाद, 30 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हाईटेक सिटी स्थित माइंडस्पेस बिल्डिंग के आसपास फैले अवैध अतिक्रमण को जीएचएमसी अधिकारियों ने यातायात पुलिस के साथ मिलकर हटाया। आईटी कॉरिडोर में लगातार बढ़ रही ट्रैफिक धीमी गति की शिकायतों के बाद यह अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने अर्थमूवर्स की मदद से मुख्य सड़क पर बने शेड और सड़क किनारे लगाए गए खोखे हटाए। कार्रवाई के दौरान जीएचएमसी की टीमों के साथ ट्रैफिक पुलिस और कानून-व्यवस्था पुलिस भी मौजूद रही। उधर, दुकानदारों ने इस अभियान का विरोध करते हुए कहा कि अतिक्रमण हटाने से उनकी रोज़ी-रोटी पर सीधा असर पड़ेगा।

सड़क सुरक्षा अभियान में 21 हजार गड्ढों की मरम्मत पूरी

शहर में तेज़ी से चल रहा सड़क सुधार कार्य

हैदराबाद, 30 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत नगर निगम ने बड़े पैमाने पर सड़क मरम्मत कार्य किया है। शहर में कुल 22,797 गड्ढों की पहचान की गई थी, जिनमें से 28 नवंबर तक 21,511 गड्ढों की मरम्मत पूरी कर ली गई है। यह जानकारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में दी गई।

अभियान के दौरान गड्ढों को भरने, सड़क मरम्मत, पैचवर्क, कैच पिट सुधार, कवर प्रतिस्थापन और केंद्रीय मध्यिका की मरम्मत जैसे कार्य तेजी से किए गए। अब तक 1,019 कैच पिट की मरम्मत, 494 कवर बदलने और 13 केंद्रीय मध्यिका सुधार का काम पूरा किया जा चुका है। जोनवार आंकड़ों के अनुसार, एलबी नगर जोन में 3,828, चारमीनार में 2,885, खैरताबाद में 3,785, सेरिलिंगमपल्ली में 2,656, कुकटपल्ली में 3,217 और सिकंदराबाद जोन में सबसे ज्यादा 5,140 गड्ढों को भरा गया। कुल मिलाकर 21,511 गड्ढों की मरम्मत के साथ शहर में सड़क सुरक्षा कार्यों को गति मिली है।

पंचायत चुनावों के पहले चरण के लिए नामांकन 1 लाख के पार

सूर्यापेट में सरपंच पद के लिए सबसे अधिक 1,387 नामांकन

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में ग्राम पंचायत चुनावों के पहले चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया आज समाप्त हुई, जिसमें सरपंच पदों के लिए कुल 25,654 और वार्ड सदस्य पदों के लिए 82,276 नामांकन दाखिल किए गए। नामांकन प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हुई थी और शनिवार को बड़ी संख्या में उम्मीदवार देर तक कतार में खड़े होकर अपने आवेदन जमा करते नजर आए। पहले चरण का मतदान 11 दिसंबर को राज्य के 189 मंडलों में स्थित 4,236 पंचायतों और 37,440 वार्डों में आयोजित किया जाएगा। सूर्यापेट जिले में सरपंच पद के लिए सबसे अधिक 1,387 नामांकन दाखिल हुए, जबकि विकाराबाद जिले में 262 पंचायतों के लिए 1,383 नामांकन प्राप्त हुए। महबूबाबाद जिले में 1,239 नामांकन दाखिल किए गए। वार्ड सदस्यों के मामले में रंगारेड्डी 1,530 वार्डों के लिए 4,540 नामांकनों के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि विकाराबाद में 2,198 वार्डों के लिए 4,379 नामांकन दाखिल हुए। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 3 दिसंबर निर्धारित की गई है और अधिकारियों को उम्मीद है कि बड़ी संख्या में नामांकनों के कारण उस दिन काफी हलचल देखने को मिलेगी। कुछ पंचायतों में सर्वसम्मति से सरपंच चुने जा चुके हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने जिला कलेक्टरों को ऐसे पंचायतों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए हैं जहाँ सर्वसम्मति से चुनाव की सूचना मिली है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी स्थान पर दबाव डालकर सर्वसम्मति से चुनाव कराए जाने की शिकायत पाई जाती है, तो ऐसे मामलों के परिणाम घोषित नहीं किए जाएँगे।

नलगोंडा में बीआरएस सरपंच प्रत्याशी के पति का अपहरण

कांग्रेस उम्मीदवार पर धमकाने और प्रताड़ित कराने के आरोप

नलगोंडा, 30 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय निकाय चुनावों से पहले तनाव बढ़ गया है। टिप्पर्थी मंडल के एल्लामगुडेम गांव से बीआरएस की सरपंच उम्मीदवार ममीदी नागलक्ष्मी के पति यदागिरी का शनिवार सुबह कथित तौर पर अपहरण कर लिया गया और उन्हें दिनभर धमकाया व प्रताड़ित किया गया। यदागिरी ने बताया कि कुछ लोग उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाकर ले गए। उनका आरोप है कि यह सब कांग्रेस सरपंच उम्मीदवार उत्कुरु संदीप रेड्डी के इशारे पर किया गया। संदीप रेड्डी पहले भी एक हत्या के मामले में आरोपी रह चुका है और कथित तौर पर चुनाव लड़ने वालों को डराकर पीछे हटाने की कोशिश कर रहा है। पीड़ित के अनुसार, अपहरणकर्ताओं ने उन्हें चाकुओं से धमकाया, कई गांवों में घुमाया और कहा कि उनकी पत्नी नामांकन दाखिल न करे, नहीं तो गंभीर अंजाम भुगतने पड़ेंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि अपहरण के दौरान एक व्यक्ति की बोल्ला वेंकट रेड्डी नाम के व्यक्ति से फोन पर बात हुई थी। बीआरएस नेताओं के विरोध के बाद शनिवार देर रात यदागिरी को छोड़ दिया गया। इसके बाद वह पूर्व विधायक नल्लामोथु भास्कर राव, सैदी रेड्डी भूपाल रेड्डी और रवींद्र कुमार के साथ तिप्पर्थी पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। यदागिरी ने आरोप लगाया कि थाने में भी कुछ लोगों ने उन्हें धमकाया और बयान बदलने का दबाव बनाया। बीआरएस नेताओं ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और कहा कि कांग्रेस विपक्षी उम्मीदवारों को डराकर सरपंच चुनावों में निर्विरोध जीत हासिल करना चाहती है। उन्होंने इसे लोकतंत्र पर हमला बताया।

ड्रंक एंड ड्राइव अभियान में 552 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 30 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सप्ताहांत पर चलाए गए विशेष ड्रंक एंड ड्राइव अभियान में हैदराबाद यातायात पुलिस ने 552 लोगों को नशे में वाहन चलाते पकड़ा। इनमें 438 दोपहिया चालक, 45 तीनपहिया चालक और 69 चारपहिया वाहन चालक शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, दस लोगों का ब्लड अल्कोहल स्तर अधिक था, जबकि आठ लोगों में यह स्तर मध्य दर्ज किया गया। पकड़े गए सभी लोगों को कानूनी कार्रवाई के लिए अदालत में पेश किया जाएगा। यातायात पुलिस ने कहा कि नशे में गाड़ी चलाने पर शून्य सहनशीलता बरती जाएगी और ऐसे विशेष अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

पहले चरण में पंचायत चुनाव के लिए भारी संख्या में नामांकन दाखिल

कई पंचायतों और वार्डों में एक भी उम्मीदवार सामने नहीं आया

आदिलाबाद, 30 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले की 506 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन कुल 2,593 नामांकन जमा हुए। अधिकारियों के अनुसार, आदिलाबाद जिले की 166 पंचायतों के लिए 756 नामांकन मिले, मंचेरियल की 90 पंचायतों के लिए 518, निर्मल की 136 पंचायतों के लिए 798 और कुमराम भीम आसिफाबाद की 114 पंचायतों के लिए 521 नामांकन दाखिल हुए।

वार्ड सदस्य पदों पर भी उम्मीदवारों ने बड़ी संख्या में नामांकन भरे। आदिलाबाद के 1,390 वार्डों के लिए 2,199 नामांकन मिले, मंचेरियल में 816 वार्डों के लिए 1,749, निर्मल में 1,082 वार्डों के लिए 2,080 और आसिफाबाद के 944 वार्डों के लिए 1,426 नामांकन दाखिल हुए। नामांकन दाखिल करने के लिए देर रात तक लाइनें लगी रहीं। हैरानी की बात यह रही कि मंचेरियल जिले की तीन ग्राम पंचायतों और 34 वार्डों में एक भी नामांकन नहीं मिला। आदिलाबाद के उत्नूर मंडल में सिर्फ तीन वार्डों में नामांकन हुए, जबकि दस्तूराबाद मंडल की एक पंचायत और निर्मल जिले के सात वार्ड बिना नामांकन के रह गए।

साहूकारों की प्रताड़ना से व्यापारी ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 30 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के मैलारदेवपल्ली इलाके में शनिवार रात एक व्यापारी ने कथित रूप से निजी साहूकारों के उत्पीड़न से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, 40 वर्षीय शेख इमरान परिवार के साथ शास्त्रीपुरम में रहते थे और पुराने फर्नीचर का कारोबार करते थे। शनिवार रात दुकान से घर लौटने के बाद उन्होंने कमरे में फांसी लगा ली। परिजनों का आरोप है कि इमरान ने जहाँगीर और सोहेल नामक दो साहूकारों से 3 लाख रुपये उधार लिए थे, लेकिन दोनों ने एक साल में उनसे 9 लाख रुपये वसूल लिए। इसके बावजूद वे और पैसे की मांग कर रहे थे और इमरान को लगातार परेशान कर रहे थे। इसी तनाव में उन्होंने आत्महत्या कर ली। मैलारदेवपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

ए. क्रिस्सी देबोराह
माता : ए. दिव्या
पिता : विजय कुमार

तृतीय पुण्यतिथि

स्वर्गवास 01-12-2022

स्व.श्री कसारामजी आगलेचा

सुपुत्र : स्व. श्री भीकारामजी आगलेचा (मरूधर में मुकनपुरा,जाणुन्दा)

स्नेह आपका था हम पर, करते है नमन आपको।
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको।।

श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :
गंगाबाई (धर्मपत्नी),स्व. नन्दारामजी, खेतारामजी, मोतीरामजी (भाई),
दीपाराम, दिनेश (पुत्र) झमकुबाई -नेनारामजी काग,
चम्पाबाई- चन्द्रगुप्तजी चोयल (पुत्री-जंवाई) ,हेमंत, पीयूष,अभिषेक,
अंश, हितेश, पायल (पौत्र-पौत्री), हंसिका (पड़पौत्री)
एवं समस्त आगलेचा परिवार
फर्म : * चौधरी पॉन ब्रोकर - कवाडीगुड़ा *
* श्री भगवती मार्केटिंग - तिरूमलगिरी *
* लक्ष्मी पेंन्टस् इलेक्ट्रीकल्स एंड सेनेटरी गुंडलापोचमपल्ली, कोमपल्ली
9966047492, 9949117817, 9849747343

AAIMAA ADS

ठंड से होगी दिसंबर की शुरुआत, पहले दिन ही कोहरे की एंट्री का अलर्ट

लखनऊ, 30 नवंबर (एजेंसियां)। सोमवार से पूरे प्रदेश में ठंड में बढ़ेगी। इससे पहले प्रदेश में 7.7 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ कानपुर शहर सबसे ठंडा रहा। इटावा में रात का पारा 8 डिग्री और बरेली में 9 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि अगले दो दिनों में उत्तरी पछुआ हवाओं का असर पूरे प्रदेश में दिखाई देगा। इससे ठंड बढ़ेगी। सोमवार को सुबह तराई समेत ज्यादातर इलाकों में सुबह-शाम हल्के से मध्यम कोहरे के आसार हैं।

बिहार विधानसभा का पहला सत्र आज से

पटना, 30 नवंबर (एजेंसियां)। 18वीं बिहार विधानसभा का पहला सत्र सोमवार 1 दिसंबर से शुरू हो रहा है। इस शीतकालीन सत्र से बिहार विधानसभा में एक नया युग शुरू होने जा रहा है और इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि पहली बार पूरी कार्यवाही डिजिटल माध्यम में संचालित होगी। सरकार ने सभी विधायकों को टैबलेट उपलब्ध कराए हैं, जिनका उपयोग सवाल पूछने, कार्यसूची देखने और नोटिंग के लिए किया जाएगा।

यह कदम विधानसभा को पेपरलेस बनाने और प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और परफेक्ट बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। सत्र के पहले दिन यानी 1 दिसंबर को नवनिर्वाचित

विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। इसके बाद 2 दिसंबर को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जहां सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की नजरें इस प्रक्रिया पर होंगी। माना जा रहा है कि यह चुनाव भविष्य की राजनीतिक गतिविधियों की दिशा तय करेगा।

बता दें कि बिहार चुनाव परिणामों के अनुसार, एनडीए ने 202 सीटें हासिल कर तीन-चौथाई बहुमत प्राप्त किया है, जिसमें भाजपा को 89 और जदयू को 85 सीटें मिलीं। वहीं, महागठबंधन को महज 35 सीटों पर ही जीत मिल पाई। अब सभी 243 सदस्यों के शपथ ग्रहण के साथ ही विधानसभा का सत्र शुरू हो जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि यह सत्र नितीश कुमार सरकार की 'सुशासन' एजेंडे को मजबूत करने का अवसर साबित होगा और डिजिटल पहल और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था इसे और खास बनाएगी।सत्र की शुरुआत में प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाएंगे। बता दें यादव आठ बार विधायक रह चुके हैं और वह इस समारोह की अगुवाई करेंगे।

राज्यपाल का अभिभाषण और सरकार की प्राथमिकताएं

शपथ ग्रहण के बाद 2 दिसंबर को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा सूत्रों के अनुसार, भाजपा के वरिष्ठ विधायक प्रेम कुमार इस पद के मजबूत दावेदार हैं जो गठबंधन की आपसी सहमति के आधार पर चुने जाएंगे। 3 दिसंबर को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राज्यपाल अभिभाषण देंगे। इसमें सरकार अगले पांच वर्षों की विकास प्राथमिकताओं, बजट अनुमान, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक सुधारों का खाका पेश करेगी। खास तौर पर डिजिटल विधानसभा को लेकर उठाए गए कदमों और आगामी योजनाओं का उल्लेख होने की संभावना है।

4 दिसंबर को राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बहसबाजी और गर्मागर्मी की उम्मीद है। चर्चाओं के बाद सरकार सदन के सवालों के जवाब देगी।

पति ने पत्नी की मार दी गोली, बेटे ने उगला राज

नवादा, 30 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के नवादा जिले से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां पति ने पत्नी की पारिवारिक विवाद के चलते गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद वह मौके से फरार हो गया। गोली की आवाज सुनते ही इलाके में हड़कंप मच गया मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई थी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए घटना के महज 12 घंटे के अंदर ही आरोपी पति को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र के पुरानी हरदिया गांव में शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे पति गोपाल मिश्रा ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। जांच में सामने आया है कि उनकी बीच किसी बात को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी के चलते गोपाल ने देशी कट्टा से पत्नी को गोली मार दी

मोतिहारी में 3 जगह एनआईए की रेड

फेक करेंसी, हवाला मामले में कार्रवाई

मोतिहारी, 30 नवंबर (एजेंसियां)। मोतिहारी में रविवार सुबह साढ़े 4 बजे राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने दबिश दी है। जिले में 3 जगह रेड हुई है। जांच एजेंसी की एक टीम चकिया थाना क्षेत्र के कोयला बेलवा गांव पहुंची। वहीं आदापुर थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग जगह पर छापामारी की जा रही है। मामला साइबर फ्रॉड, नकली नोट और हवाला कारोबार से जुड़ा बताया जा रहा है। चकिया में एनआईए की टीम दिवंगत नारायण पाठक के घर पहुंची। नारायण पाठक की बेटी प्रियंका की शादी नेपाल के रहने वाले धीरज तिवारी से हुई थी। प्रियंका की मौत के बाद भी उसके खाते से करोड़ों के लेनदेन हुए।

एनआईए ने धीरज को गिरफ्तार कर लिया है। टीम ने घर को घेरकर तलाशी अभियान शुरू किया। एनआईए की टीम ने परिवार के सदस्यों से एक कमरे में पूछताछ की। घरवालों के फोन जब्त कर लिए गए हैं। एनआईए की 10 सदस्यीय टीम रेड में शामिल है। साथ ही छापेमारी के दौरान चकिया एसएसपी संतोष सिंह, चकिया थानाध्यक्ष, पिपरा थानाध्यक्ष, मेहसी थाना और जय बजरंग थाना की पुलिस मौके पर मौजूद रही।

नेपाल के युवक से की थी बेटी की शादी

कोयला बेलवा निवासी दिवंगत नारायण पाठक ने 2012 में अपनी बेटी प्रियंका की शादी नेपाल के धीरज तिवारी से की थी। 2018 में उनकी बेटी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। नियम के अनुसार मृत्यु के बाद उनका बैंक खाता बंद हो जाना चाहिए था, लेकिन उनकी मौत के बाद भी खाते से करोड़ों रुपए का लेनदेन किया गया है। बताया जा रहा है कि बेटी प्रियंका का पति पिछले एक सप्ताह से अपने ससुराल में ही था। इसी दौरान एनआईए की टीम कोयला बेलवा गांव पहुंची और उसके ससुराल में छापेमारी की।

धीरज तिवारी के पास दो देशों की नागरिकता

प्रियंका का पति धीरज तिवारी नेपाल का रहने वाला है, वह दुबई में काम करता है। उसके पास भारत और नेपाल दोनों की नागरिकता है। एनआईए की टीम धीरज की तलाश कर थी। धीरज पिछले एक सप्ताह से अपने ससुराल में ही था। इसी दौरान एनआईए की टीम कोयला बेलवा गांव पहुंची जहां से धीरज को गिरफ्तार कर लिया है।

आदापुर थाना क्षेत्र में 2 जगह रेड

दूसरी तरफ आदापुर थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग जगह पर छापामारी की गई है। आदापुर थाना क्षेत्र के अररा गांव के रुदल पासवान के घर रक्सौल डीएसपी के साथ कई थाने की पुलिस मौजूद है। एनआईए की टीम आदापुर के अररा गांव के बद्री साहनी के घर उसके दामाद जितेंद्र साहनी की तलाश में आई थी। हालाकि एनआईए की टीम के आने के पहले ही जितेंद्र वहां से भाग निकला। जिसके बाद जांच एजेंसी वापस लौट गई।

सीएम योगी ने सुनी समस्याएं बोले-घबराइए मत, हर समस्या का होगा समाधान

गोरखपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन, रविवार सुबह जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निस्तारण कराएं। इससे पहले शनिवार को भी सीएम ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं थीं।

रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए।

हार्ट अटैक से बीएलओ शोभा रानी की मौत

लगी थीं एसआईआर के काम में; परिवार कर रहा था एकलौते बेटे की शादी की तैयारी

धामपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के बिजनौर स्थित धामपुर के मोहल्ला बाड़वान के बूथ संख्या 97 पर तैनात बीएलओ शोभा रानी (56) की हृदय गति रुकने से मौत हो गई। मधुमेह से पीड़ित बीएलओ दो-तीन दिनों से तबीयत खराब होने के बाद भी एसआईआर के काम में लगी थी। हालांकि अधिकारियों ने काम की वजह से तनाव की बात को नकारा है। कृपाल सैनी ने बताया कि उनकी पत्नी शोभा रानी बीमार चल रही थीं।

लेकिन जब से एसआईआर प्रक्रिया शुरू हुई तब से काम का दबाव बढ़ गया था। देर रात तक बीएलओ कार्य में लगी रहती थीं। सुबह शोभा रानी की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। जहां से उनकी हालत गंभीर देखते हुए मुरादाबाद रेफर कर दिया। जहां लगभग साढ़े 11 बजे दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में भारी शोक है। मृतका के एक पुत्री व पुत्र है।

सुसाइड करने वाली महिला कांस्टेबल के पिता का छलका दर्द

मेरी बेटी आत्महत्या नहीं कर सकती

अलीगढ़, 30 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में महिला कांस्टेबल हेमलता सुसाइड केस ने अब तूल पकड़ लिया है। हेमलता के पिता करमवीर सिंह ने कहा कि उनकी बेटी का स्वभाव ऐसा नहीं था कि वह इस तरह टूट जाए। उसने जरूर किसी के दबाव या तनाव में आकर यह कदम उठाया है। इसके पीछे की बात छिपाई जा रही है। पुलिस तह तक जाकर जांच करे।

ये भी कहा कि अगर सीसीटीवी कैमरे और सीडीआर खंगाले जाएं तो सच सामने आ जाएगा। रिटायर दारोगा के मकान में किराए पर रहने वाली हेमलता को लेकर पिता का कहना है कि उसे अपने चाचा की बेटी की शादी में आने के लिए छुट्टी मिल गई थी। रात को ही फोन पर बातचीत हुई थी उससे। वो बिल्कुल ठीक लग रही थी। फिर इस तरह का कदम कैसे उठा सकती है? बन्नादेवी थाना क्षेत्र के

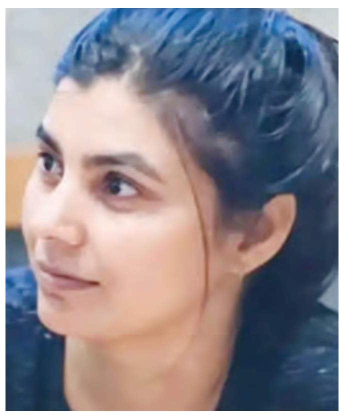

जवाहर नगर में किराए के मकान में रह रही एक महिला सिपाही ने शनिवार दोपहर को आत्महत्या कर ली। घटना से पहले चंद मिनट पहले ही उसने व्हॉट्सऐप पर स्टेटस डाला था। इसके बाद पुलिस मकान में पहुंची तो सिपाही फंदे पर लटकी मिली। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच में जुटी है।

अनुष्का शर्मा आईएएस

बिना कोचिंग बनीं आईएएस, अब यूपी में मिली बड़ी जिम्मेदारी

प्रतापगढ़, 30 नवंबर (एजेंसियां)। इन दिनों आईएएस अनुष्का शर्मा का नाम खबरों में है। उन्हें उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। अनुष्का शर्मा को यूपी के प्रतापगढ़ जिले में संयुक्त मजिस्ट्रेट (जेएम) बनाया गया है। अनुष्का को ये बड़ी जिम्मेदारी भले ही यूपी में मिली हो लेकिन वे रहने वाली मध्य प्रदेश की हैं। आइए, जानते हैं कि अनुष्का शर्मा कौन हैं और उनकी यूपीएससी की जर्नी क्या है।

तीसरे प्रयास में पाई सफलता

अनुष्का शर्मा ने अपने तीसरे प्रयास में सफलता हासिल की। उन्होंने यूपीएससी सीएसई 2023 के परिणाम में सफलता हासिल की। उन्हें उत्तर प्रदेश कैडर मिला। वे हमेशा से विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देने और जनता की समस्याओं को समझने के लिए जानी जाती हैं। उनके अंदर की युवा एनर्जी और देश विदेश में विभिन्न जगहों पर रहने के अनुभव से उनके काम में बहुत निखार आया है।

पिता के ट्रांसफर के कारण अलग-अलग शहरों में रहा परिवार

अनुष्का शर्मा का जन्म राजस्थान के जयपुर में हुआ था। उनके पिता बैंक अधिकारी हैं, जिनका ट्रांसफर बाद के दिनों में महाराष्ट्र में हो गया। पिता की नौकरी के कारण अनुष्का और उनके परिवार को अलग-अलग राज्य और शहरों में रहना पड़ा जैसे कि महाराष्ट्र, चंडीगढ़ और इंदौर।

न्यूयॉर्क से हुई पढ़ाई

पढ़ाई-लिखाई की बात करें तो अनुष्का की पढ़ाई कई राज्यों से हुई है। 10वीं तक की पढ़ाई उन्होंने मुंबई से की और फिर दो साल चंडीगढ़ से पढ़ाई की। उच्च शिक्षा के लिए अनुष्का न्यूयॉर्क चली गईं, जहां उन्होंने सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क (क्यूनी) से इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की है।

मौलाना मदनी के जिहाद वाले बयान पर आरिफ मोहम्मद खान बोले- देवबंद में कौन-सी परिभाषा पढ़ाई जा रही

पटना, 30 नवंबर (एजेंसियां)। जमीयत उलेमा ए हिन्द के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी के जिहाद को लेकर दिए गए बयान ने तूल पकड़ लिया है। इस पर उत्तर प्रदेश के कानपुर में पहुंचे बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जिहाद मूल रूप से कोई गलत शब्द नहीं है, बल्कि किसी गरीब,पीडित या सताए जा रहे व्यक्ति का समर्थन करना ही वतस्विक जिहाद है।

अब देवबंद में जिहाद की क्या परिभाषा पढ़ाई जा रही है मदनी बताएं। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान एक कार्यक्रम के सिलसिले में कानपुर पहुंचे थे, जहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में अपनी राय रखी। उन्होंने एसआईआर को लेकर कहा कि बिहार में चुनाव पूरा हो गया, लेकिन कोई शिकायत नहीं की गयी।

देवबंद की किताब का जिक्र

राज्यपाल खान ने कहा कि देवबंद की एक किताब में यह पढ़ाया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को अपने धर्म की ओर बुलाया जाए और वह स्वीकार न करे, तो उस पर जोर जबरदस्ती करना ही जिहाद बताया गया है। उन्होंने कहा कि असली कुरान इस तरह की बात नहीं करता। कुरान के अनुसार किसी मजलूम, परेशान या दुखी व्यक्ति के लिए लड़ाई की जाए, वही जिहाद है।

एसआईआर पर बिहार में शिकायत दर्ज नहीं

इसके साथ ही उन्होंने एसआईआर (विशेष पुनरीक्षण) को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इसकी विस्तृत जानकारी उन्हें नहीं है, लेकिन बिहार में इसकी काफी आलोचना हुई थी। चुनाव आयोग ने भी स्पष्ट किया था कि यदि किसी को कोई आपत्ति है तो वे अपनी समस्या लिखकर दें। बिहार चुनाव खत्म हो गए, लेकिन इस विषय में किसी एक व्यक्ति ने भी शिकायत दर्ज नहीं कराई। दरअसल मौलाना महमूद मदनी ने भोपाल की जमीयत की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी की थी, जिसमे कई मामलों में ख़ामोशी का जिक्र था। जिस पर उन्होंने कहा था कि जब जब जुल होगा, तब तब जिहाद होगा।

सीमा हैदर का बनेगा वोटर आईडी कार्ड.. एसआईआर प्रक्रिया में क्या होगा

नोएडा, 30 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के साथ-साथ कई राज्यों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान ने हर तरफ बहस छेड़ दी है। वोटर लिस्ट की बड़े पैमाने पर जांच-परख इसकी वजह है। एसआईआर का मकसद है, पुरानी एंट्री हटाना, संदिग्ध नामों की जांच, और डेटा का मिलान करना। लेकिन सोशल मीडिया पर सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि इस अभियान का असर क्या सीमा हैदर जैसे मामलों पर भी पड़ेगा? क्या वह नोएडा छोड़ने को मजबूर होंगी? सीमा गुलाम हैदर पाकिस्तान के कराची की रहने वाली महिला हैं। 2014 में उनकी शादी गुलाम हैदर से हुई। साल 2023 में पबजी गेम खेलते हुए उनकी पहचान और फिर दोस्ती नोएडा के सचिन मीणा से हुई। कहा जाता है कि नेपाल में दोनों मिले, मंदिर में शादी की और उसके बाद सीमा अपने चार बच्चों के साथ नेपाल बॉर्डर से भारत आ गईं। नोएडा में रहने के दौरान दोनों को हिरासत में लिया गया। सीमा पर भारत में अवैध प्रवेश और फर्जी पहचान का केस दर्ज हुआ, लेकिन बाद में उन्हें जमानत मिल गई। इसी दौरान सीमा का मामला राष्ट्रीय सुर्खियों में छा गया।

क्या एसआईआर अभियान सीमा पर असर डाल सकता है?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि वोटर लिस्ट की इस बड़ी जांच का सीमा हैदर के केस से क्या संबंध है? इसका सीधा जवाब है, सीमा हैदर पर इसका कोई सीधा असर नहीं पड़ता। एसआईआर सिर्फ मतदाता सूची को अपडेट करने का काम करता है। यह अभियान किसी को घर खाली कराने, शहर छोड़ने या कहीं और भेजने से बिल्कुल नहीं जुड़ा है। न ही यह अभियान पुलिस जांच या केंद्रीय एजेंसियों की नागरिकता जांच जैसा होता है। इसके तहत सिर्फ यह देखा जाता है कि वोटर लिस्ट में गलत या डुप्लीकेट एंट्री तो नहीं हैं।

जौनपुर माफिया नंबर वन... क्या बाहुबली नेता धनंजय सिंह को अखिलेश यादव ने कहा माफिया?

जौनपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। कोडीन कप सिरफ मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इसे लेकर राजनीतिक सरगर्मियां भी शुरु हो गई हैं। इस मामले में जैसे ही पूर्व सांसद और बाहुबली नेता धनंजय सिंह का नाम जुड़ा इस मामले ने रफ्तार पकड़ ली। इसका जिक्र करते हुए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में करते हुए धनंजय सिंह को सीधे तौर पर माफिया कह दिया है। बता दें कि कप सिरफ मामले में यूपी से जिन आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है

उनका कनेक्शन धनंजय सिंह से बताया जा रहा है। ऐसे में अखिलेश यादव ने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अब वह आने वाले दिनों में वन डिसर्ट्रिक्ट वन माफिया के तौर पर एक-एक कर कई सारे लोगों का नाम लेने जाने वाले हैं। इस दौरान उन्होंने एक वीडियो भी चलाया जिसमें साफ तौर पर इसका

जिक्र था कि किस तरह से धनंजय सिंह इस पूरे मामले में फंस रहे हैं।

धनंजय सिंह को लेकर अखिलेश यादव का हमला

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अखिलेश यादव ने सीधे तौर पर धनंजय सिंह को माफिया करार दिया। उन्होंने कहा कि वन डिसर्ट्रिक्ट वन माफिया आज हम लोगों को मिला। कुछ खबर तो डिसर्ट्रिक्ट जौनपुर माफिया नंबर वन।।। ये हम नहीं कह रहे ये तो खबर पढ़ के खबर चला रहे।' इस दौरान अखिलेश यादव ने ये भी कहा कि आने वाले दिनों में वह इसी तर्ज पर राज्य के अन्य माफियाओं के नाम भी उजागर करेंगे।

कैसे सामने आया धनंजय सिंह का नाम?

18 नवंबर को सोनभद्र में चिप्स से भरी एक गाड़ी पकड़ी गई। चिप्स हटाने पर उसके नीचे भारी मात्रा में कोडिन युक्त कफ सिरप बरामद हुई। इस सप्लाई चेन का लिंक शुभम जायसवाल से जुड़ा जिसे गिरोह का किंगपिन बताया जा रहा है। शुभम और उसके पिता भोला के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद से शुभम फरार है। शुभम की तलाश करते-करते ही यूपी एसटीएफ जौनपुर पहुंची और अमित सिंह टाटा को हिरासत में लिया। इस बीच अमित सिंह टाटा और शुभम जायसवाल की कुछ तस्वीरें वायरल होने लगीं। इस दौरान एक वीडियो भी सामने आया जिसमें धनंजय सिंह अमित सिंह टाटा को अपना छोटा भाई बता रहे हैं। लेकिन अमित सिंह और धनंजय सिंह के बीच के कनेक्शन की चर्चा तब और होने लगी जब पता चला कि अमित सिंह टाटा की फॉर्च्यूनर गाड़ी की नंबर सीरीज '9797' है। यह नंबर सीरीज पूर्वांचल में पूर्व सांसद धनंजय सिंह की गाड़ियों के काफिले की पहचान मानी जाती है। हालांकि यह गाड़ी अमित की पत्नी साक्षी सिंह के नाम पर दर्ज है।

धनंजय सिंह ने की सीबीआई जांच की मांग

वहीं दूसरी ओर धनंजय सिंह इस मामले को अपने खिलाफ एक साजिश बता रहे हैं। उनका कहना है कि इस साजिश के जरिए उनकी और सरकार की छवि धूमिल करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ और पीएम मोदी को एक पत्र भी लिखा है जिसमें उन्होंने सीबीआई जांच कराने की अपील की है।

कौन हैं धनंजय सिंह

धनंजय सिंह पूर्व सांसद रह चुके हैं। जौनपुर से ही उनकी पत्नी भी चुनाव लड़ी थी और उनके परिवार से कई लोग राजनीति में रह चुके हैं। धनंजय सिंह को पूर्वी उत्तर प्रदेश का बड़ा नेता माना जाता है और वह लगातार कई बार खबरों में भी रहते हैं अपने बयानों को लेकर। लेकिन इस बार वह कफ सिरफ मामले को लेकर चर्चा में हैं।

दुल्हन की मौत: शादी के 28 दिन बाद तालाब में मिला शव

बरेली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। बरेली के सुभाषनगर क्षेत्र में शादी के 28 दिन बाद ही विवाहिता ज्योति (24 वर्ष) का शव घर के पीछे तालाब में मिला। पोस्टमॉर्टम में डूबने से मौत की पुष्टि हुई है। ज्योति के पिता राजेश कुमार ने बेटी के पति लव शर्मा, सास सरोज शर्मा, जेठ अरविंद शर्मा व अमित शर्मा, ननद पूजा, ननदोई कपिल पाठक के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया है। मढ़ीनाथ हनुमान गढ़ी के सामने तालाब में सुबह सात बजे ज्योति का शव मिला।

ससुराल पक्ष के लोग उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सुभाषनगर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने ज्योति के पिता किला थाना क्षेत्र के गढ़ैया निवासी राजेश कुमार सैनी को बुला लिया। उन्होंने बताया कि एक नवंबर को उन्होंने बेटी की शादी लव शर्मा से की थी। लव इंद्रा मार्केट में कपड़े का काम करता है।

मोतिहारी में बेकाबू ट्रक ने 6 गाड़ियों को रौंदा, 5 लोगों की मौके पर मौत, कई घायल

मोतिहारी, 30 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मोतिहारी-गोपालगंज नेशनल हाइवे कोटवा थाना क्षेत्र के दिपउ मोड़ के पास रविवार (30 नवंबर) की दोपहर तेजरफ्तार ट्रक ने छह गाड़ियों को टक्कर मार दी। ट्रक की चपेट में 5 बाइक और एक ई रिक्शा आई, जिसमें पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक कोटवा थाना क्षेत्र के दीपक मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं 6 लोग घायल है सभी घायलों को इलाज के लिए ग्रामीण की सहयोग से अस्पताल पहुंचाया गया है। घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। एक्सीडेंट इतना जबरदस्त था कि मौके पर बाइक और ई-रिक्शा में सवार 5 लोगों की मौके पर मौत हो गई है। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन से चार बाइक ट्रक के नीचे जा फंसी। घटना के बाद स्थानीय लोगों का आक्रोश देखा गया और नेशनल हाईवे जाम कर दिया।

निकाय चुनाव: मुंबई में सजती है महफिल

मगर जमीन पर खून के प्यासे, शिंदे का बीजेपी के खिलाफ ऐसा खेल

मुंबई, 30 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में इस ऐसा खेल चल रहा है, जो किसी बॉलीवुड फिल्म से कम नहीं लगता। यहां विधानसभा चुनावों में खून की होली खेलने वाले दलों के नेता आज निकाय चुनावों में एक दूसरे के गले मिल रहे हैं। शिवसेना के दो खेमे जो 2022 के बंटवारे के बाद एक-दूसरे को 'गद्दार' और 'ठग' कहते थे, अब कुछ जगहों पर साथ लड़ रहे हैं। कांग्रेस जो कभी 'शत्रु' थी, अब शिंदे सेना की सहयोगी बन गई है। और सबसे बड़ा धमाका तो शरद पवार की एनसीपी (एसपी) और भतीजे अजित पवार की एनसीपी ने किया है। चाचा-भतीजे की जिस लड़ाई ने एक वक्त महाराष्ट्र की सियासत को हिला दिया था, अब वही कुछ सीटों पर साथ मिलकर लड़ते दिख रहे हैं। महाराष्ट्र की 246 नगरपरिषदों और 42 नगरपंचायतों में 2 दिसंबर को वोटिंग होने वाली है। इस चुनाव को लेकर ऐसे गठबंधन बनाए जा रहे हैं, जो कइयों को चौंका रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ये 'अस्थायी शादियां' हैं, जो बीजेपी या लोकल दबंगों को हराने के लिए की जा रही हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये अजब गठबंधन महायुति और महाविकास अघाड़ी की बड़ी लड़ाई को भी प्रभावित करेंगे? या ये सिर्फ जमीनी हकीकत की मजबूरी हैं? चलिए, इन अजब गठबंधनों को करीब से देखते हैं।

शिंदे ने क्यों मिलाया उद्धव की सेना से हाथ?

मुताबिक, पुणे जिले की चाकण नगरपरिषद में शिंदे सेना की उम्मीदवार मनीषा सुरेश गोर ने मेयर पद के लिए नामांकन भरा। शिंदे सेना के विधायक शरद सोनवाने और शिवसेना (यूबीटी) के विधायक बबाजी काले उनके साथ थे। काले ने बाद में सफाई दी कि ये कोई औपचारिक गठबंधन नहीं, बल्कि दिवंगत पूर्व विधायक सुरेश गोर को श्रद्धांजलि है। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और कहती है... दोनों सेनाएं मिलकर बीजेपी को चुनौती दे रही हैं, जो चाकण में मजबूत है।

इसी तरह, सिंधुदुर्ग जिले की कंकावली नगरपरिषद में शिंदे सेना और उद्धव सेना ने 'शहर विकास अघाड़ी' बनाई है। इसके प्रमुख हैं उद्धव सेना के संदेश पारकर, जो अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ रहे हैं। यहां दोनों सेनाओं का मकसद बीजेपी की पकड़ तोड़ना है।

शिंदे की सेना के साथ क्यों आई कांग्रेस?

ये 'मिलन' सिर्फ शिवसेना के दोनों धड़ों तक तक सीमित नहीं। धाराशिव जिले की ओमेगा नगरपरिषद में शिंदे सेना ने कांग्रेस से हाथ मिला लिया। पूर्व शिवसेना सांसद रविंद्र गायकवाड़ कांग्रेस के साथ लोकल गठबंधन चला रहे हैं, और अध्यक्ष पद पर बीजेपी के हर्षवर्धन चालुक्या से भिड़ रहे हैं।

जलगांव के चोपड़ा में शिंदे सेना के विधायक चंद्रकांत सोनवाने ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरा, लेकिन बीजेपी के समर्थन हटने के बाद उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया। यहां चुनाव प्रचार के पोस्टरों पर शिंदे के साथ सोनिया गांधी, राहुल गांधी और एनसीपी (सपा)) नेताओं की तस्वीरें लगी हैं... वो भी महायुति के 'हिंदुत्व' वाले बैनर के नीचे!

गौ-तस्करी और अवैध कसाईखानों पर लगेगी लगाम

ओडिशा सरकार ला रही है विशेष गौ-सुरक्षा कानून

भुवनेश्वर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार गौ-माता की सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगी। इसके साथ ही, राज्य में अवैध कसाई खाने और गौ-तस्करी को पूरी तरह बंद किया जाएगा।इसे प्रभावी बनाने के लिए राज्य सरकार विशेष गौ-सुरक्षा कानून लाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। आने वाले विधानसभा सत्र से पहले इस बारे में स्पष्ट तस्वीर सामने आ सकती है, ऐसा कहना है कानून, पूर्ति और आबकारी मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन का। राज्य में गो-सुरक्षा की मांग को लेकर अनशन पर बैठे प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के दौरान मंत्री हरिचंदन ने कहा कि हमारे देश के प्रत्येक नागरिक के मन में गौ-माता के प्रति जो भावना है, उसे कभी भी आहत नहीं होने दिया जाएगा।

सरकार ओडिशा में गो-सुरक्षा को लेकर अत्यंत गंभीर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के दृढ़ नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकार ओडिशा में गो-सुरक्षा को लेकर अत्यंत गंभीर है। इस संबंध में एक बार फिर मुख्यमंत्री और गो-सुरक्षा प्रतिनिधि मंडल के बीच चर्चा होगी तथा सर्वोत्तम गो-सुरक्षा कानून लाने के लिए सरकार विचार-विमर्श कर रही है, ऐसा आश्वासन मंत्री हरिचंदन ने प्रतिनिधिमंडल को दिया। मंत्री के आश्वासन के बाद पिछले पांच दिनों से चल रहा अनशन वापस ले लिया गया।गो-सुरक्षा पर आयोजित बैठक में मुख्य सचेतक सरोज कुमार प्रधान, एकाम्र भुवनेश्वर विधायक बाबू सिंघ, धर्मशाला विधायक हिमांशु शेखर साहू, भद्रक विधायक सीतांशु शेखर महापात्र, महाकालपड़ा विधायक दुर्गा प्रसन्न नायक तथा अन्य प्रतिनिधि मौजूद थे।

साइबर ठगी के शिकार हुए कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के बेटे अली ने फर्जी खाता खोल यूपीआई आईडी से सारी रकम हड़पी

गोरखपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ। संजय निषाद के बेटे डॉ। अमित कुमार निषाद साइबर जालसाजी का शिकार हो गए हैं। जालसाजों ने उनके मोबाइल नंबर की मदद से न सिर्फ फर्जी बैंक खाता खुलवा लिया बल्कि उस पर यूपीआई भी सक्रिय कर दी। इसके बाद से डॉ। अमित को भेजी जाने वाली सारी रकम जालसाजों के खाते में जाने लगी। मामला संज्ञान में आने के बाद जंगल सालिकराम निवासी डॉ। अमित की तहरीर पर शाहपुर पुलिस ने समरीन अली नाम के व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि समरीन ने दिल्ली में बैंक ऑफ बड़ौदा की मंडावली शाखा में यह फर्जी खाता खुलवा रखा है। पुलिस ने इस संदिग्ध खाते की डिटेल निकलवाई। पुलिस साइबर सेल की मदद से जांच कर रही है। जालसाज यह काम कई महीनों से कर रहे थे। उन्होंने अब तक कितनी रकम का फर्जीवाड़ा किया है यह पता नहीं चल सका है।

डॉ। अमित की पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, उनका मोबाइल नंबर कई महत्वपूर्ण संपर्कों, संगठन और अनुदानों से जुड़ा है। पिछले कुछ महीनों से कोई भी भुगतान उनके खाते में नहीं हो रहा था। किन्हीं कारणों से उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया। पिछले हफ्ते उनके एक परिचित ने उनके अकाउंट में 50 हजार रुपये भेजे। उन्होंने जब इसके बारे में पूछा तो फोन में किसी लेनदेन का कोई मैसेज नहीं था। तब उन्होंने बैंक खाते की डिटेल निकलवाई। उससे पता चला कि समरीन अली नामक व्यक्ति ने उनके मोबाइल नंबर का दुरुपयोग करते हुए फर्जी बैंक खाता और यूपीआई आईडी बना रखी है, जिसमें उनके नंबर की यूपीआई आईडी पर भेजी जाने वाली सारी रकम जा रही है। यह खेल लंबे समय से चल रहा है।

मामला किया गया दर्ज

इस संबंध में शाहपुर थाना प्रभारी नीरज राय ने बताया कि डॉक्टर की तहरीर पर समरीन अली के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जांच निरीक्षक अवधेश तिवारी को सौंपी गई है। जालसाज की पहचान के लिए साइबर सेल की भी मदद ली जा रही है।

नशे के खिलाफ पटियाला पुलिस का तगड़ा एक्शन अलग-अलग जगहों से 5 नशेड़ियों को दबोचा

पटियाला, 30 नवंबर (एजेंसियां)। पटियाला पुलिस ने जिले के विभिन्न इलाकों से नशा करने के आदी पांच लोगों को काबू करते हुए इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। सिटी समाना पुलिस ने कोमलप्रीत सिंह निवासी छोटी माजरी समाना व जसवंत राम निवासी गाजीसलार समाना को नामधारी कालोनी समाना रोड से काबू किया है। इन दोनों से एक लाइटर, एक फायल पेपर, फायल पाइप सहित, कोतवाली थाना पटियाला पुलिस ने मोहित निवासी दाल दलिया चौक पटियाला मौजूदा निवासी प्रेम कालोनी पटियाला को ग्रेस टल के नजदीक झाड़ियों में नशा करते हुए एक लाइटर, एक फायल पेपर, फायल पाइप सहित, लाहौरी गेट थाना पुलिस ने गोल्डी निवासी भीम नगर सफाबादी गेट को काबू किया है। आरोपित ने पुलिस को देखते ही मुंह में प्रतिबंधित दवा की गोली निगल ली थी,

डीआईजी भुल्लर पर कसा शिकंजा

भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और अवैध संपत्ति, ईडी ने भी शुरू की मनी लॉन्ड्रिंग जांच

चडीगढ़, 30 नवंबर (एजेंसियां)। पांच लाख रुपये रिश्वत मामले में गिरफ्तार पंजाब पुलिस के रोपड़ रेंज के निलंबित डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। केंद्रीय जांच एजेंसियों ने भ्रष्टाचार और अवैध संपत्ति के मामलों में कार्रवाई तेज कर दी है। सीबीआई की विशेष अदालत में अगले महीने से मामले की सुनवाई शुरू होगी। इससे पहले एजेंसी भुल्लर के खिलाफ दर्ज भ्रष्टाचार मामले में चार्जशीट दाखिल करने की प्रक्रिया लगभग पूरी कर चुकी है जो 15 दिसंबर से पहले अदालत में पेश की जा सकती है। सीबीआई भुल्लर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच भी अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। उल्लेखनीय है कि 16 अक्तूबर को सीबीआई ने बिचौलिए कृष्णु शारदा के साथ भुल्लर को गिरफ्तार किया था।

आरोप है कि दोनों ने मंडी गोबिंदगढ़ के स्क्रैप डीलर आकाश बत्ता से आठ लाख रुपये रिश्वत की मांग की थी। सूत्रों के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी भुल्लर के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। ईडी सीबीआई की एफआईआर के आधार पर भुल्लर के बैंक खातों, लेन-देन और संपत्तियों की गहन जांच कर रही है। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने भुल्लर के सेक्टर-40 स्थित घर पर छापा मारा था। जांच के दौरान वहां से 7।5 करोड़ रुपये नकद, ढाई किलो सोना और कई बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज बरामद हुए थे। इन खुलासों के बाद सीबीआई ने आय से अधिक संपत्ति का अलग मामला दर्ज किया जबकि पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने भी इस मामले में अपनी जांच शुरू कर दी है।

कई एजेंसियों की संयुक्त जांच से बढ़ीं मुश्किलें

भुल्लर वर्तमान में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और अवैध संपत्ति से जुड़े मामलों में सीबीआई, ईडी और पंजाब विजिलेंस ब्यूरो की जांच का सामना कर रहे हैं। अगले महीने चार्जशीट दाखिल होने के बाद उनके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया और तेज होने की पूरी संभावना है।

जेल से बाहर आने के बाद कंचनप्रीत कौर के हौसले बुलंद, किया जिला परिषद चुनाव लड़ने का एलान

तरनतारन, 30 नवंबर (एजेंसियां)। बुधवार रात को झबाल थाने की पुलिस द्वारा गिरफ्तार की गई अकाली नेता कंचनप्रीत कौर रंधावा को जेएमआईसी पंकज वर्मा की कोर्ट ने पुलिस रिमांड पर भेजने के बजाय रविवार सुबह 4:02 बजे रिहा करने का आदेश दिया। रिहा होने के बाद कंचनप्रीत कौर ने कहा कि आज इतिहास में शायद एक बड़ी जीत दर्ज हुई है। क्योंकि एक तरफ मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार अकालियों को दबाने के लिए झूठे केस दर्ज करवा रही है और दूसरी तरफ शिरोमणि अकाली दल ने बहुत समझदारी से काम लेते हुए कानूनी लड़ाई लड़ी जिसमें हमें जीत मिली। इस मौके पर अकाली नेता विरसा सिंह वल्टोहा ने कहा कि कंचनप्रीत कौर रंधावा को गैर-कानूनी तरीके से गिरफ्तार करके अकाली दल का हौसला तोड़ने की कोशिश की गई है। हालांकि, पुलिस इसमें पूरी तरह फेल रही है। पंजाब हाई कोर्ट ने जहां सरकार के कहने पर कंचनप्रीत कौर की गैर-कानूनी गिरफ्तारी को झूठा करार दिया है, वहीं स्थानीय कोर्ट ने भी इंसाफ दिया है।

वल्टोहा ने कहा कि कंचनप्रीत कौर रंधावा जिला परिषद चुनाव में तरनतारन के जोन कसेल से शिरोमणि अकाली दल की उम्मीदवार होंगी। उन्होंने कहा कि कोर्ट के आज के फैसले से तरनतारन पुलिस के वे अधिकारी सुन्न हो गए हैं जो सरकार के कहने पर गैर-कानूनी तरीके से केस दर्ज करते आए हैं। एडवोकेट डीएस सोबती, अर्शदीप सिंह क्लेर, गौरवदीप सिंह वल्टोहा, दीपक अरोड़ा, जेएस ढिल्लो ने कहा कि आज अदालत के फैसले ने जहां कंचनप्रीत कौर को राहत दी। वहीं लोगों का न्याय प्रणाली बाबत यकीन बड़ा है।

अनमोल बिश्नोई को पाकिस्तानी गैंगस्टर से जान का खतरा, लगातार मिल रहीं धमकियां, कोर्ट से मांगी सुरक्षा

अमृतसर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने सुरक्षा याचिका दायर की है, जिसमें इस आशंका का हवाला दिया गया है कि सोशल मीडिया पर उसके हालिया पोस्ट के कारण पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी द्वारा उसे निशाना बनाकर जान से मारा जा सकता है। अनमोल बिश्नोई को निर्वासित किए जाने के बाद राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने गिरफ्तार किया था और वह फिलहाल एजेंसी की हिरासत में है। याचिका में कहा गया, ''लगातार मिल रही धमकियों के कारण आवेदक (अनमोल बिश्नोई) और उनके परिवार के सदस्य लगातार मानसिक तनाव में हैं और डर के साये में जी रहे हैं।''

'ऑनलाइन धमकियां असल हमलों में तब्दील हो जाती हैं'

इसके अलावा, याचिका में कहा गया है, ''ऐसी धमकियों को हल्के में नहीं लिया जा सकता, क्योंकि हाल की घटनाओं से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि ऑनलाइन धमकियां वास्तविक दुनिया में हिंसक हमलों में बदल चुकी हैं।'' अर्जी में अनमोल ने अदालत से यह भी अनुरोध किया कि वह जांच एजेंसी को निर्देश दे कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) मुख्यालय से न्यायालय परिसर तक जाते समय उन्हें पर्याप्त सशस्त्र पुलिस सुरक्षा प्रदान की जाए।

अनमोल बिश्नोई की हिरासत 5 दिसंबर तक बढ़ी

पहली बार विशेष न्यायाधीश (एनआईए) प्रशांत शर्मा ने सुनवाई नियमित अदालत के बजाय एनआईए मुख्यालय में की और अनमोल बिश्नोई की हिरासत 5 दिसंबर तक बढ़ा दी। इसके पहले, 19 नवंबर को अनमोल को 11 दिन की एनआईए हिरासत में भेजा गया था। एनआईए के विशेष लोक भियोजक, अधिवक्ता राहुल त्यागी ने बताया कि सुनवाई मुख्यालय में इसलिए हुई क्योंकि बचाव पक्ष के वकील ने इस बाबत अनुरोध किया था।

लूट के 37 लाख नकद और 90 लाख के गहने बरामद, पकड़े गए 10 आरोपी

झारसुगुड़ा, 30 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा की झारसुगुड़ा पुलिस ने 19 नवंबर को पान मसाला कारोबारी मुकेश बुचवानी के घर और दुकान में हुई सनसनीखेज लूटकांड का खुलासा किया है। इस मामले में दो नाबालिगों सहित कुल 10 लोगों को पकड़ा गया है। जांच में सामने आया कि इस गिरोह ने करीब दो साल पहले ही इस वारदात की योजना तैयार कर ली थी और पूरे घटनाक्रम को बेहद सोच समझकर अंजाम दिया। लुटेरे लगभग तीन घंटे तक घर में बंदूक और चाकू की नोक पर घर के लोगों को बंधक बनाकर कीमती सामान समेटते रहे।

पुलिस को कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में लूटा गया माल वापस मिला है, जिसमें 37,27,000 नकद , 66,56,000 के लगभग सोने के जेवर और 24,77,000 की कीमत वाली चांदी के गहने और सिक्के शामिल हैं। इसके अलावा पुलिस ने तीन देसी तमंचे, 12 जिंदा कारतूस, दो चाकू, दो कार, दो स्कूटी और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान संजय सिंह, आकाश उर्फ राधाकांत काहनर, अशोक कुमार पंडा, जगबंधु बेहेरा, काह्ना चरण स्वाइन, सनत उर्फ आनंद राय, जीतू उर्फ जितेंद्र साहू, पिंकी उर्फ सुशीला मेहेर के रूप में हुई है, जबकि दो नाबालिगों को भी पकड़ा गया है।

पुलिस के अनुसार, वारदात के दिन आरोपी चेहरे ढंककर पहुंचे थे। उन्होंने व्यापारी पर हमला कर उनका हाथ घायल किया और इसके बाद घर में घुसकर बुजुर्ग सहित दो महिलाओं समेत सभी परिजनों को बांध दिया। इसके बाद गिरोह ने घर में मौजूद कीमती सामान, नकद और गहनों को लूट लिया। पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया, जिसके आधार पर पुलिस की कई टीमों ने तफ्तीश शुरू की। तकनीकी और गोपनीय सूचना के आधार पर सभी आरोपी पकड़े गए। पुलिस अब गिरोह के पिछले आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य संभावित घटनाओं की भी जांच कर रही है।

'मां के नाम पदयात्रा' से उमा भारती करेंगी वापसी राजनीतिक ब्रेक के बाद बुंदेलखंड में भावनात्मक दांव

टीकमगढ़, 30 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती अपनी मां को समर्पित एक विशेष पदयात्रा की शुरुआत करने जा रही हैं। यह यात्रा भावनात्मक रूप से उस मार्ग को पुनर्जीवित करेगी, जिस रास्ते से कभी उनकी मां अपने मायके गररोली गांव से ससुराल डूंडा तक पैदल जाया करती थीं। यही कारण है कि यात्रा का प्रारंभ टीकमगढ़ जिले के गररोली गांव से होगा और समापन 2 दिसंबर को उनके पैतृक गांव डूंडा में निर्धारित है। करीब 15 गांवों से गुजरते हुए यह यात्रा कछियाखेरा, सूरजपुरा और बड़ागांव मार्ग से होकर डूंडा पहुंचेगी, जहां उमा भारती एक जनसभा को संबोधित करेंगी।

उमा भारती ने बताया कि यह यात्रा व्यक्तिगत श्रद्धा और मां के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उनका कहना है कि वह बिल्कुल उसी मार्ग से चलेंगी, जिस रास्ते से उनकी मां ने जीवनभर आना-जाना किया। यह कदम उनके पारिवारिक इतिहास और मातृ-स्मृतियों का सम्मान करने की दिशा में उठाया जा रहा है। बता दें कि उमा भारती ने बीते रोज ही अपने गृहनगर टीकमगढ़ में खुलकर कहा था कि आगामी 2029 में वे झांसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि पार्टी टिकट देती है तो ही वे चुनाव लड़ेंगी। उनकी मां के नाम पर इस पदयात्रा के कई मायने निकाले जा रहे हैं।

हालांकि राजनीतिक गलियारे इस यात्रा को केवल भावनात्मक नहीं बल्कि रणनीतिक भी मान रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यात्रा उस क्षेत्र से होकर गुजरेगी जहां उनके भतीजे राहुल सिंह पिछला विधानसभा चुनाव खरगापुर सीट से हार चुके हैं। ऐसे में इसे उनके राजनीतिक आधार को मजबूत करने और स्थानीय संपर्क पुनः स्थापित करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

इधर टीकमगढ़ विधानसभा से कांग्रेस विधायक यादवेंद्र सिंह ने इस यात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए चुटकी ली। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद उमा जी को टीकमगढ़ की याद आई है, साथ ही उन्होंने स्वागत करते हुए तंज कस दिया कि यात्रा के अधिकांश गांव वे हैं जहां उनके भतीजे को पिछली हार का सामना करना पड़ा था। कुल मिलाकर, यह यात्रा जहां एक ओर मातृ-स्मरण का भावनात्मक अध्याय है, वहीं दूसरी ओर आगामी राजनीतिक समीकरणों की तैयारी का संकेत भी देती दिख रही है।

कांग्रेस को तोड़ना चाहता हूं, क्या भाई फैसल के साथ जाएंगी अहमद पटेल की बेटी मुमताज? एआईएमआईएम ने रगड़ा नमक, गुजरात में बड़ी हलचल

अहमदाबाद, 30 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन के बाद पार्टी हाईकमान की रणनीति पर जहां सवाल खड़े हो रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह अमित शाह के गृह राज्य गुजरात में कांग्रेस के लिए बेहद विचित्र स्थिति खड़ी हो गई है। कांग्रेस की शीर्ष नेता सोनिया गांधी के सालों तक राजनीतिक सलाहकार रहे दिवंगत अहमद पटेल के बेटे फैसल पटेल ने 'नई कांग्रेस' बनाने का ऐलान कर दिया है। फैसल पटेल ने कांग्रेस एपी (अहमद पटेल) बनाने का ऐलान किया है। भाई के फैसले ने बहन मुमताज पटेल को भी मुश्किल में डाल दिया है। गुजरात में बीजेपी को हराने के लिए लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने 'नई कांग्रेस' बनाने की शुरूआत गुजरात से की थी। कांग्रेस पार्टी का तो पता नहीं लेकिन फैसल पटेल अपने इरादे साफ कर दिए हैं। फैसल पटेल के ऐलान से राजनीति गरमा गई है।

मुमताज पटेल ने कांग्रेस में रहने का ऐलान किया है तो वहीं दूसरी ओर असुदद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम के दिल्ली के अध्यक्ष डॉ। शोएब जमई ने नमक रगड़ते हुए लिखा है कि जिस अहमद पटेल साहब ने 90 के दशक में डूबती हुई कांग्रेस को किनारे लगाने का काम किया था उनके परिवार के साथ कांग्रेस का यह रवैया उसके अहंकार को

दर्शाता है। फैसल पटेल साहब को अलग ग्रुप बनाने की जरूरत नहीं बल्कि वह एआईएमआईएम में शामिल हो जाएं। खूब इज्जत सम्मान मिलेगा जैसे उनके जैसे उनके वालिद की थी। दरअसल, दिवंगत वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद पटेल के बेटे फैसल पटेल ने ने फेसबुक पर लोगों से पूछा है कि क्या वह कांग्रेस से अलग होकर कांग्रेस (एपी) नाम से नया संगठन शुरू करें? फैजल पटेल ने लिखा है कि मेरी बहन मुमताज पटेल भी मेरे साथ जुड़ सकती है। मैं कांग्रेस पार्टी को तोड़ने का सोच रहा हूं। इसका नाम कांग्रेस (एपी) रखूंगा। क्या राय है सबकी?

गुजरात की जो राजनीति है उसमें अहमद पटेल के परिवार के पास ज्याद विकल्प नहीं है। मुस्लिम होने की वजह से शायद ही बीजेपी ने लेने का जोखिम उठाए। राज्य में तीसरा विकल्प आम आदमी पार्टी का है। आम आदमी पार्टी से मुमताज पटेल की तल्खी है। वह यह मानती हैं कि 2024 के लोकसभा चुनावों में वह आप की वजह से कांग्रेस के टिकट पर पिता की परंपरागत सीट भरूच से नहीं लड़ पाईं, क्योंकि यह सीट तब गठबंधन में आप को चली गई थी। यह पहला मौका नहीं है जब अहमद पटेल के बेटे फैसल ने कांग्रेस को मुश्किल में डाला है। इससे पहले उन्होंने गुजरात बीजेपी के तत्कलीन प्रदेश प्रमुख सी आर पाटिल से मुलाकात करके पार्टी नेतृत्व को शॉक्ड कर दिया था।

भाई फैजल बहन मुमताज का खंडन फैजल की पोस्ट पर बढ़ती चर्चा के बीच उनकी बहन मुमताज पटेल ने तुरंत साफ किया कि उनकी किसी नए राजनीतिक दल में शामिल होने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा है कि स्पष्ट कर दूं... मैं किसी नए राजनीतिक दल या पहल का हिस्सा नहीं बनने वाली। मेरे भाई की राय और फैसले पूरी तरह उनके अपने हैं, कृपया मुझे इससे न जोड़ें। हालांकि बिहार में हार के बाद मुमताज पटेल ने राहुल गांधी की मेहनत की तो तारीफ की थी लेकिन पार्टी नेतृत्व पर सवाल खड़े कर दिए थे। उन्होंने कहा था कि कुछ लोगों हाथों में पूरी ताकत दे दी गई है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 1 दिसंबर - 2025

महाराष्ट्र में बदलती राजनीति

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव सिर पर आ चुका है, सभी पार्टियां प्रचार के लिए पूरी ताकत झोंक रही हैं। 2 दिसंबर को मतदान जो होना है। इस चुनाव में गठबंधन के ऐसे नजारे देखने को मिल रहे हैं जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। इस चुनाव ने सारे राजनीतिक समीकरणों को तोड़ दिया है। आखिर 2022 का वह दिन कौन भूल सकता है जब विधानसभा में शिवसेना में दो फाड़ हो गया था। तब ठाकरे परिवार के सबसे निष्ठावान रहे एकनाथ शिंदे कई विधायकों के साथ अलग होकर एनडीए से जा मिले थे। बदले में उन्हें सीएम का पद मिला और कइयों को मंत्री पद। उस समय शिंदे गुट का आरोप था कि उद्धव ठाकरे ने बालासाहेब ठाकरे के सिद्धांतों के खिलाफ जाकर कांग्रेस और एनसीपी से समझौता किया है। लेकिन अब, स्थानीय निकाय चुनाव में कई सीटों पर उद्धव और शिंदे गुट एक साथ हैं। वरिष्ठ नेताओं के अनुसार यह स्थानीय एडजस्टमेंट है। उद्धव ठाकरे इस तरह के गठबंधनों से आपत्ति भी जता चुके हैं। लेकिन स्थानीय नेताओं का तर्क है कि उनकी पहली प्राथमिकता भाजपा को रोकना है। कई क्षेत्रों में स्थानीय इकाइयाँ हालात के अनुसार फैसले ले रही हैं। ऐसा ही रुख शिंदे गुट की तरफ से भी दिख रहा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि विचारधारा में कोई बदलाव आ रहा है। पुणे जिले की चाकन म्युनिसिपल काउंसिल में शिंदे गुट के प्रत्याशी मनीषा सुरेश गोरे ने नामांकन भरा तो उनके साथ विधायक शरद सोनवणे और उद्धव गुट के विधायक बाबाजी काले मौजूद थे। बाद में बाबाजी काले ने सफाई दी कि यह समर्थन केवल चाकन क्षेत्र और पूर्व विधायक सुरेश गोरे के सम्मान में दिया गया है। सिंधुदुर्ग जिले की कणकवली म्युनिसिपल काउंसिल में भी उद्धव ठाकरे और शिंदे गुट एक साथ हैं। यहां उनके गठबंधन को "शहर विकास आघाडी" नाम दिया गया है और इसका नेतृत्व उद्धव गुट के नेता संदेश पवार कर रहे हैं, जो अध्यक्ष पद के उम्मीदवार हैं। दोनों ही गुट यहां भाजपा के प्रभाव को निपटाने की कोशिश में हैं। कुछ जगह कांग्रेस और शिंदे गुट भी साथ दिखे हैं। धराशिव जिले के उमरेगा में पूर्व विधायक रविंद्र गायकवाड़ कांग्रेस के साथ स्थानीय समझौता कर भाजपा उम्मीदवार हर्षवर्धन चौलक्या को चुनौती दे रहे हैं। चोपडा में शिंदे गुट के विधायक चंद्रकांत सोनवाणे अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ रहे हैं। उधर, शिंदे गुट और एनसीपी (शरद गुट) भी कुछ जगह साथ दिखे हैं। नासिक जिले की येवला परिषद में शिंदे गुट के उम्मीदवार रूपेश दर्दे ने शरद गुट का समर्थन किया है और यहां वे भाजपा तथा अजित पवार गुट दोनों को चुनौती दे रहे हैं। रायगढ़ जिले में भी कुछ सीटों पर ऐसा ही समीकरण देखने को मिला है। वहीं कोल्हापुर जिले के कागल सीट पर एनसीपी के दोनों धड़े एक साथ हैं। जानकारों का मानना है कि स्थानीय स्तर पर बने ये गठबंधन महाराष्ट्र निकाय चुनाव के परिणामों पर असर डाल सकते हैं। इसका प्रभाव आगे चलकर बड़े चुनावी मुकाबलों में भी देखने को मिल सकता है। इस चुनाव में एक और बड़ी बात यह देखी जा रही है कि कई जगह भाजपा और एनडीए के ही सहयोगी आमने-सामने खड़े हैं-खासतौर पर पश्चिम महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और विदर्भ के कुछ हिस्सों में। भाजपा का कहना है कि लोकल बॉडी चुनावों में ऐसी "फ्रेंडली फाइट" टाली नहीं जा सकती। वहीं शिंदे गुट का दावा है कि ज्यादातर सीटों पर महायुति के साथ रहकर ही चुनाव लड़ा जा रहा है, लेकिन स्थानीय इकाइयों को जरूरत के मुताबिक थोड़ी स्वतंत्रता दी गई है ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जरूरी गठबंधन के जरिए अपना गुणा-गणित ठीक कर सकें।

बढ़ता प्रदूषण और घटती धूप

विजय गर्ग

हमारा देश अब धीरे-धीरे अपनी चमकती धूप खो रहा है. अध्ययन में पाया गया कि भारत में पिछले 30 सालों के दौरान धूप के घंटे लगातार घट रहे हैं हैं. इस बदलती प्रवृति से मौसम वैज्ञानिक भी परेशान हैं. तो चलिये जानते हैं आखिर धूप घटने की वजह क्या है और इससे हमारे आपके जीवन पर क्या असर पड़ सकता है.

भारत को कभी सुनहरी धूप और नीले आसमान की धरती कहा जाता था. एक ऐसा देश जहां लंबे समय तक चमकती धूप न केवल इसकी खूबसूरती का प्रतीक थी, बल्कि कृषि, जीवनशैली और ऊर्जा का भी आधार मानी जाती थी. लेकिन अब हालात बदल रहे हैं. जिस देश की पहचान कभी उजली, साफ और खुली धूप से होती थी, वहां अब आसमान पर धुंध की परतें छाने लगी हैं. धीरे-धीरे हमारी धरती अपनी रोशनी खोती जा रही है. इसी बदलाव की पुष्टि हाल ही में किए गए एक वैज्ञानिक अध्ययन में हुई है. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, पुणे स्थित भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान और भारत मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन किया है, जिसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं. 'लॉन्ग-टर्म ट्रेंड्स इन सनशाइन ड्यूरेशन एक्रॉस इंडिया (1988–2018)' नामक इस अध्ययन में पता चला है कि पिछले तीन दशकों में भारत में धूप के घंटे लगातार घटते जा रहे हैं यानी देश के कई हिस्सों में पहले के मुकाबले अब कम सूर्यप्रकाश मिल रहा है.अध्ययन के मुताबिक, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में धूप की अवधि सबसे तेजी से घट रही है. इसमें सालाना करीब 13 घंटे की कमी दर्ज की गई है. वहीं, हिमालयी क्षेत्र, पश्चिमी तट और दक्कन के पठारी इलाके भी इस गिरावट से अछूते नहीं हैं.उत्तर भारत में सबसे ज्यादा असरअध्ययन के अनुसार, 1988 से 2018 के बीच भारत के लगभग हर हिस्से में धूप के घंटे घटे हैं. उत्तर भारत के मैदानों में हर साल करीब 13 घंटे, हिमालय में 9.5 घंटे, पश्चिमी तट पर 8.6 घंटे, मध्य भारत में 4.7 घंटे और दक्कन पठार में करीब 3 घंटे की कमी देखी गई. इसके विपरीत, पूर्वोत्तर राज्यों में यह बदलाव बहुत मामूली रहा, संभवतः वहां के कम औद्योगिक प्रदूषण और विशिष्ट जलवायु के कारण.

महीनेवार आंकड़ों के अनुसार, देश के अधिकतर हिस्सों में अक्टूबर से मई के बीच धूप अधिक मिलती है, जबकि मानसून के महीनों में यह कम हो जाती है. वहीं, हिमालय और उत्तरी इलाकों में ऊंचाई और हवाओं के पैटर्न के कारण इसका उल्टा रुझान देखा गया.

इस अध्ययन का निष्कर्ष स्पष्ट करता है कि भारत के आसमान पर यह 'धुंधलापन' मुख्य रूप से बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण है. उद्योगों से निकलने वाले धुएं, वाहनों के उत्सर्जन और पराली जलाने से बनने वाले एरोसोल्स सूरज की किरणों को धरती तक पहुंचने से पहले ही सोख लेते हैं या बिखेर देते हैं. इसके साथ मानसून के दौरान बढ़ते बादलों ने भी भारत के कुल धूप के समय को घटा दिया है. वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रवृत्ति अगर जारी रही तो इसका असर सौर ऊर्जा उत्पादन, फसलों की उपज और पर्यावरणीय संतुलन पर गंभीर रूप से पड़ेगा. धूप के घंटे घटने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं... वायु प्रदूषण और बादल. औद्योगिक गतिविधियां, शहरीकरण और वाहनों से निकलने वाले प्रदूषक तत्व हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा बढ़ा रहे हैं. ये कण सूर्य की रोशनी को फैलाकर या सोखकर धरती तक पहुंचने से रोकते हैं. समय के साथ यह प्रक्रिया हर दिन मिलने वाली धूप की अवधि को घटा रही है. प्रदूषण न केवल दृश्यता और तापमान को प्रभावित करता है, बल्कि स्थानीय मौसम और स्वास्थ्य पर भी असर डालता है.दूसरा कारण है घने और लंबे समय तक बने रहने वाले बादल, खासकर मानसून के दौरान.

एड्स की लड़ाई में शरीर नहीं, समाज हार रहा है

आरके जैन

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ सत्य ऐसे हैं जिन्हें जितना समझना चाहें, वे उतनी ही गहराई में हमें नए प्रश्नों के सामने खड़ा कर देते हैं। यह दुनिया कभी सिर्फ बीमारियों से नहीं बिखरी-यह हमेशा गलतफहमियों, चुप्पियों और उस मौन भय से टूटी है जो हमारी सोच के अंधे कोनों में धीरे-धीरे पनपता रहता है। एचआईवी/एड्स भी ऐसा ही एक सत्य है-सिर्फ संक्रमण नहीं, बल्कि मनुष्य की सामाजिक संरचना, वैज्ञानिक खोज, नैतिक अवधारणाओं और हमारी सामूहिक जिम्मेदारियों की कठोर परीक्षा। विश्व एड्स दिवस इस परीक्षा का स्मरण नहीं, बल्कि उस मानव साहस की पुनर्पुष्टि है जो हर अंधकार में रोशनी तलाशने की जिद लिए खड़ा रहता है।

हम अक्सर एड्स को केवल एक बीमारी मान लेते हैं, जबकि वास्तव में यह तीन जटिल परतों में बंटी एक गहन चुनौती है-विज्ञान की चुनौती, समाज की चुनौती और चेतना की चुनौती। विज्ञान की चुनौती सबसे सीधी दिखती हैः वायरस शरीर में कैसे प्रवेश करता है, प्रतिरक्षा प्रणाली को कैसे तोड़ता है, दवाएं कैसे काम करती हैं और उपचार लंबा क्यों चलता है। पर कम सुना गया वह वैज्ञानिक संघर्ष है जिसने वर्षों तक असफल प्रयोगों, कठोर परीक्षणों और मानवीय पीड़ा के बीच इस वायरस को समझने की कोशिश की। दुनिया भर की प्रयोगशालाओं में शोधकर्ता इसकी हर नई चाल से जूझते रहे-कभी यह जानने के लिए कि यह कोशिकाओं को भीतर से कैसे ढहाता है, तो कभी यह समझने के लिए कि यह अपना रूप बदलकर दवाओं को कैसे मात देता है। यह लड़ाई अभी भी अधूरी है; हम जितना इसे खत्म करने के करीब लगते हैं, यह अपनी ही परतों में उतना ही गहरे छिप जाता है। दूसरी और सबसे कड़ी परत समाज की है। एड्स जितना शरीर को तोड़ता है, उससे कहीं अधिक मनुष्य की गरिमा को घायल करता है। यह उन बीमारियों में से एक रही है जिसमें मरीज को रोग से पहले ही आरोपी बना दिया गया। लोग संक्रमित शरीर से ज्यादा संक्रमित चरित्र खोज लेते हैं-मानो बीमारी कोई नैतिक फैसला हो। क्या यह विडंबना नहीं कि एक सूक्ष्म वायरस हमें बताता है कि असली खतरा संक्रमण नहीं, हमारी दृष्टि का पूर्वाग्रह है? दुनिया के कई हिस्सों में आज भी लोग टेस्ट कराने से डरते हैं, क्योंकि भय वायरस का नहीं, समाज के तिरस्कार का है। गाँवों में, कस्बों में, यहाँ तक कि बड़े शहरों के शिक्षित घरों में भी यह बीमारी चिकित्सा तथ्य से अधिक चरित्र का आरोप बनकर उभरी। अभी भी फुसफुसाहट उठती है-"उसे यह कैसे हो गया?"-पर विरले ही कोई पूछता है-"उसे अब हमारी जरूरत कितनी होगी?" यही असंतुलन सबसे कम समझा गया सच हैः एड्स का इलाज बढ़ रहा है, पर उससे जुड़ी शर्म का नहीं।

तीसरी परत चेतना की है-वह भीतर की लड़ाई जिसे हर व्यक्ति को स्वयं लड़ना पड़ता है। यह संघर्ष केवल संक्रमित लोगों का नहीं, उन सभी का है जो जीवन और मानवता को समझते हैं। क्या हम जानते हैं कि आज विज्ञान इतनी आगे बढ़ चुका है कि एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति सामान्य जीवन, सामान्य आयु और सामान्य संबंधों के साथ पूरी तरह स्वस्थ रह सकता है? "अनडिटेक्टेबल अनट्रांसमिटेबल", यह सिद्धांत वैश्विक विज्ञान की सबसे बड़ी जीतों में से एक है, पर क्या यह सच उतनी तेजी से फैला जितनी तेजी से भय और अफवाहें फैलीं? नहीं। भय लोगों को डॉक्टर के द्वार तक नहीं पहुंचने देता। भय टेस्ट कराने से रोकता है। भय दवा की नियमितता तोड़ता है। और यही भय वे दीवारें खड़ी करता है जिनके पीछे लोग चुपचाप टूटते हैं-जबकि वे बिल्कुल सामान्य जीवन जी सकते थे। वैज्ञानिकों ने वायरस को परास्त करने का मार्ग खोज लिया है, पर समाज अब भी डर के आगे झुक रहा है-और इस पराजय का कोई लेखा-जोखा दर्ज नहीं होता। विडंबना यह है कि एड्स से जुड़े सकारात्मक सत्य आज भी उतनी मजबूती से नहीं बोले जाते, जितने शोर से कभी डर बोला गया था।

आज भी अनगिनत लोगों को यह नहीं पता कि एआरटी (एंटी रेट्रोवाइरल थैरेपी) न केवल व्यक्ति को स्वस्थ रखती है, बल्कि उसे दूसरों के लिए पूरी तरह सुरक्षित भी बना देती है। कई लोग यह भी नहीं जानते कि सही देखभाल मिले तो एचआईवी पॉजिटिव गर्भवती महिला का बच्चा पूरी तरह स्वस्थ जन्म ले सकता है। और अनेक युवा यह समझे बिना बढ़ते हैं कि एड्स केवल असुरक्षित यौन संबंधों से नहीं, बल्कि असुरक्षित सुइयों, संक्रमित रक्त और अनजानी चिकित्सीय लापरवाहियों से भी फैल सकता है। यह सच जितना अनिवार्य है, उतना ही दुर्लभ चर्चा में मिलता है।

एड्स हमें एक और अनकहा सबक देता है-यह बीमारी केवल शरीर पर नहीं, समय पर भी कब्जा कर लेती है। यह भविष्य की योजनाएँ तोड़ती है, रिश्तों में खामोशी का अंतराल बना देती है, और जीवन की लय रोक देती है। पर इसके बावजूद, इससे जूझने वालों के भीतर एक अद्भुत साहस जन्म लेता है-वह साहस जो कहता है कि बीमारी मेरी पहचान तय नहीं करेगी। दुनिया भर में लाखों लोग एड्स के साथ जीवन नहीं काट रहे, जीवन जी रहे हैं-काम कर रहे हैं, प्रेम कर रहे हैं, सपनों को आकार दे रहे हैं-और यही उनका साहस मानवता की सच्ची विजय है। एड्स का सबसे विचित्र सत्य यह है कि इसने मनुष्य के भीतर एक दुर्लभ समानता जगाई-यह बीमारी किसी जाति, धर्म, वर्ग, देश या पहचान को नहीं देखती। यह एक वैश्विक दर्पण है जिसमें पूरी दुनिया का चेहरा एक-सा दिखाई देता है-और उसी दर्पण में हम अपने आप से पूछते हैंः हम कितने मानवीय? कितने जागरूक? कितने संवेदनशील? बीमारी ने किसी को अकेला नहीं किया; उसे अकेला बनाने की भूमिका हमने निभाई। यही तथ्य शायद अधिकतर चर्चाओं से गायब रहा है।विश्व एड्स दिवस (01 दिसम्बर) पर हमें याद रखना चाहिए कि यह लड़ाई केवल वायरस से नहीं, हमारी सोच से है।

यह वह क्षण है जब हमें भीतर झाँकना होगा-क्या हम अब भी बीमारी से पहले व्यक्ति को देखते हैं? क्या हम सच में जानते हैं कि विज्ञान कितनी दूर आ चुका है? क्या हम नई पीढ़ी को डर नहीं, विवेक देना चाहते हैं? और क्या हम उन लाखों लोगों के साथ खड़े हैं जो हर दिन अदृश्य साहस से जीते हैं? विश्व एड्स दिवस यही सिखाता है-कि लड़ाई वायरस से कम, और उस सोच से अधिक है जो मनुष्य को मनुष्य होने से रोकती है। यह वह दिन है जब हम स्वयं से वादा कर सकते हैं कि हम बीमारी नहीं, गलतफहमियों को मिटाएँगे; वायरस नहीं, कलंक को हराएँगे; डर नहीं, समझ को फैलाएँगे। अंततः यह संघर्ष विज्ञान से ज़्यादा मानवता का है, और यदि हम सच में मानवता का अर्थ समझते हैं, तो मानना होगा कि सम्मान, सहानुभूति और सत्य किसी भी दवा से अधिक प्रभावी हैं। वायरस अदृश्य है-पर यदि हम चाहें, हमारी संवेदनशीलता उससे कहीं अधिक शक्तिशाली बन सकती है। यह दिवस स्मरण नहीं, संकल्प का दिन है-उस दुनिया की ओर बढ़ने का, जहाँ बीमारी का भय नहीं, उपचार हो; और व्यक्ति का अपमान नहीं, सम्मान हो।

स्क्रीन टाइम का फैलता जाल, बच्चे गहरे संकट में

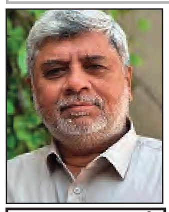
अमरपाल सिंह वर्मा

राजस्थान के धौलपुर जिले के कुरेंद्रा गांव में 13 साल के विष्णु ने पिता की मामूली डांट के बाद आत्महत्या कर ली। वजह सिर्फ इतनी थी कि वह मोबाइल गेम खेल रहा था और पिता ने टोक दिया। गुस्से में वह अपने कमरे में चला गया और इहलीला समाप्त कर ली। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत के घरों में मोबाइल केवल एक उपकरण नहीं रहा है बल्कि यह रिश्तों के बीच खड़ी एक खाई बनता जा रहा है।

धौलपुर की यह घटना अपनी तरह की अकेला मामला नहीं है। हाल ही में मध्यप्रदेश के झांसी में एक महिला ने अपने आठवीं में पढने वाले बेटे की मोबाइल गेम की लत से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मोबाइल में उलझा बच्चा पढ़ाई नहीं करता था, जिससे उसकी मां डिप्रेशन में थी। उसने पति को भी कहा मगर उन्होंने अनसुना कर दिया। नतीजा, महिला की खुदकुशी के रूप में सामने आया। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नौवीं कक्षा की एक लडक़ी ने मोबाइल चलाने से रोके जाने पर नदी में कूदकर जान दे दी। थाणे में मोबाइल छीनने पर 16 वर्षीय लडक़े ने सुसाइड कर ली। यूपी के आजमगढ़ के एक गांव में 14 साल का किशोर मात्र इस वजह से फंदे पर झूल गया कि उसे गेम खेलने के लिए फोन नहीं मिला। पिछले साल जयपुर में एक महिला ने बेटी का मोबाइल छिपा दिया। इस बात पर मां-बेटी का झगड़ा हो गया। इसी दौरान मां ने रॉड उठा कर दे मारी, जिससे बेटी की जान चली गई।मोबाइल फोन की वजह से ऐसे मामले अब हर महीने, हर जिले और हर शहर से सामने आ रहे हैं। स्मार्टफोन अब एक उपकरण मात्र नहीं रहा बल्कि वह बच्चों के दिमाग का मालिक बन गया है और और बच्चों के दिमाग को बदल रहा है। इसकी वजह से बच्चों में शारीरिक समस्याएं भी बढ़ रही हैं।अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर के एक अध्ययन के मुताबिक भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चे औसतन 2.22 घंटे रोज स्क्रीन पर बिताते हैं। ये समय विश्व स्वास्थ्य संगठन और इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सुझाए गए समय से दोगुना है। यह भी चिंताजनक है कि दो साल से कम उम्र के बच्चे भी स्क्रीन पर रोज 1.23 घंटे बिता रहे हैं जबकि इस उम्र के बच्चों के लिए डॉक्टर पूरी तरह नो स्क्रीन के पक्ष में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों में रोज 1-1.5 घंटे से ज्यादा स्क्रीन टाइम उनके दिमाग के विकास को धीमा कर देता है। इससे भाषा सीखने की गति कम होती है, ध्यान और समझने की क्षमता घटती है, सामाजिक कौशल कमजोर पड़ते हैं और मोटापा और नींद आने की दिक्कतें बढ़ती हैं।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से दिल्ली के दो प्राइवेट स्कूलों के छात्रों पर दो वर्ष तक किए गए अध्ययन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बच्चे और किशोर झुककर घंटों मोबाइल या टैबलेट चला रहे हैं। क्लास रूम में भी छह से सात घंटे बैठने और शारीरिक व्यायाम न के बराबर होने से पॉस्चर और मांसपेशियों और हड्डियों की समस्याएं आ रही हैं।मोबाइल जनित समस्याएं किस कदर बढ़ रही है, इसे लखनऊ में उत्तरप्रदेश महिला आयोग की जन सुनवाई के उदाहरण से समझा जा सकता है। इस सुनवाई में अब किशोर वय बेटियों की मोबाइल लत से परेशान माएं मदद के लिए पहुंच रही हैं। आयोग की हर सुनवाई में 3-4 मामले ऐसे आते हैं जिनमें महिलाओं का कहना है कि उनकी किशोरवय बेटियां फोन का अत्यधिक इस्तेमाल करती हैं और रोकने पर उनसे झगड़ा, बदसलूकी या हिंसक व्यवहार करती हैं।विशेषज्ञों के अनुसार स्मार्टफोन के कारण केवल पढ़ाई नहीं बिगड़ रही है। व्यवहार में आक्रामकता, एकांकीपन, देर रात जागना, ऑनलाइन चैटिंग और वर्चुअल दुनिया में जीना अब 'सामान्य' बनता जा रहा है। इससे मनोवैज्ञानिक चिंतित हैं। मनो वैज्ञानिकों के अनुसार मोबाइल दिमाग में वही रिएक्शन पैदा करता है जो नशे में होता है। बार-बार डोपामाइन रिलीज होने से बच्चा वास्तविक दुनिया से कटने लगता है। इस लत का पहला लक्षण मां-बाप से चिड़चिड़ापन होता है। दूसरा लक्षण फोन छीने जाने पर हिंसक प्रतिक्रिया या खुद को नुकसान पहुंचाने की धमकी है। तीसरे लक्षण में पढ़ाई, दोस्ती, परिवार, नींद सब में कमी होने लगती है।

दरअसल, मानसिक रूप से अपरिपक्व होने के कारण बच्चे इतनी छोटी उम्र में खुद को संभाल नहीं पाते। वह सोचते हैं कि फोन ही उनकी आजादी है। इसलिए जैसे ही ये छिनता है, वे नियंत्रण खो देते हैं। इस मामले में माता-पिता गलती कर रहे हैं। पहले तो माता-पिता ही बच्चे को पूरा फोन पकड़ा देते हैं ताकि वह चुप रहे। बाद में जब बच्चे इसी में उलझे रहते हैं तो वह अचानक सख्ती अपनाते हैं, पर तब तक स्थिति हाथ से निकल चुकी होती है। बच्चों के फोन इस्तेमाल को नियंत्रित करने के लिए जल्दीबाजी से नहीं, योजनाबद्ध तरीके से काम करने की जरूरत है। सबसे जरूरी है कि परिवार मिलकर स्पष्ट नियम तय करे कि कितने घंटे स्क्रीन टाइम हो, कौन-कौन से ऐप चलें, और रात में फोन कहां रखा जाए। ये नियम बच्चों के साथ बातचीत करके बनाए जाएं न कि उन पर थोपे न जाएं। फोन न चलाने के लिए पाबंद कर देने मात्र से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। इसके बजाय बच्चों को खेल, आर्ट, दोस्तों के साथ समय बिताने और घर के छोटे-मोटे काम जैसे विकल्प दिए जा सकते हैं। माता-पिता को खुद को बदलना होगा क्योंकि अगर वह लगातार मोबाइल में व्यस्त रहेंगे तो बच्चा स्वाभाविक रूप से उसी रास्ते पर जाएगा।

इसके साथ-साथ बच्चों की भावनाओं को समझना भी जरूरी है। मनो वैज्ञानिकों के अनुसार कई बार बच्चे सामाजिक दबाव, अकेलेपन से बचने के लिए स्क्रीन की दुनिया में शरण लेते हैं। फोन को एकदम से छीन लेने की जगह उपयोग को धीरे-धीरे कम करना बेहतर होगा ताकि बच्चा मानसिक झटका महसूस न करे। यह केवल मोबाइल की लत का मामला नहीं है बल्कि एक सामाजिक संकट है जो नई पीढ़ी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। यह पीढ़ी देश का भविष्य बनने के बजाय मोबाइल फोन के स्क्रीन के भविष्य में उलझती जा रही है। धौलपुर के बच्चे विष्णु, जान देने वाली झांसी की महिला, बिलासपुर की उस लडक़ी और थाणे व आजमगढ़ के किशोर भौगोलिक रूप से भले ही अलग-अलग हैं मगर इनसे समाज को साझा चेतावनी मिल रही है। अगर इस चेतावनी को अनसुना किया जाता रहा तो आने वाले समय में यह समस्या और भी भयावह हो जाएगी। ऐसे में आज से ही घरों में एक नया अनुशासन शुरू करने की आवश्यकता है।

विकास करती महंगाई

डॉ. सुरेश कुमार

आजकल मैं सोचता हूँ कि हमारे देश में एक चीज़ है, जो निरंतर और पूरे समर्पण के साथ विकास कर रही है, और वह है महंगाई। बाकी सब चीज़ों के विकास पर तो कभी ग्रहण लग जाता है, कभी सरकार बदल जाती है, पर महंगाई एक ऐसी सनातन शक्ति है, जो अपनी गति धीमी नहीं करती। यह हमारी अर्थव्यवस्था की गंगा है, जो लगातार ऊपर की ओर बह रही है।

पुराने ज़माने में लोग कहते थे कि पैसा पेड़ पर नहीं उगता। यह मूर्खों का कथन था। अब तो लगता है, पेट्रोल पंप ही वह आधुनिक पेड़ है, जिस पर हर सुबह नया 'फल' उगता है। आप सुबह पेट्रोल डलवाइए, शाम को देखिए, फिर थोड़ा-सा और 'फल' आ गया है।

इस फल का नाम है - इजाफा। और हाँ, इस फल का स्वाद हर किसी को चखना पड़ता है, चाहे वह अमीर हो या गरीब। यही सच्ची लोकतंत्र है।

पिछले दिनों मेरी मुलाक़ात 'आर्थिक विशेषज्ञ' चाचाजी से हुई। वह आजकल 'आशावादी अर्थशास्त्र' पर शोध कर रहे हैं। मैंने उनसे पूछा, चाचाजी, यह दाल, तेल, और गैस सब चीज़ें इतनी क्यों भाग रही हैं? यह 'अमृत काल' में चीज़ों की रफ्तार कम क्यों नहीं होती?

चाचाजी मुस्कुराए, ऐसी मुस्कान जो टीवी पर एंकर 'राष्ट्रहित' की बात करते हुए देते हैं। उन्होंने गंभीरता से कहा, अरे नादान! यह महंगाई नहीं है, यह तो हमारी बढ़ती हुई आस्था का प्रमाण है।

मैं भौंचक्का रह गया मतलब?

देखो, उन्होंने मेरी ओर झुककर समझाया, सरकार ने कहा कि हम देश को विश्वगुरु बनाएंगे। विश्वगुरु बनने के लिए क्या चाहिए? त्याग। जब तुम एक किलो टमाटर 200 में खरीदते हो, तो तुम सिर्फ टमाटर नहीं खरीद रहे, तुम राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रहे हो। तुम अपनी जेब का बलिदान करके सरकार के बड़े-बड़े विजन में रंग भर रहे हो।

और चाचाजी, गैस सिलेंडर की बढ़ती हुई कीमत?

वह तो और भी आध्यात्मिक है। बेटा, जब गैस महंगी होती है, तो आदमी कम खाना बनाता है। कम खाना खाने से शरीर हल्का रहता है, मन शांत होता है। यह एक तरह का अघोषित उपवास है, जो हमें त्याग और संयम सिखाता है। सरकार हमें योग और तपस्या की ओर प्रेरित कर रही है, मगर बिना कहे! इसे ही कहते हैं प्रच्छन्न राष्ट्रवाद।

तो यह जो 1 डॉलर = 89 हो गया है, वह भी शुभ है? मैंने पूछा।

निश्चित रूप से! चाचाजी की आँखें चमक उठीं। जब रुपया कमजोर होता है, तो हमें विदेशों से कम प्रेम होता है। हम 'स्वदेशी' को और महत्व देते हैं। यह देश की सीमाओं की रक्षा के लिए एक आर्थिक चौकीदारी है, जो हमें विदेशी वस्तुओं से दूर रखती है। यह 'मेक इन इंडिया' की ओर जाने वाला पेट्रोल-चालित तीर है!

मैं निरुत्तर हो गया। सचमुच, परसाईजी सही कहते थे कि इस देश में जब तक जनता सब कुछ सहने को तैयार है, तब तक कोई क्रांति नहीं हो सकती। हम महंगाई को भी राष्ट्र-प्रेम का प्रसाद मानकर खा लेते हैं।

मैंने चाचाजी से पूछा, तो क्या यह सब कभी रुकेगा? चाचाजी ने अपना चश्मा ठीक किया और एक दार्शनिक मुद्रा में बोले, नहीं! यह तो एक चक्र है। पहले महंगाई बढ़ती है। फिर लोगों की आय बढ़ती है। फिर टैक्स बढ़ता है। फिर महंगाई बढ़ती है। और इस पूरे चक्र में, केवल एक ही चीज़ स्थिर रहती है - वह है आम आदमी का कष्ट। और हाँ, यह कष्ट ही हमारी असली राष्ट्रीय पूंजी है, जो कभी खत्म नहीं होगी!

मेजर पॉवर बड़ी उपलब्धि तो सुपर पॉवर बनना बड़ी चुनौती

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

आस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी संस्था द्वारा जारी एशिया पॉवर इंडेक्स 2025 में भारत का मेजर पॉवर का दर्जा हासिल करना इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि भारत शक्तिशाली देशों की कतार में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे पायदान पर पहुंच गया है। लोवी द्वारा जारी इंडेक्स में मेजर पॉवर का दर्जा हासिल करने वाला भारत एक मात्र देश है जबकि सुपर पॉवर के रुप में अमेरिका और चीन अपना दबदबा बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। हांलाकि भारत ने मेजर पॉवर का दर्जा हासिल कर लिया है पर सुपर पॉवर का दर्जा हासिल करने में अभी भारत को लंबा समय और कड़ी मेहनत व प्रयास करने होंगे। दरअसल 8 पेरामीटर्स में 100 में से 70 से अधिक अंक अर्जित करने वाले देश ही सुपर पॉवर की श्रेणी में आते हैं और अमेरिका इसमें 80.5 अंक प्राप्त कर सुपर पॉवर बना हुआ है वहीं चीन भी अमेरिका के पीछे पीछे 73.7 अंकों के साथ दूसरा सुपर पॉवर बना हुआ है। हांलाकि डोनाल्ड ट्रम्प के आने के बाद अमेरिका ने बहुत कुछ खोया है पर फिर भी पहला स्थान का ताज आने वाले सालों में भी छिनता हुआ नहीं लगता है। भारत ने अवश्य जापान को पछाड़ कर तीसरा स्थान बनाया है और 40 अंक प्राप्त कर मेजर पॉवर तो बन ही गया है। 40 या 40 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले देश मेजर पॉवर की श्रेणी में आते हैं और यह दर्जा प्राप्त करने वाला भारत अकेला देश बन गया है।

एशिया प्रशांत के 27 देशों से शेष 23 देश मिडिल पॉवर व उससे नीचे की श्रेणी में हैं। हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान इस इंडेक्स में पहले दस में भी स्थान नहीं बना पाया है। पाकिस्तान सूची में 16 वें स्थान पर रहा है। निश्चित रुप से यह भारत के लिए बड़ी उपलब्धी और इंटरनेशनल जगत में भारत के बढ़ते दबदबे का स्पष्ट संकेत है। ऑपरेशन सिन्दुर और इससे पहले भी जिस तरह से भारत ने अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया है और इंटरनेशनल डिप्लोमेसी में भारत की अग्रगामी भूमिका तय की गई है उसका बड़ा प्रभाव पड़ा है। आर्थिक क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों ने इसे तीसरे पायदान पर लाने में खासी भूमिका तय की है। भारत आज दुनिया के देशों में बड़ी आर्थिक शक्ति के रुप में उभरा है और दुनिया के देशों में सबसे अधिक यानी कि विदेशी निवेश में भारत ने चीन को भी पीछे छोड़ दिया है।आस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी द्वारा 2018 से एशिया पॉवर इंडेक्स जारी करना आरंभ किया है। 2025 में एशिया पॉवर इंडेक्स का सातवां संस्करण जारी किया है। लोवी द्वारा 8 पेरामीटर्स के आधार पर अंक जारी किये जाते हैं। इसमें सैन्य क्षमता, रक्षा नेटवर्क, आर्थिक शक्ति, अन्य देशों के साथ आर्थिक संबंध, कूटनीतिक व सांस्कृतिक संबंध, लचीलापन, भविष्य के संसाधन आदि पेरामीटर्स के आधार पर 27 देशों का मूल्यांकन किया जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि ऑपरेशन सिन्दुर ने भारत की सैन्य शक्ति और ताकत से दुनिया के देशों को झकझोर कर रख दिया है। सैन्य संसाधनों में आज भारत आत्मनिर्भर होता जा रहा है। इसके साथ ही जिस तरह से भारत की इकोनोमी तेजी से आगे बढ़ती जा रही है उससे दुनिया के देशों में भारत ने अलग ही स्थान अर्जित कर लिया है। भारत में देसी-विदेशी विदेशी निवेश का जिस तरह का माहौल बना है और जिस तेजी से विपरीत वैश्विक हालातों के बावजूद और यहां तक कि ट्रंप की टैरिफ नीति के बावजूद भारत की अर्थ व्वयस्था व विकास का स्तर लगातार बने रहना बड़ी उपलब्धि है।

ऑपरेशन सिन्दुर, आर्थिक क्षेत्र में बढ़ती साख, सैन्य क्षमता में बढ़ोतरी भारत की ताकत बन गई है। भारत के साथ सबसे बड़ी ताकत स्थिर और कड़े निर्णय लेने में भी सक्षम सरकार होना एक सकारात्मक पक्ष है तो दूसरी और जेन जेड और उसके बाद की जैनरेशन की बड़ी भूमिका हो गई है। आज तकनीकी रुप से भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत युवाओं का देश हो गया है। सैन्य क्षमता, कूटनीतिक प्रभाव, इकोनोमिक क्षमता और प्रौद्योगिकी, डिजिटलाइजेशन, कूटनीतिक और सांस्कृतिक रिलेशन आदि क्षेत्र में भारत ने पिछले साल की तुलना में अधिक अंक अर्जित किये हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत का वैश्विक स्तर पर आत्मविश्वास बढ़ा है और इसी का परिणाम है कि भारत आज आंख से आंख मिलाकर बात करने और आंतरिक व बाहरी निर्णय लेने में सक्षम और स्वतंत्र देश के रुप में उभरा है। हालांकि भारत के सामने अभी चुनौतियां भी बहुत है। सबसे बड़ी चुनौती जो विषय से अलग हटकर है वह है हमारे ही लोगों द्वारा विदेशी मीडिया व विदेशी धरती पर देश की छवि खराब करना है। होना यह चाहिए कि लाख राजनीतिक मतभेदों के बावजूद विदेश की धरती पर एक रहना और एक रहने का संदेश देना जरुरी हो जाता है। रक्षा नेटवर्क को और अधिक विस्तारित करने की चुनौती के साथ ही कूटनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। अमेरिका की ट्रंप की देशी विदेशी नीति के कारण अमेरिका के अंकों में गिरावट दर्ज की गई है। देखा जाए तो भारत की सैन्य क्षमता के साथ साथ इकोनोमी के क्षेत्र में क्षमता का तेजी से विकास हुआ है। हांलाकि रक्षा नेटवर्क के क्षेत्र में अभी बहुत कुछ किया जाना है।एशिया पॉवर इंडेक्स 2025 में भारत का मेजर पॉवर बनना और तीसरा स्थान बनाना भारत की दुनिया के देषों में बढ़ती साख का परिचायक है।

इन खास कर्मों से गीता जयंती बनेगी मंगलमय, बस ध्यान रखें ये बातें

गीता जयंती का पवित्र त्योहार हर साल मार्गशीर्ष माह में शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। गीता का पाठ करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है इसलिए मार्गशीर्ष माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोक्षदा एकादशी भी कहा जाता है। साल 2025 में गीता जयंती किस दिन मनाई जाएगी और इस दिन आपको किस विधि से पूजा करनी चाहिए, आइए जानते हैं विस्तार से।

गीता जयंती 2025

हिंदू पंचांग के अनुसार मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 30 नवंबर को रात्रि 9 बजकर 29 मिनट से शुरू हो चुकी, वहीं एकादशी तिथि की समाप्ति 1 दिसंबर को शाम 7 बजकर 1 मिनट पर होगी। ऐसे में उदयातिथि की मान्यता के अनुसार गीता जयंती का पवित्र त्योहार 1 दिसंबर को ही मनाया जाएगा। इसी दिन मोक्षदा एकादशी का व्रत भी भक्त रखेंगे।

गीता जयंती 2025 पूजा विधि

गीता जयंती के दिन गीता का पाठ करने के साथ ही व्रत और पूजन भी आप कर सकते हैं। हिंदू धर्म के पवित्र दिनों में से एक गीता जयंती के दिन व्रत, पूजन और गीता पाठ करने से भक्त मोक्ष प्राप्त करते हैं। इस दिन आपको सुबह जल्दी उठकर स्नान-ध्यान करना चाहिए और उसके बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए। इसके बाद गंगाजल का छिड़काव आपको पूजा स्थल पर करना चाहिए और वहां गीता का उपदेश अर्जुन को देते हुए भगवान कृष्ण की फोटो लगानी चाहिए। ऐसी तस्वीर या प्रतिमा न हो तो आप श्रीकृष्ण जी की सामान्य तस्वीर भी लगा सकते हैं।

इसके बाद पूजा स्थल पर धूप-दीप जलाना चाहिए। भगवान कृष्ण को फूल, चंदन, तुलसी, अक्षत और मिठाई आदि आपको अर्पित करना चाहिए। इसके बाद आपको गीता के किसी एक अध्याय का पाठ करना चाहिए। गीता जयंती के दिन गीता के 18 वें अध्याय का पाठ करना बेहद शुभ माना जाता है। गीता पाठ करने के बाद आपको श्रीकृष्ण और भगवान विष्णु के मंत्रों का जप करना चाहिए और अंत में श्रीकृष्ण जी की आरती गानी चाहिए। आरती के बाद प्रसाद का वितरण परिवार के लोगों में करें। इस तरह आपकी पूजा समाप्त हो जाती है। इसी तरह आपको शाम के समय भी गीता जयंती के दिन श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए।

मोक्षदा एकादशी में क्या खाएं और क्या नहीं ?

मार्गशीर्ष महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोक्षदा एकादशी के नाम से जाना जाता है। यह एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित है। इसी दिन कुरुक्षेत्र के मैदान में भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया था, इसलिए इस दिन को गीता जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल 1 दिसंबर 2025 को यह पवित्र व्रत रखा जाएगा। कहा जाता है कि इस व्रत को रखने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

व्रत के दौरान क्या खाएं?

फल – इस पावन तिथि पर सभी प्रकार के फल खा सकते हैं, जैसे केला, सेब, संतरा, अंगूर आदि।

डेयरी उत्पाद – दूध, दही, पनीर, छाछ का सेवन कर सकते हैं।

कंद मूल – आलू, शकरकंद, अरबी, सिंघाड़े के आटे से बनी चीजें खा सकते हैं।

फलाहार अनाज – कुट्टू का आटा, सिंघाड़े का आटा, साबूदाना, राजगिरा का उपयोग कर सकते हैं।

सब्जियां – टमाटर, गाजर, लौकी, ककड़ी आदि सात्विक सब्जियां खा सकते हैं।

व्रत के दौरान क्या न खाएं?

अनाज - चावल, गेहूं, दालें और सामान्य नमक का सेवन न करें।

तामसिक भोजन – लहसुन, प्याज, मांस, मदिरा और अन्य तामसिक भोजन से दूर रहें।

मसाले – हल्दी, हींग, राई, मेथी दाना आदि मसालों का प्रयोग न करें।

बासी भोजन – एकादशी के दिन बासी भोजन या दोबारा गरम किया गया भोजन नहीं खाना चाहिए।

दो बार भोजन – एक ही दिन में दो बार भोजन करने से बचें।

अगर संभव हो तो फलाहार व्रत करें।

मोक्षदा एकादशी व्रत के सही नियम

दशमी के दिन सात्विक भोजन करें और चावल, जौ आदि अन्न का सेवन न करें।

एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें।

भगवान विष्णु और श्री कृष्ण की पूजा करके व्रत का संकल्प लें।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का 108 बार जाप करें।

इस दिन गीता जयंती भी है इसलिए श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ जरूर करें। हो पाए, तो रात में जागकर भजन-कीर्तन करें।

द्वादशी तिथि के दिन सूर्योदय के बाद ही व्रत का पारण करें।

पारण के पहले ब्राह्मण या किसी जरूरतमंद को भोजन कराकर दान दें, फिर खुद अन्न ग्रहण करें।

पारण द्वादशी तिथि समाप्त होने से पहले करना जरूरी माना जाता है।

घर में रख दें ये चीजें, मां लक्ष्मी की होगी कृपा! कभी खाली नहीं रहेगी तिजोरी

हिंदू धर्म में देवी लक्ष्मी को बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है. उनको धन और ऐश्वर्य प्रदान करने वाली देवी कहा जाता है. उनकी कृपा जिस पर हो जाए उसका घर कभी धन धान्य से खाली नहीं रहता है. वहीं माता लक्ष्मी के रुष्ठ होने पर घर में धन संबंधी समस्याएं होने लगती हैं।

वास्तु शास्त्र में घर बनवाने से लेकर उसमें रहन सहन व सभी दिशाओं का विस्तार पूर्वक वर्णन किया गया है. इसके अलावा वास्तु शास्त्र में में पूजा पाठ के नियम भी बताए गए हैं. जिनका पालन करने वालों के जीवन में सुख-समृद्धि सदा बनी रहती है, इसलिए वास्तु शास्त्र के सभी नियमों का पालन करने के लिए हमेशा कहा जाता है. वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसी चीजें बताई गई हैं, जिनको घर में रखने मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है, जिससे घर में धन की तिजोरी कभी खाली नहीं होती।

कुबेर भगवान की प्रतिमा

कुबेर भगवान धन के देवता माने गए हैं. वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कुबेर भगवान की प्रतिमा रखनी चाहिए. ऐसा करने से घर में कभी धन की कमी नहीं होती. साथ ही घर में लक्ष्मी जी का वास भी बना रहता है. इसके अलावा इससे परिवार में सकारात्मक उर्जा आती रहती है।

नारियल

वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि घर में श्रीफल अवश्य रखना चाहिए. ऐसा करने से घर में धन आने के रास्ते खुलते हैं. घर की तिजोरी कभी खाली नहीं होती है. इसलिए घर में नारियल रखने का सुझाव दिया जाता है।

चांदी की बांसुरी

वास्तु शास्त्र के अनुसार, जिस घर में चांदी की बांसुरी होती है, वहां किसी भी तरह की नकारात्मक ऊर्जा नहीं होती. जिस घर में बांसुरी होती है, वहां श्री कृष्ण वास करते हैं. घर में बांसुरी रखने से कभी भी घर में धन और ऐश्वर्य की कमी नहीं होती।

शंख

धार्मिक मान्यता के अनुसार, शंख देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है. इसे घर में अवश्य रखना चाहिए. ऐसा करने से घर में घर में माता लक्ष्मी का आशीर्वाद बना रहता है. धन-धान्य में वृद्धि होती है।

लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमा

घर में मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमा होना बहुत ही शुभ माना जाता है. ऐसा करने से ज्ञान और धन दोनों की प्राप्ति होती है. इन दोनों की प्रतिमा को घर में एक साथ रखने से घर में सुख-समृद्धि और सौभाग्य आता है।

कितने प्रकार के होते हैं मांगलिक दोष

कौन सा सबसे खतरनाक और क्या हैं इसे शांत करने के उपाय?

मांगलिक दोष तब बनता है जब कुंडली में मंगल देव विवाह से जुड़े भावों को प्रभावित करते हैं, जिससे दांपत्य जीवन में तनाव, देरी और गलतफहमी हो सकती है. यह दोष 1, 4, 7, 8, 12 और 2वें भाव में मंगल की उपस्थिति से बनता है, जिसमें सप्तम भाव का मंगल सर्वाधिक गंभीर होता है।

वैदिक ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, जन्मकुंडली में जब मंगल देव विवाह से जुड़े भावों पर अपना तीव्र प्रभाव डाल रहे होते हैं, तब उसे मांगलिक दोष कहा जाता है. मंगल देव तेज ऊर्जा, साहस और निर्णायक शक्ति के कारक माने जाते हैं. मगर, अशुभ स्थानों में स्थित हों या किसी पाप ग्रह के साथ योग बना रहे हों, तब कष्टदायक हो जाते हैं. ऐसी स्थिति में वह विवाह में देरी, गलतफहमी, स्वभाव में कठोरता और दांपत्य जीवन में तनाव उत्पन्न कर सकते हैं।

इसी कारण विवाह से पहले कुंडली मिलान में मंगलदोष की स्थिति को ध्यान से देखा जाता है. यदि मांगलिक दोष हो, तो उचित उपाय करके जीवन में संतुलन और मंगल देव की कृपा प्राप्त की जा सकती है. जन्मकुंडली में कुल छह मुख्य स्थान ऐसे माने गए हैं, जहां मंगल देव की उपस्थिति मांगलिक दोष बनाती है. इनमें पहले, चौथे, सातवें, आठवें, 12वें और दूसरे भाव में मंगल देव के होने पर यह स्थिति बनती है।

प्रथम भाव (लग्न) में मंगल देव

जब मंगल देव लग्न में विराजमान होते हैं, तब जातक के स्वभाव में तीव्रता, आवेग और अधीरता बढ़ सकती है. इससे विचारों में टकराव और वैवाहिक समन्वय में कमी देखी जाती है.

चौथे भाव में मंगल देव

चौथे भाव में मंगल देव की स्थिति गृहस्थ जीवन में अस्थिरता, मानसिक तनाव और घरेलू वातावरण में बेचैनी उत्पन्न कर सकते हैं. दंपति के बीच भावनात्मक दूरी भी बढ़ने की आशंका रहती है।

सप्तम भाव में मंगल देव

सप्तम भाव विवाह का प्रमुख भाव है. यहां मंगल देव का प्रभाव दांपत्य जीवन में विवाद, गलतफहमियां, आवेगपूर्ण निर्णय और अचानक बाधाओं के योग पैदा कर सकता है. इसलिए यह सबसे गंभीर स्थान माना जाता है।

आठवें भाव में मंगल देव

आठवें भाव में मंगल देव जीवनसाथी के स्वास्थ्य, गोपनीय मामलों और दांपत्य स्थिरता को प्रभावित कर सकते हैं. इस स्थिति में अनपेक्षित चुनौतियां, मानसिक दबाव और संबंधों में असुरक्षा बढ़ने के योग रहते हैं।

बारहवें भाव में मंगल देव

बारहवें भाव में मंगल देव मानसिक बेचैनी, नींद की कमी और वैवाहिक दूरी के योग बना सकते हैं. दांपत्य जीवन में संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

दूसरे भाव में मंगल देव

दूसरे भाव में मंगल देव पारिवारिक जीवन, वाणी और आर्थिक मामलों को प्रभावित कर सकते हैं. इस स्थिति में पारिवारिक मतभेद, कठोर वाणी और वैवाहिक तालमेल में कमी देखी जा सकती है।

सबसे अधिक कठिन कौन सा मांगलिक दोष?

ज्योतिष शास्त्र में सप्तम भाव में स्थित मंगल देव को सबसे गंभीर या कठिन माना गया है. दरअसल, यह भाव सीधे तौर पर विवाह, दांपत्य सुख, जीवनसाथी और दांपत्य समन्वय से संबंधित है. सप्तम भाव में मंगल देव कभी-कभी विलंब, अस्थिरता, और संबंधों में तीव्रता बढ़ा सकते हैं. इसलिए इसे उच्च स्तर का मंगल दोष कहा जाता है।

मांगलिक दोष के प्रभाव को कम करने के प्रमुख उपाय

मंगल देव के बीज मंत्र का जाप: ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः मंत्र का प्रतिदिन शांत मन से जाप करने से मंगल देव की कृपा बढ़ती है और जन्मकुंडली का दोष धीरे-धीरे शांत होने लगता है।

मंगलवार का व्रत: मंगलवार को व्रत रखें. साथ ही लाल वस्त्र, मसूर दाल, गुड़ या लाल फल का दान करें. इससे मंगल देव प्रसन्न होते हैं और उनके अशुभ प्रभावों में कमी आती है.

हनुमानजी की उपासना: हनुमान चालीसा, सुंदरकांड का पाठ और मंगलवार को श्री हनुमानजी के दर्शन करने से मंगलदोष शांत होता है. इसके साथ ही साहस, स्थिरता और मानसिक संतुलन बढ़ने लगता है।

कुंभ विवाह: जब मंगली दोष अत्यंत प्रबल हो, तब कुंभ विवाह का वैदिक अनुष्ठान प्रभावी माना जाता है. यह प्रतीकात्मक विवाह दोष को काफी हद तक शांत करता है।

रत्न उपाय: विद्वान पंडित की सलाह अनुसार, मूंगा रत्न धारण करने से मंगल देव अनुकूल फल प्रदान करने लगते हैं. इससे ऊर्जा संतुलित होती है और दांपत्य जीवन में स्थिरता भी आती है।

तुला राशि के लिए 4 सबसे भाग्यशाली रत्न

हीरा: शुक्र का प्रमुख और शक्तिशाली रत्न

हीरा एक ऐसा रत्न है, जिसे हर कोई धारण करना चाहते हैं। हालांकि, डायमंड तुला राशि का प्रमुख रत्न माना जाता है। इसे धारण करने से आत्मविश्वास बढ़ता है। जातक को फैसले लेने में स्पष्टता आती है और रिश्तों में सामंजस्य बढ़ता है। यह धन, विलासिता और आकर्षण का मार्ग खोलता है और शुक्र ग्रह को अत्यंत मजबूत बनाता है।

ओपल: क्रिएटिविटी और इमोशनल बैलेंस का स्टोन

ओपल तुला राशि का दूसरा महत्वपूर्ण रत्न है। यह जातक की रचनात्मक सोच को बढ़ाता है। इसके साथ ही कूटनीति और भावनात्मक संतुलन को भी मजबूत करता है। इसे पहनने से भाग्य प्रबल होता है और व्यक्ति जीवन के प्रति ज्यादा आशावादी बनता है।

एक्वामरीन: मानसिक शांति और तनाव से मुक्ति

एक्वामरीन एक ऐसा रत्न है, जो खासतौर पर तुला राशि के पुरुष जातकों के लिए बेहद शुभ माना जाता है। यह जेमस्टोन व्यक्ति के तनाव को कम करता है, मन को शांत करता है और रचनात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है। यह रिश्तों में शांति और विश्वास बनाने में मदद करता है।

पेरिडॉट: समृद्धि-सुरक्षा और पॉजिटिविटी का प्रतीक

पश्चिमी ज्योतिष शास्त्र में पेरिडॉट को तुला राशि का जन्म रत्न माना जाता है। यह आर्थिक वृद्धि, सुरक्षा और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाता है। साथ ही निर्णय लेने की क्षमता मजबूत करता है और जीवन में संतुलन बनाए रखता है।

बिना सलाह न पहनें कोई रत्न

ज्योतिष में मान्यता है कि इन चार रत्नों को सही नियम और विधि से पहनने पर तुला राशि वालों का भाग्य अत्यधिक प्रबल होता है। हालांकि, कोई भी रत्न धारण करने से पहले योग्य ज्योतिषाचार्य से सलाह जरूर लेनी चाहिए। वरना आपको फायदा पहुंचाने की बजाय ये रत्न हानि भी कर सकते हैं।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में रजनीकांत को मिला सम्मान

सिनेमा में 50 साल पूरे करने पर बोले- अभिनय करियर 15 साल जैसा लगा

गोवा में आयोजित हो रहे भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2025 समारोह का आखिरी दिन है। इस दिन कई दिग्गज सितारे शिरकत कर रहे हैं। इसी कड़ी में साउथ अभिनेता रजनीकांत की फिल्म 'लाल सलाम' की स्क्रीनिंग की गई, जिसे एक्टर की बेटी ऐश्वर्या ने निर्देशित किया है। इसके अलावा रजनीकांत को सिनेमा में 50 साल के अद्भुत योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर अभिनेता ने भावुक भाषण दिया।

फिल्म 'लाल सलाम' की हुई स्क्रीनिंग

रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म 'लाल सलाम' की भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2025 में स्क्रीनिंग हुई। इस दौरान दोनों पिता-पुत्री शामिल रहे। इस फिल्म को देखने के बाद दर्शकों ने इसकी सरहाना की। ऐश्वर्या रजनीकांत ने स्क्रीनिंग के बाद अपनी भावनाओं को व्यक्त

करते हुए कहा, 'वह पल अभी भी मेरे जेहन में ताजा है। इस अनुभव के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। मुझे लगता है कि यह इस फिल्म के लिए एक वरदान है।'

एक्टर रजनीकांत समारोह में ब्लू कलर की हाफ शर्ट और काले पैंट पहनकर पहुंचे। वायरल वीडियो में अभिनेता मुस्कुराते हुए और हाथ जोड़कर भीड़ का अभिवादन स्वीकार करते दिख रहे हैं। जबकि उनकी बेटी ऐश्वर्या भी अपने पिता के साथ-साथ चल रही हैं। दोनों की एक झलक पाने के लिए दर्शक बेताब हैं।

अभिनेता ने दिया भावुक भाषण

रजनीकांत को 56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के समापन समारोह के दौरान फिल्म उद्योग में पांच दशकों के योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अभिनेता ने अपने भावुक भाषण में कहा, 'सिनेमा में 50 साल का अभिनय करियर 10 या 15 साल जैसा लगा। अगर 100 और जन्म हों, तो मैं एक अभिनेता और रजनीकांत के रूप में जन्म लेना चाहूंगा।'

बिग बॉस 19 में धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुए सलमान खान, बोले- 'ये हफ्ता आंसुओं के साथ गुजरा है'

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का बीते दिनों निधन हो गया था। इस खबर ने सभी को झकझोर कर रख दिया था। बिग बॉस 19 के हालिया वीकएंड का वार एपिसोड में सलमान खान ने दिवंगत अभिनेता को याद किया और वो भावुक हो गए। इसके साथ ही उन्होंने इस घटना को देश के लिए सबसे बड़ा नुकसान बताया।

'ये वीकएंड का वार मैं नहीं कर पाता'

बिग बॉस 19 शो के होस्ट सलमान खान ने धर्मेंद्र को याद किया। उन्होंने कहा- 'देश और उनके सभी प्रशंसकों को बहुत ही बड़ा झटका लगा है। इस घटना से इंडस्ट्री को बड़ा सदमा पहुंचा है। मुझे लगता है कि आप लोग समझ रहे हैं कि मैं किनकी बात कर रहा हूं। अभिनेता ने आगे कहा, ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। काश इस हफ्ते वीकएंड का वार मैं नहीं कर रहा होता, लेकिन जिंदगी हमेशा चलती रहती है।'

वीकएंड का वार में हुआ बड़ा उलटफेर

शनिवार को प्रसारित हुए बिग बॉस 19 के वीकएंड का वार में कंटेस्टेंट अशनूर कौर को शो से बाहर का रास्ता दिखाया गया। उन्हें सलमान खान ने तान्या मित्तल पर वार करने के लिए खूब डांट लगाई। अशनूर के एविक्शन पर कुछ नेटिजंस इसे गलत फैसला बता रहे हैं, तो कुछ इसे सही कह रहे हैं।

बिग बॉस 19 में इन प्रतियोगियों में है टक्कर

बिग बॉस 19 से अशनूर कौर बेघर हो चुकी हैं। इसके अलावा रिपोर्ट्स के अनुसार शहबाज बदेशा का भी एविक्शन हो चुका है। इस हिसाब से शो में अब छह प्रतियोगी बचे हैं, जिसमें गौरव खन्ना फाइनल में पहुंच चुके हैं, क्योंकि उन्होंने टिकट टू फिनाले टास्क जीतकर खिताब के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है। अब फरहाना भट्ट, अमाल मलिक, तान्या मित्तल, प्रणीत मोरे और मालती चाहर के बीच फिनाले में पहुंचने की टक्कर है।

साउथ के मुकाबले बॉलीवुड में महिलाओं का ऑब्जेक्टिफिकेशन ज्यादा

राशि खन्ना बोलीं- हर एक्टर का अपना कंफर्ट जोन होता है

साउथ की फिल्म पर अक्सर महिलाओं के ऑब्जेक्टिफिकेशन (वस्तु की तरह पेश करना) का आरोप लगता रहा है। इस मुद्दे पर काफी डिबेट, डिस्कशन भी होते रहे हैं। अब एक्ट्रेस राशि खन्ना ने इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। राशि बॉलीवुड और साउथ सिनेमा दोनों जगह जाना-माना नाम हैं। उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में माना कि कि ऐसा सिर्फ साउथ इंडस्ट्री में नहीं होता बल्कि बॉलीवुड में होता है।

साउथ सिनेमा में महिलाओं के चित्रण पर राशि ने कहा- 'यह सिर्फ साउथ की बात नहीं है। मैं इसे नॉर्थ भारत में भी काफी देखती हूं। यह पूरी तरह से एक्टर की पसंद पर निर्भर करता है। कुछ लोग इससे सहज होते हैं, कुछ नहीं।

मैंने साउथ में इतनी सारी कमर्शियल फिल्में की हैं कि मुझे लगता है कि मुझे हिंदी में भी कदम बढ़ाना चाहिए और कंटेंट पर काम करना चाहिए। मुझे कमर्शियल काम करने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन मेरी भी एक सीमा है। हर एक्टर की सीमा अलग होती है, और यही उसकी पहचान होती है।'

उन्होंने आगे कहा- 'यह बहुत जरूरी है कि मैं जो कर रही हूं उसमें सहज रहूं। अगर मुझे लगता है कि कोई सीमा पार हो रही है और मैं उसमें चीप लग सकती हूं तो मैं मना कर दूंगी। हर एक्टर का कम्फर्ट जोन अलग होता है, और मैं किसी को जज नहीं करती।'

राशि जल्द ही फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में नजर आएंगी। पवन कल्याण और श्री लीला स्टारर यह फिल्म अप्रैल 2026 में थिएटर में रिलीज होगी। इसके अलावा, वो शाहिद कपूर के अपोजिट प्राइम की सीरीज 'फर्जी सीजन 2' में भी नजर आ आएंगी। इसकी शूटिंग अगले साल शुरू होगी।

शनाया कपूर की बिना मेकअप वाली तस्वीरें आ गई हैं, सादगी वाले लुक में ऐसी दिखती हैं एक्ट्रेस

शनाया कपूर अक्सर ही अपनी खूबसूरती के जलवे बिखेरती रहती हैं. अब हाल ही में उन्हें पैप्स द्वारा स्पॉट किया गया. उनकी इन वायरल पिक्चर्स देख आप भी दीवाने हो जाएंगे. शनाया कपूर भी बॉलीवुड की हसीन एक्ट्रेसेस में से एक हैं. सोशल मीडिया पर उनके खूबसूरती के चर्चे होते ही रहते हैं. अब हाल ही में उन्हें पैप्स ने स्पॉट किया जिसकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं. देखें ये हसीन लुक.

शनाया कपूर का सोशल मीडिया पर जलवा कायम रहता है. आए दिन वो अपने फैशनेबल लुक्स से लाइमलाइट में रहती हैं. हाल ही में पैप्स ने उन्हें अपने कैमरे में कैद किया जहां उन्होंने अपनी सादगी से फिर एक बार सबका दिल जीत लिया. लेटेस्ट तस्वीरों में शनाया कपूर का लुक देखने लायक है. अब एक्ट्रेस की तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर अपना कब्जा जमा लिया है और फैंस हसीना की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. नो मेकअप लुक में भी शनाया कपूर बहुत खूबसूरत लग रही हैं.

वायरल तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि एक्ट्रेस ने ब्लू कलर का टैंक टॉप पहना है इसके साथ उन्होंने ग्रे कलर के लूज ट्राउजर्स पेयर लिए हैं. खुले बालों और स्टेटमेंट वॉच से उन्होंने अपना लुक पूरा किया. कई बार उन्होंने अपने स्टाइलिश लुक्स से फैंस को इंप्रेस किया. अब उनका ये सादगी भरा लुक नेटीजंस के दिल में बस गया है. अपनी प्यारी सी मुस्कान के साथ उन्होंने पैप्स के सामने भी खूब पोज दिए हैं. उनका ये शॉर्ट हेयर वाला लुक भी उनपर खूब जच रहा है.

प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो शनाया कपूर ने 'आंखों की गुस्ताखियां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया. अब एक्ट्रेस 'वृषभ', 'बेधड़क' और 'तू या मैं' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी.

रिलीज से पहले फिल्म 'धुरंधर' की बढ़ी मुश्किलें पाकिस्तान पुलिस के अफसर की पत्नी ने दी चेतावनी

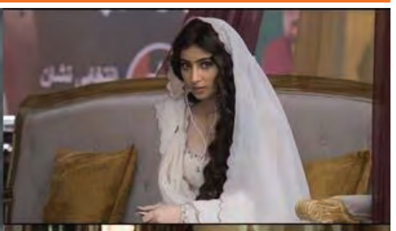

अभिनेता रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर' की रिलीज का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में कराची के दिवंगत पुलिस अधिकारी चौधरी असलम के किरदार को दिखाया गया है, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। अब उनकी पत्नी नौरीन असलम ने फिल्म के मेकर्स को कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दे दी है। पढ़िए क्या है पूरा मामला।

क्या है पूरा मामला?

आपको बताते चलें कि फिल्म 'धुरंधर' में संजय दत्त ने कराची के दिवंगत पुलिस अधिकारी चौधरी असलम का किरदार निभाया है। बताया जाता है कि उन्हें क्राइम के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए जाना जाता था। अब पीटीआई के हवाले से खबर है कि दिवंगत अधिकारी की पत्नी नौरीन असलम ने चेतावनी दी है कि अगर फिल्म में उनके पति की छवि को गलत तरीके से पेश किया गया या बदनाम किया गया तो वे कानूनी कार्रवाई करेंगी।

दिवंगत अधिकारी की पत्नी ने ट्रेलर पर जताई आपत्ति

दिवंगत पुलिस अधिकारी की पत्नी ने फिल्म 'धुंरधर' के ट्रेलर के डायलॉग पर आपत्ति जताई, जिसमें असलम को शैतान और जिन्न की संतान बताया गया। दिवंगत अधिकारी की पत्नी ने कहा, 'हम मुसलमान हैं और ऐसे शब्द न केवल असलम के लिए बल्कि उनकी मां के लिए भी अपमानजनक हैं, जो एक सरल, ईमानदार महिला थीं। अगर मैं देखूंगी कि फिल्म में मेरे पति को गलत तरीके से दिखाया गया है या उनके खिलाफ कोई दुष्प्रचार किया गया है, तो मैं निश्चित रूप से सभी प्रकार के कानूनी कदम उठाऊंगी।'

कब रिलीज होगी फिल्म?

आदित्य धर द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म 'धुरंधर' में दमदार स्टारकास्ट नजर आने वाले हैं। इसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना, आर माधवन और सारा अर्जुन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'धुरंधर' 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। माना जा रहा है कि यह एक स्पाई-थ्रिलर एक्शन फिल्म होगी।

शादी के दो साल बाद पापा बनेंगे रणदीप हुड्डा : एनिवर्सरी पर फोटो शेयर कर अनाउंस की गुड न्यूज

एक्टर रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी लिन लैशराम जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। एक्टर ने अपनी शादी की दूसरी एनिवर्सरी पर ये खुशखबरी फैंस के साथ साझा की है। रणदीप ने लिन के साथ अपनी एक फोटो शेयर की, जिसमें दोनों जंगल में क्वालिटी टाइम बिताते नजर आ रहे हैं। फोटो के कैप्शन में उन्होंने लिखा- 'प्यार और एडवेंचर के दो साल और अब...एक नन्हा मेहमान आने वाला है।' इस गुड न्यूज पर एक्टर और उनकी पत्नी को इंडस्ट्री और फैंस से खूब बधाई मिल रही हैं। पोस्ट पर फैंस कॉमेंट के जरिए गुड न्यूज और एनिवर्सरी दोनों की बधाई दे रहे हैं।

रणदीप ने साल 2023 में मणिपुर की रहने वाली एक्ट्रेस लिन लैशराम से शादी की थी। दोनों की शादी इम्फाल में मैतई रीति-रिवाज से हुई थी। बता दें कि दोनों की पहली मुलाकात नसीरुद्दीन शाह के के थिएटर ग्रुप मॉटली में हुई थी।

दोस्ती से शुरू हुआ ये रिश्ता प्यार में बदला और फिर लॉकडाउन के समय दोनों लिव इन में रहने लगे। साल 2022 में रणदीप ने इंस्टाग्राम के जरिए लिन के साथ अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था।

फिर एक साल के बाद दोनों शादी के बंधन में बंध गए। एक्टर की वर्क फ्रंट की बात करें तो वो इसी साल रिलीज फिल्म जाट में विलेन के तौर पर दिखे थे। इस फिल्म में हीरो सनी देओल थे। अब जल्द ही वो अमेरिकी एक्शन एडवेंचर कॉमेडी फिल्म मैचबॉक्स में दिखाई देंगे।

'क्रिएटिविटी की जगह नहीं ले सकता एआई', जावेद अख्तर बोले- सिर्फ डेटा पर आधारित है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। इसको लेकर कई लोग काफी चिंताएं प्रकट कर रहे हैं। हालांकि, दिग्गज गीतकार और स्क्रिप्ट राइटर जावेद अख्तर का मानना है कि एआई नेचुरल क्रिएटिविटी की जगह कभी भी नहीं ले सकता। उनका मानना है कि एआई की अपनी सीमाएं हैं और यह सिर्फ डेटा पर आधारित है।

एआई में नहीं है अपनी कोई बुद्धि

एक लिट्रेसी फेस्टिवल में बोलते हुए जावेद अख्तर ने कहा कि मैं यह नहीं कह सकता कि भविष्य में क्या होगा। लेकिन अभी के लिए मुझे यकीन है कि एआई किसी भी तरह से इंसान की क्रिएटिविटी की जगह नहीं ले सकता। एआई में कोई दिमाग नहीं है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसका उपयोग कैसे करते हैं। परमाणु ऊर्जा का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इसका उपयोग अच्छे और बुरे दोनों उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

नई खोजों से डरते हैं लोग

गीतकार ने आगे कहा कि एआई में संसाधन बुरे नहीं हैं। अगर आप इतिहास में झांकेंगे, तो लोग सभी खोजों से डरते थे। यहां तक कि भाप के इंजन से भी और इसे शैतान का वाहन बताते थे। वर्तमान में एआई की सीमाएं हैं और यह आंकड़ों पर निर्भर है। भविष्य में क्या होगा, यह अभी नहीं कहा जा सकता। भाषा, संस्कृति, पौराणिक कथाओं, कविता और कला को महान संसाधन बताते हुए उन्होंने कहा कि जब भारत को आजादी मिली थी, तब देश एक सुई भी नहीं बना सकता था, लेकिन आज यह दुनिया के सबसे औद्योगिक देशों में से एक बन गया है।

ओडिशा के राज्यपाल ने जावेद अख्तर को दिया सम्मान

जावेद अख्तर को ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति द्वारा उद्घाटन किए गए साहित्य महोत्सव में सम्मानित किया गया। उन्हें पहला एसओए साहित्य सम्मान प्रदान किया गया। इस पुरस्कार में एक प्रशस्ति पत्र, एक शॉल, देवी सरस्वती की एक रजत प्रतिमा और 7 लाख रुपये का नकद पुरस्कार शामिल है।

कन्नड़ एक्टर उमेश का 80 साल की उम्र में निधन लीवर कैंसर से हारे जिंदगी की जंग

कन्नड़ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता उमेश का 80 साल की उम्र में निधन हो गया। वह लंबे समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। लीवर कैंसर से जंग लड़ते हुए उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

कई दिनों से चल रहा था लीवर कैंसर का इलाज

रविवार को कन्नड़ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता और कॉमेडियन एम एस उमेश का निधन हो गया। कुछ दिन पहले वह अपने घर में गिर गए थे। पैर में चोट लगी चोट का इलाज कराने के लिए अस्पताल में भर्ती हुए। सर्जरी के दौरान डॉक्टर्स को उनके लीवर कैंसर का पता चला। इसके बाद लीवर कैंसर का ट्रीटमेंट शुरू हुआ। लीवर कैंसर से जिंदगी की जंग लड़ते हुए रविवार को 80 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। उमेश ने अपने एक्टिंग करियर में 350 से ज्यादा फिल्में की थीं। रजनीकांत के अलावा कई दिग्गज दक्षिण भारतीय अभिनेताओं संग बड़े पर्दे पर उमेश ने अभिनय किया था।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और एमपी एचडी कुमारस्वामी ने एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर अभिनेता उमेश के निधन पर दुख जताया। वह लिखते हैं, 'मशहूर कॉमेडियन श्री एम.एस. उमेश के निधन की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। उमेश अपनी कॉमेडी से दर्शकों को हंसी के समंदर में डुबो देते थे। वह एक ऐसे एक्टर थे जिन्होंने कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री को आगे बढ़ाया।'

आज ही होगा अभिनेता उमेश का अंतिम संस्कार

कन्नड़ अभिनेता की बेटी ने जानकारी साझा की है कि उमेश का अंतिम संस्कार रविवार को ही किया जाएगा। वह पिता के पार्थिव शरीर को अस्पताल से घर लेकर जा रहे हैं। इसके बाद ही अधिक जानकारी देंगे।

क्या आप लीडर बनने के लिए तैयार हैं? ये टिप्स करेंगे इस भूमिका को निभाने की तैयारी में मदद

अक्सर करियर में ऐसा समय आता है, जब पहली बार हमें किसी टीम को लीड करना होता है। टीम में उम्र और हमसे अधिक अनुभवी लोग हों, तो घबराहट महसूस होना बिल्कुल सामान्य बात है। शुरुआती महीनों में कई मुश्किलें आएंगी, लेकिन इन्हीं चुनौतियों से आपकी नेतृत्व क्षमता दिखती है।

लीडरशिप केवल प्रमोशन या वेतन बढ़ने का मौका नहीं है, बल्कि खुद को निखारने और बड़े स्तर पर असर डालने का अवसर भी है। कई पेशेवर आत्मविश्वास की कमी के कारण इस भूमिका से पीछे हट जाते हैं, जबकि थोड़ी तैयारी और सही लोगों से जुड़कर आप इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं।

पेशेवर नेटवर्क का उपयोग करें

आपका नेटवर्क सिर्फ लोगों की एक लंबी सूची नहीं होता, बल्कि यह आपकी सामाजिक पूंजी होता है, यानी वह ताकत जो आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करती है। इसमें आपके सहकर्मी, बॉस, पुराने साथ काम कर चुके लोग, इवेंट्स में मिलने वाले लोग और सोशल मीडिया पर जुड़े प्रोफेशनल्स शामिल होते हैं।

समय के साथ यही लोग अलग-अलग अच्छे पदों पर पहुंचते हैं। ऐसे में आपके बनाए रिश्ते आपको नए अवसरों के बारे में बताते हैं, आपकी क्षमताओं को समझते हैं और जरूरत पड़ने पर आपका हौसला भी बढ़ाते हैं।

रिश्ते बस फायदे के लिए न हों

अगर आपके नेटवर्क में अनुभवी लीडर नहीं हैं, तो ऑफिस, वर्कशॉप, कॉन्फ्रेंस, ट्रेनिंग और सोशल मीडिया के जरिये नए लोगों को जोड़ना शुरू करें। लेकिन रिश्ते सिर्फ फायदा लेने के लिए न बनाएं। असली रिश्ते समझ, सम्मान और पहले मदद करने की सोच पर टिके होते हैं, तो यही बातें संबंधों में भरोसा बढ़ाती हैं।

विन-विन सहयोग अपनाएं

किसी भी रिश्ते में सबसे अच्छा सहयोग वही होता है, जिसमें दोनों को फायदा मिले, यही विन-विन सहयोग है। सीनियर लीडर आपको नए टूल्स और ट्रेंड्स सिखा सकते हैं, और आप उन्हें नई तकनीक व दृष्टिकोण दे सकते हैं।

ध्यान से सुनना, उनकी जरूरतों को समझना और सही समय पर मदद करना आपकी विश्वसनीयता बढ़ाता है। जब आप किसी पर शुरुआत में ही अच्छा प्रभाव डालते हैं, तो वे आप पर जल्दी भरोसा करते हैं और आपका समर्थन करते हैं

डरें नहीं, आगे बढ़ें

नेतृत्व अकेले चलने की राह नहीं है, यह भरोसे और रिश्तों पर आधारित यात्रा है। लोगों से

खुद में बदलाव लाने के लिए सोच को थोड़ा खोलना जरूरी, अपना नजरिया नए सिरे से तलाशें

जीवन में हम सब किसी न किसी मोड़ पर बदलाव चाहते हैं। कभी कॅरिअर में आगे बढ़ने के लिए, कभी एक नई शुरुआत करने के लिए, तो कभी अपने अंदर की ताकत व आत्मविश्वास को जगाने के लिए। अक्सर हम बदलाव की शुरुआत बाहर से करते हैं जैसे नई नौकरी ढूंढना और नए लोगों से जुड़ना।

ये कदम मदद तो करते हैं, पर लंबे समय तक साथ तभी देते हैं, जब आप भीतर से तैयार हो। इसलिए बेहतर है कि आप पहले अपनी सोच को थोड़ा खोलें और अपना नजरिया नए सिरे से तलाशें। इससे जब अंदरूनी स्पष्टता आ जाती है, तब बाहर लिया गया आपका हर कदम ज्यादा मजबूत और टिकाऊ बन जाता है।

सही वजह तलाशें

जीवन में टिकाऊ बदलाव वही होता है, जिसकी शुरुआत भीतर से होती है। अक्सर लोग किसी के दबाव में और तुलना की भावना से आगे कदम उठा तो लेते हैं, लेकिन ऐसी प्रेरणाएं जल्दी कमजोर पड़ जाती हैं। इसलिए सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि आप यह बदलाव अपने लिए क्यों चाहते हैं? क्या यह आपके मूल्यों से मेल खाता है और क्या यह आपके जीवन को सचमुच बेहतर बना सकता है? जब आपकी बदलाव की वजह सच में आपकी अपनी होती है, जिसमें न किसी का दबाव, न तुलना, न दिखावा होता है, तो यही एहसास आपको फिर आगे बढ़ने की ताकत देता है।

लक्ष्य पर नजर रखें

बदलाव की दूसरी महत्वपूर्ण कड़ी है स्पष्ट और अर्थपूर्ण लक्ष्य। ऐसा लक्ष्य, जो भीतर से प्रेरित करे और जिसमें दिल व दिमाग दोनों की सहमति हो। जब लक्ष्य वास्तव में आपका अपना होता है, तो उसे हासिल करने का सफर मुश्किल होने के बावजूद सही लगता है।

इसके विपरीत, दबाव में तय किए गए लक्ष्य बोझ जैसे लगते हैं और धीरे-धीरे आपकी प्रेरणा कम होने लगती है। इसलिए अपने लक्ष्य को हर पहलू से समझें और आप इसे क्यों चाहते हैं, इससे आपको क्या लाभ होगा और यह आपके भविष्य को कैसे बेहतर बना सकता है।

पहला कदम अहम

जीवन में बदलाव की सबसे चुनौतीपूर्ण बात पहला कदम उठाना है। कई लोग इसलिए रुक जाते हैं, क्योंकि उन्हें यह नहीं पता होता कि शुरुआत कहां से करें, लेकिन शुरुआत का उत्तम होना जरूरी नहीं। किसी भी बिंदु से शुरू करें, लेकिन शुरू करना जरूरी होता है।

टालमटोल छोड़कर छोटे-छोटे कदम उठाएं, क्योंकि काम करने से ही प्रेरणा जन्म लेती है और वही प्रेरणा आगे बढ़ने का आधार बनती है। साथ ही, खुद से यह पूछना भी जरूरी है कि आप यह बदलाव क्यों चाहते हैं? यही सवाल आपके मूल्यों, आपकी असली जरूरतों और उस जीवन की दिशा दिखाता है, जिसकी आप कल्पना करते हैं।

करिअर पर दें ध्यान, समझदारी से बढ़ाएं नई नौकरी की ओर कदम

कॉरपोरेट सेक्टर में कई बार कंपनियां आर्थिक दबाव में आ जाती हैं, और कुछ तो दिवालिया होकर पूरी तरह बंद भी हो जाती हैं। ऐसी परिस्थितियों का सबसे बड़ा असर उन पेशेवरों पर पड़ता है, जिनका कॅरिअर अचानक अस्थिर हो सकता है या उन्हें गंभीर वित्तीय और पेशेवर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

स्वाभाविक है कि ऐसी स्थिति में मन में यह प्रश्न उठ सकता है कि क्या संगठन में बने रहना सही है या नई नौकरी की ओर रुख करने का समय आ गया है। अपने कॅरिअर के बारे में सोचना किसी भी तरह स्वार्थ नहीं है। मन पर किसी भी तरह का बोझ न रखते हुए आप नई नौकरी की ओर कदम बढ़ाएं, बस कुछ बातों का ध्यान रखें।

शुरुआत यहां से करें

सबसे पहले यह समझ लेना बेहतर है कि आपकी मौजूदा भूमिका आने वाले समय में आपके लिए कैसी राह खोलती है और आप उससे क्या हासिल करना चाहते हैं? इसी आधार पर आपको यह भी आकलन करना चाहिए कि संभावित नई नौकरी में मिलने वाली जिम्मेदारियां पहले की तुलना में अधिक लचीली होंगी या नहीं, और क्या वहां आपके सफल होने की संभावनाएं बेहतर दिखती हैं। यह मूल्यांकन आपको स्पष्ट निर्णय लेने में मदद करेगा कि बदलाव आपके कॅरिअर के लिए लाभकारी होगा या नहीं।

नए विकल्पों पर नजर रखें

किसी भी पेशेवर के लिए नेतृत्व जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि कंपनी उसके कौशल और काम को महत्व दे। अगर कंपनी मुश्किल दौर से गुजर रही है, तो यह समझना जरूरी है कि प्रबंधन आपकी भूमिका और योगदान को आगे कितना महत्व देगा। सोचें कि क्या यहां आपको भविष्य में बेहतर अवसर और विकास मिल पाएगा या नहीं। साथ ही, नए विकल्पों पर भी नजर रखें, क्योंकि लंबे समय तक एक ही भूमिका में फंसे रहने से आपकी कार्य क्षमता और मनोदशा प्रभावित हो सकती है।

व्यक्तिगत छवि

किसी भी कंपनी में काम करते समय यह भी देखें कि वहां काम करने से आपकी व्यक्तिगत छवि या ब्रांड पर कोई नकारात्मक असर तो नहीं पड़ा। यदि आपको ऐसा लगता है, तो तुरंत नौकरी छोड़ने की जरूरत नहीं है। बेहतर होगा कि आप धीरे-धीरे ऐसे नए अवसर खोजें, जहां आपकी भूमिका और आपके काम को अधिक महत्व मिल सके।

विचार करें, फिर आगे बढ़ें

कई बार पेशेवर अपने कॅरिअर के मध्य पड़ाव पर कुछ नया करने की सोचते हैं, जैसे खुद का स्टार्टअप या बिजनेस शुरू करना। ऐसे समय में यह जरूरी है कि आप विचार करें कि क्या कॅरिअर के इस महत्वपूर्ण चरण में नया कदम उठाना आपके लिए लाभदायक होगा। सभी पहलुओं पर सोच-समझकर निर्णय लें, और याद रखें-अगर आप किसी मुश्किल दौर वाली नौकरी को छोड़ने का विचार बना रहे हैं, तो दोबारा उसी जगह लौटने के बजाय नए अवसरों की तलाश करें।

करियर में परामर्शदाता की भूमिकाएँ

करियर के लिए सलाह

आज के समय में टेक्नोलॉजी और कंप्यूटर सबसे उभरते करियर में से एक हैं। इन करियर काउंसलर का यह कर्तव्य है कि वे छात्रों को इन बदलावों के बारे में जागरूक करें। पूरी जानकारी होने से छात्र सूचना के अभाव में निर्णय लेने से बचेंगे। कई उम्मीदवार अपनी जीवन योजनाओं के बारे में नहीं जानते हैं जबकि उनमें से कुछ प्रासंगिक कदमों का पता लगाने में विफल रहते हैं। इस प्रकार, करियर मार्गदर्शन इन सभी दुविधाओं को हल करेगा। उदाहरण के लिए, यदि आप कॉर्पोरेट क्षेत्र की तलाश कर रहे हैं, तो टीम निर्माण और समस्या-समाधान मूल्यवान कौशल हैं।

रुचियों और क्षमताओं का मूल्यांकन करें

क्या आप ऐसे उद्यम में शामिल होना पसंद करेंगे जो आपकी पसंद को बढ़ावा दे? या, ऐसा काम जो आपको पूरी तरह से थका दे? ज़्यादातर लोग निश्चित रूप से पहले विकल्प को चुनेंगे। रुचि एक व्यक्ति की एक या एक से ज़्यादा गतिविधियों में दूसरे की तुलना में शामिल होने की प्राथमिकता है। करियर मार्गदर्शन तकनीक इसके मूल्यांकन के लिए अलग-अलग तकनीकें तैयार करती हैं। जितनी जल्दी हम उन्हें पहचान लेंगे, उतने ही बेहतर परिणाम मिलेंगे। करियर काउंसलर द्वारा लक्ष्य निर्धारण में व्यक्ति की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखा जाता है।

मेल जोल

करियर संबंधी निर्णयों के साथ चिंता और वित्तीय कमी आना निश्चित है। करियर मार्गदर्शन आपके विचार से कहीं अधिक व्यापक और उन्नत समाधान है। सत्रों का उद्देश्य छात्रों को उनके ट्रैक पर सहायता करना और लक्ष्य प्राप्त करना है। अनौपचारिक सलाह के विपरीत, ये विशेषज्ञ परामर्शदाता ग्राहकों को निष्पक्ष समाधान प्रदान करते हैं। सभी निर्णयों और डाउनग्रेडिंग कथनों को अलविदा कहें।

कैरियर मार्गदर्शन के लाभ

अब वह हिस्सा आ गया है जिसके लिए आपका दिल शुरू से ही दौड़ रहा था। आइए करियर मार्गदर्शन में शामिल होने के लाभों पर एक नज़र डालें।

कुशल लोगों से सलाह

यह ध्यान रखना चाहिए कि परामर्शदाता संबंधित लोगों का मार्गदर्शन करने के लिए पेशेवर रूप से प्रशिक्षित होते हैं। उन्हें संचार कौशल, समस्या-समाधान क्षमता और आत्म-जागरूकता सहित विभिन्न विशेषज्ञताओं से सुसज्जित किया जाता है। इसलिए, करियर मार्गदर्शन सभी करियर संबंधी प्रश्नों का एक-स्टॉप समाधान है।

विविध अवसर

क्या आप जानते हैं कि वर्तमान में दुनिया में लगभग 7.6 बिलियन लोग हैं? इसका मतलब है कि ये लोग कई तरह के व्यवसायों में कार्यरत हैं। इनमें से कुछ उल्लेखनीय क्षेत्र हैं प्रशासन, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षण, बैंकिंग और अन्य। इनमें से किसी एक को चुनना किसी व्यक्ति के लिए एक कठिन काम हो सकता है। अलग-अलग करियर अवसरों के मामले में करियर मार्गदर्शन एक जीवनरक्षक के रूप में सामने आता है।

अपने करियर को आगे बढ़ाने के तरीके

मान लीजिए कि आपने सर्जन बनने का फैसला किया है। क्या आप अपने तय बजट में सबसे अच्छा कॉलेज जानते हैं? कौन से प्रमाणपत्र आजमाने चाहिए? क्या विशिष्ट कौशल चिकित्सा क्षेत्र में सफलता निर्धारित करते हैं? ऐसे महत्वपूर्ण पहलुओं का सही समाधान खोजना एक उलझन भरा काम हो सकता है। करियर मार्गदर्शन सफलता के झंडे को चिह्नित करने के लिए एक संपूर्ण रोडमैप दिखाता है।

सीखने का आरोप

एक बेहतरीन करियर काउंसलर आपको कई तरह के टिप्स सिखाता है जो आपको एक मुकाम पर पहुंचाएंगे। चाहे इंटरव्यू में बेहतर प्रदर्शन करना हो या कॉर्पोरेट दबाव को संभालना हो- करियर गाइडेंस में सब कुछ शामिल है। आप अपने कौशल को बढ़ाने के लिए मॉक टेस्ट या इंटरेक्शन भी दे सकते हैं। यह एक बेहतरीन जॉब कैंडिडेट बनने की एक चरण-दर-चरण प्रक्रिया है। अपनी प्रोफ़ाइल बनाने के लिए करियर गाइडेंस का लाभ उठाना सुनिश्चित करें।

समय और पैसा बचाता है

आइए हम स्वीकार करें कि उन्नत डिग्री की कीमत बहुत ज़्यादा होती है जो आपकी जेब भी ढीली कर सकती है। कुछ लोग ऐसे कोर्स में दाखिला ले लेते हैं जो न तो उनकी रुचि के मुताबिक होता है और न ही कोई गुंजाइश देता है। ज़्यादातर मध्यम आय वाले परिवारों के लिए मेजर बदलना एक व्यवहार्य विकल्प नहीं है। और, कॉलेज छोड़ना एक स्मार्ट विकल्प नहीं है क्योंकि हर कोई बिल गेट्स या एड शीरन नहीं बन सकता। कैरियर मार्गदर्शन के माध्यम से एक निश्चित मार्ग पर चलना आपकी प्राथमिकता सूची में होना चाहिए।

सीखने की कोई उम्र नहीं, कभी भी हो सकती है शुरुआत, मोटिवेशन के टिप्स

हारलैंड सैंडर्स की कहानी से यह सीख मिलती है कि नई चीजें सीखने और करने का जज्बा हो तो सफलता किसी भी उम्र में कदम चूम सकती है। इसलिए हम जानेंगे कि किस तरह बढ़ती उम्र में खुद को नई चीजें सीखने के लिए तैयार किया जा सकता है।

बढ़ती उम्र में नई चीजें सीखना इतना जरूरी क्यों है

कुछ भी सीखने और नया करने की कोई उम्र नहीं होती। खासतौर से ऐसे वक्त में जब दुनिया रोज बदल रही है। आज की मॉर्डन एजुकेशन 10 साल बाद मॉर्डन नहीं रह जाएगी। आज और कल की तकनीक में भी जमीन-आसमान का फर्क होगा। समय के साथ पढ़ने, दफ्तर में काम करने और जीवन जीने का तरीका तेजी से बदलता जाएगा।

ऐसे में अगर खुद को नई जानकारी के साथ अपडेट नहीं करेंगे तो करियर की रेस से बाहर हो सकते हैं। खुद से 5 या 10 साल छोटे लोगों के बीच खड़े होने पर भी जेनरेशन गैप महसूस हो सकता है।

लेकिन अगर उम्र के साथ अपने नॉलेज को भी अपडेट करते रहें तो दुनिया के साथ कदमताल करने में आसानी होगी। किसी भी उम्र में यह महसूस नहीं होगा कि 'हमारा जमाना तो बीत गया।'

सीखने के लिए बचपन नहीं, बच्चों वाली सोच जरूरी

यह आम धारणा है कि बच्चे किसी भी चीज को जल्दी सीख जाते हैं और उम्र बढ़ने के साथ नई चीजें सीखना और उन्हें याद रखना मुश्किल होता चला जाता है।यह बात तो सही है कि बच्चों का दिमाग नई चीजें सीखने के लिए ज्यादा मुफीद होता है, लेकिन यह धारणा पूरी सच्चाई बयां नहीं करती।

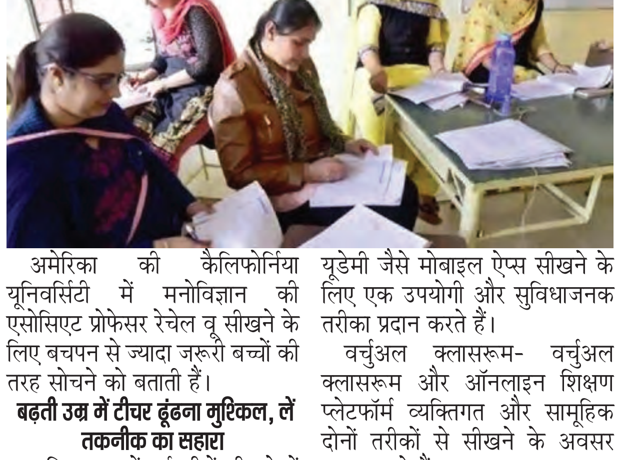

अमेरिका की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर रेचेल वू सीखने के लिए बचपन से ज्यादा जरूरी बच्चों की तरह सोचने को बताती हैं।

बढ़ती उम्र में टीचर ढूंढना मुश्किल, लें तकनीक का सहारा

अधिक उम्र में नई चीजें सीखने में एक बड़ी समस्या सही जगह और मेंटॉर मिलने की भी होती है। अपने रोजमर्रा के काम के साथ औपचारिक ढंग से पढ़ाई शुरू कर पाना संभव नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में तकनीक का सहारा लिया जा सकता है।

ऑनलाइन कोर्स और ट्यूटोरियल- इंटरनेट पर अलग-अलग तरह के ऑनलाइन कोर्स और ट्यूटोरियल मौजूद हैं, जो अलग-अलग विषय की जानकारी दे सकते हैं।

ई-बुक्स और दूसरे डिजिटल संसाधन- ई-बुक्स और दूसरे डिजिटल संसाधन पढ़ने और सीखने के लिए सुविधाजनक और सुलभ होते हैं।

वीडियो कंटेंट- वीडियो कंटेंट जैसेकि यूट्यूब वीडियोज और ऑनलाइन लेक्चर विजुअल और ऑडियो दोनों तरीकों से सीखने में मदद करते हैं।

मोबाइल ऐप्स- डूइंग, कोर्सेरा और यूडेमी जैसे मोबाइल ऐप्स सीखने के लिए एक उपयोगी और सुविधाजनक तरीका प्रदान करते हैं।

वर्चुअल क्लासरूम- वर्चुअल क्लासरूम और ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों तरीकों से सीखने के अवसर प्रदान करते हैं।

एक्सेसिबिलिटी फीचर- कई डिजिटल डिवाइसेज और सॉफ्टवेयर एक्सेसिबिलिटी फीचर प्रदान करते हैं। जैसेकि टेक्सट-टू-स्पीच, जूम और हाई कॉन्ट्रास्ट मोड, जो लोगों को सीखने में मदद करते हैं।

जिम्मेदारियों के बीच पैसिव लर्निंग से सीखना होगा आसान

कई बार ऐसा भी होता है, जब लोग सीखने की चाहत तो रखते हैं, लेकिन समय की कमी के चलते वे ऐसा नहीं कर पाते। स्कूल या कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स को देखकर उनके मन में ऐसी धारणा बनती है कि पढ़ना तो मुश्किल और फुल टाइम काम है।

ऐसी स्थिति में पैसिव लर्निंग मददगार साबित हो सकती है। दरअसल, पैसिव लर्निंग में हम अपने आसपास के माहौल और वातावरण से लगातार बिना एक्टिव प्रयास किए हुए लगातार कुछ सीख रहे होते हैं। जैसे वीडियो देखना या कुछ और करते हुए सीखने की कोशिश।

जबकि एक्टिव लर्निंग में सीखने के लिए अपनी ओर से ज्यादा कोशिश करनी पड़ती है। जैसे किताब पढ़ना, एक्सपेरिमेंट करना, सीखने के लिए अलग से मेहनत और कोशिश करना।

लर्निंग प्रॉसेस को बोझ न बनाएं, छोटे-छोटे गोल्स बेहतर

औपचारिक शिक्षा की उम्र बीतने के बाद नए सिरे से पढ़ाई शुरू कर पाना थोड़ा मुश्किल तो होता ही है। लेकिन जब पहली बार में ही कठिन लक्ष्य निर्धारित कर लिया जाए तो संकल्प के टूटने की आशंका बढ़ जाती है।इसलिए अधिक उम्र में अगर कुछ सीखने की सोच रहे हों तो बेहतर है कि शुरुआत आसन चीजों से करें। शुरुआत में कम ही सीखें, लेकिन निरंतरता बनाए रखें। भले 5 पन्ने पढ़ें, लेकिन किताबें जरूर खोलें। किताब पढ़ने का मन न हो तो वीडियो देखें या पॉडकास्ट सुनें।

अगर लर्निंग प्रॉसेस में निरंतरता बरकरार रखी जाए तो शुरुआत में छोटे-छोटे गोल्स हासिल होते हैं। जिसकी वजह से ज्यादा मेहनत करने और बड़े लक्ष्य को हासिल करने की प्रेरणा मिलती है। लक्ष्य की ओर धीरे-धीरे सधे कदमों से बढ़ें तो लक्ष्य मुश्किल नजर नहीं आता।

सीखने की कोई उम्र नहीं होती। यह एक जीवन भर की प्रक्रिया है, जो हमें नए अनुभव, ज्ञान और कौशल प्रदान करती है। चाहे आप 20 साल के हों या 60 साल के, सीखने के लिए कोई उम्र नहीं होती। जीवन में सीखना एक आवश्यक हिस्सा है। यह हमें नई चुनौतियों का सामना करने में मदद करता है, हमारी रुचियों को विकसित करने में मदद करता है और हमें बेहतर व्यक्ति बनाता है।

पंजाब में स्टेनोटाइपिस्ट के 109 पदों पर भर्ती, कौन कर सकता है आवेदन?

पंजाब अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (PSSSB) ने स्टेनोटाइपिस्ट भर्ती 2025 के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। इस भर्ती में कुल 109 रिक्तियों के लिए योग्य उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 4 दिसंबर 2025 से शुरू होकर 26 दिसंबर 2025 तक चलेगी। इच्छुक अभ्यर्थी PSSSB की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा या ऑनलाइन टेस्ट, कौशल/शारीरिक परीक्षा (यदि लागू हो), दस्तावेज सत्यापन और चिकित्सा परीक्षा के आधार पर किया जाएगा।

क्या होनी चाहिए पात्रता?

पीएसएसएसबी स्टेनोटाइपिस्ट भर्ती 2025 में हिस्सा लेने के लिए उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होना जरूरी है। इसके अलावा, पंजाबी में आशुलिपि परीक्षा पास की होनी चाहिए। साथ ही, कंप्यूटर या डेस्कटॉप प्रकाशन के क्षेत्र में कम से कम 120 घंटे का व्यावहारिक कोर्स भी होना चाहिए।

आयु सीमा

इस भर्ती में आवेदन करने के लिए आयु कम से कम 18 साल और अधिकतम 37 साल होनी चाहिए। एससी/एसटी, ओबीसी, दिव्यांग और भूतपूर्व सैनिकों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट मिलेगी।

उम्मीदवार भारतीय नागरिक होना चाहिए या आधिकारिक अधिसूचना में दिए गए नियमों के अनुसार पात्र होना चाहिए।

आवेदन शुल्क

आवेदन शुल्क सामान्य/ओबीसी उम्मीदवारों के लिए 1000 रुपये, एससी/एसटी, दिव्यांग और महिलाओं के लिए 250 रुपये, भूतपूर्व सैनिक और उनके आश्रितों के लिए 200 रुपये तथा विकलांग के लिए 500 रुपये है। भुगतान केवल ऑनलाइन डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग या यूपीआई के माध्यम से किया जा सकता है।

ऑनलाइन आवेदन के स्टेप्स

सबसे पहले आप आधिकारिक वेबसाइट sssb.punjab.gov.in पर जाएं।

अब स्टेनोटाइपिस्ट भर्ती 2025₹ का लिंक खोजें और भर्ती अधिसूचना ध्यानपूर्वक पढ़ें।

इसके बाद, ऑनलाइन आवेदन करें लिंक पर क्लिक करें।

अपनी ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर के साथ पंजीकरण करें।

आवेदन फॉर्म में सभी सही विवरण भरें।

इसके बाद, आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें और फोटो, हस्ताक्षर, प्रमाण पत्र।

आवेदन शुल्क ऑनलाइन भुगतान करें और आवेदन जमा

मुकेश अंबानी की रिलायंस ने फिर लहराया परचम

पिछले हफ्ते दिखाया दम?

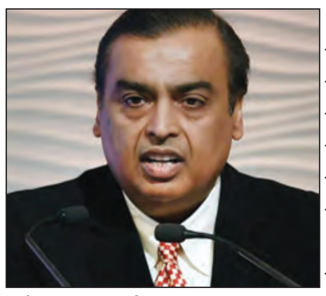

नई दिल्ली,30 नवंबर (एजेंसियां)। कम ही सही, लेकिन पिछले सप्ताह टॉप 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 96,200.95 करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला है। इस दौरान सबसे ज्यादा फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस को हुआ। दोनों कंपनियों की वैल्यूएशन में करीब 48,500 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

टॉप 10 कंपनियों में से, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर को लाभ हुआ। वहीं दूसरी ओर भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में गिरावट आई। इन तीनों कंपनियों के मार्केट कैप में कंबाइंडली 43,998.57 करोड़ रुपए की गिरावट देखने को मिली है। अगर बात शेयर बाजार की करें तो पिछले सप्ताह, बीएसई बेंचमार्क 474.75 अंक या 0.55 फीसदी चढ़ा। गुरुवार को, सेंसेक्स 86,055.86 के रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश की किस कंपनी के मार्केट कैप में कितना इजाफा और कितनी गिरावट देखने को मिली है।

देश की टॉप 10 कंपनियों में से 7 कंपनियों के मार्केट कैप में इजाफा

देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 28,282.86 करोड़ रुपए जोड़े, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 21,20,335.47 करोड़ रुपए हो गया। देश की सबसे बड़ी एनबीएफसी कंपनी बजाज फाइनेंस की वैल्यूएशन 20,347.52 करोड़ रुपए बढ़कर 6,45,676.11 करोड़ रुपए हो गया।देश की सबसे बड़े प्राइवेट लेंडर एचडीएफसी बैंक का वैल्यूएशन 13,611.11 करोड़ रुपए बढ़कर 15,48,743.67 करोड़ रुपए हो गया है। देश के सबसे दूसरे सबसे बड़े लेंडर आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 13,599.62 करोड़ रुपए बढ़कर 9,92,725.97 करोड़ रुपए हो गया। देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 7,671.41 करोड़ रुपए बढ़कर 5,79,644.16 करोड़ रुपए हो गया।

देश के सबसे बड़े सरकारी लेंडर भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 6,415.28 करोड़ रुपए बढ़कर 9,04,185.15 करोड़ रुपए हो गया।देश की बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस की वैल्यूएशन 6,273.15 करोड़ रुपए बढ़कर 6,47,961.98 करोड़ रुपए हो गया।देश की बड़ी टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल का एमकैप 35,239.01 करोड़ रुपए घटकर 11,98,040.84 करोड़ रुपए रह गया। देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 4,996.75 करोड़ रुपए घटकर 5,65,581.29 करोड़ रुपए हो गया है।देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 3,762.81 करोड़ रुपए घटकर 11,35,952.85 करोड़ रुपए रह गया।

भारत के बिना असंभव... चीन वाली किस रणनीति के फेल होने का अमेरिका को सताया डर, ये चेतावनी कैसी?

नई दिल्ली,30 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में मजबूत उपस्थिति के बिना अमेरिकी कंपनियों के लिए 'चीन प्लस वन' रणनीति संभव नहीं है। पूर्व अमेरिकी राजदूत जेफ्री पायट ने यह बात कही है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका और भारत के बीच ऊर्जा सहयोग दोनों देशों के बीच अस्थिर हो रहे संबंधों को स्थिर करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका की नीतियों में बदलाव और रूस से तेल खरीद को लेकर मतभेद हैं। पायट ने बीते दिनों कहा, 'मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि हम सभी के लिए अमेरिका-भारत रणनीतिक संबंधों को पटरी पर वापस लाना बहुत जरूरी है। भले ही व्यापार के मुद्दों पर कुछ असहमति हो। मुझे विश्वास है कि ऊर्जा इस समस्या को सुलझाने की कुंजी होगी।' यह समझना महत्वपूर्ण है कि भारत ने रूस से तेल क्यों खरीदा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर रूस से रियायती दरों पर कच्चा तेल खरीदने के लिए जुर्माना लगाया है। लेकिन, भारत ने मॉस्को से तेल तभी लिया जब तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने संकेत दिया कि भारत दिसंबर 2022 के बाद वैश्विक कीमतों को स्थिर करने के लिए जी7 की मूल्य-सीमा व्यवस्था के तहत रूसी तेल खरीद सकता है। पायट बाइडेन प्रशासन में ऊर्जा संसाधनों के लिए अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री थे। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2022 में अमेरिका की ओर से मूल्य-सीमा लागू करने के बाद भारत की ऊर्जा स्थिति कैसे बदली। उन्होंने कहा, 'जब तक मूल्य-सीमा लागू नहीं हुई थी, ठीक तीन साल पहले, दिसंबर 2022 में भारत रूसी ईंधन का बहुत कम खरीदार था।' उन्होंने आगे कहा, 'यह भारत के कुल ऊर्जा मिश्रण का एक छोटा सा हिस्सा था। फिर बाइडेन प्रशासन की ओर से बनाई गई योजना के कारण यह मात्रा काफी बढ़ गई। लेकिन, ट्रंप के तहत संकेत बदल गए और आज ऐसा लगता है कि चीजें बेहतर रास्ते पर वापस आ रही हैं। इसका हम सभी को स्वागत करना चाहिए।' पायट ने भारत की इस चिंता को स्वीकार किया कि अमेरिका के व्यवहार में अचानक बदलाव आ सकते हैं। उन्होंने कहा, 'कुछ भारतीय रणनीतिक समुदाय में इन मुद्दों को जिस तरह से संभाला गया है, उसके कारण विश्वास की कमी आई है। ट्रंप प्रशासन की एक विशेषता यह है कि नीति की दिशा पल भर में, बहुत जल्दी बदल सकती है और अक्सर बहुत अधिक स्पष्टीकरण के बिना। लेकिन जो है, वह है।' उन्होंने हाल ही में भारतीय कंपनियों की ओर से रूस से आयात कम करने के कदमों की ओर इशारा किया। इसी महीने की शुरुआत में रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने रूसी कच्चे तेल से परिष्कृत ईंधन को लक्षित करने वाले यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों का पालन करने के लिए अपनी एक्सपोर्ट-ओनली (सिर्फ निर्यात वाली) जामनगर रिफाइनरी में रूसी तेल का आयात बंद कर दिया। पायट ने रिलायंस की घोषणा को महत्वपूर्ण बताया।

भारत के अमेरिका के साथ नए एलपीजी अनुबंध को रीअलाइनमेंट का एक और संकेत बताया। उन्होंने कहा, 'उतना ही महत्वपूर्ण पिछले हफ्ते की वह घोषणा है जिसके तहत भारत ने पहली बार अमेरिका से एलपीजी आयात के लिए एक दीर्घकालिक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने का फैसला किया है, जो भारत की वार्षिक आवश्यकताओं का 10% है।

रिच डैड पुअर डैड के लेखक ने बताया सक्सेस मंत्र

इन सेक्टर्स में निवेश की दी सलाह

नई दिल्ली,30 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकन इन्वेस्टर रॉबर्ट कियोसाकी ने रविवार को फाइनेंशियल दुनिया की एक डरावनी तस्वीर दिखाते हुए कहा कि आने वाले दिनों में दुनियाभर के एसेट बबल फट सकते हैं और बेरोजगारी तेजी से बढ़ सकती है. रिच डैड पुअर डैड के लेखक ने चेतावनी दी कि इतिहास का सबसे बड़ा क्रैश थैंक्सगिविंग के दिन शुरू हुआ था.

उन्होंने अपने फॉलोअर्स से एनर्जी सेक्टर में इन्वेस्ट करने की भी सलाह दी, साथ ही और अमीर बनने की अपनी स्ट्रेटेजी भी बताई. उन्होंने कहा कि पिछले 30 सालों से जापान दुनिया भर के मार्केट में इन्वेस्टर्स को अरबों रुपये का लोन देता रहा है, और यह पैसा रियल एस्टेट, स्टॉक मार्केट, बॉन्ड्स, कमोडिटीज और बिजनेस में गया है. जापान के इस कैरी ट्रेड ने दुनिया के एसेट्स को बहुत ज्यादा बढ़ा दिया और एक बहुत बड़ा बबल बना दिया. कियोसाकी ने कहा कि जापान ने इस बबल में सुई चुभा दी है और इतिहास का सबसे बड़ा क्रैश थैंक्सगिविंग पर शुरू हो गया. कियोसाकी ने चेतावनी दी कि 30 साल के इस बबल के फटने से कई लोग बड़ी मुश्किल में फंस जाएंगे. लाखों लोग बेरोजगार हो सकते हैं, गरीब हो सकते हैं और यहां तक कि अपने घर भी खो सकते हैं.

एनर्जी में इन्वेस्ट करें?

कियोसाकी ने कहा कि मौजूदा हालात लोगों को ऐसा मौका दे रहे हैं कि अगर ग्लोबल इकोनॉमी क्रैश भी हो जाए, तब भी वे अमीर बन सकते हैं. कियोसाकी ने एक लंबे पोस्ट में बताया कि वह अगले कुछ दिनों में 10 टिप्स शेयर करेंगे जो आपको इतिहास के सबसे बड़े बबल के फटने के नुकसान से बचा सकते हैं.कियोसाकी ने आगे कहा कि हम सब जानते हैं कि एआई लाखों नौकरियां खत्म कर देगा. मैं तेल और प्राकृतिक गैस बनाने वाली कंपनियों में इन्वेस्ट कर रहा हूं, क्योंकि एआई को तेजी से बढ़ने के लिए बहुत ज्यादा एनर्जी की जरूरत होती है. उन्होंने कहा कि आप भी प्राइवेट इक्विटी के जरिए तेल और गैस कंपनियों में इन्वेस्ट कर सकते हैं या फिर आप अपने फाइनेंशियल प्लानर, स्टॉक ब्रोकर और एनर्जी कंपनियों के स्पेशल स्टॉक, ईटीएफ या म्यूचुअल फंड के जरिए भी इन्वेस्ट कर सकते हैं.

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारभ समय	
सूर्य -	वृश्चिक में	वृश्चिक...	05-25 बजे
चंद्र -	मीन में	धनु......	06-39 बजे
मंगल-	वृश्चिक में	मकर...	09-46 बजे
बुध -	तुला में	कुंभ....	11-45 बजे
गुरु	कर्क में	मीन....	13-14 बजे
शुक्र -	वृश्चिक में	मेष.....	14-50 बजे
शनि	मीन में	वृष....	16-35 बजे
राहु	कुंभ में	मिथुन..	18-34 बजे
केतु	सिंह में	कर्क...	20-50 बजे
		सिंह---	23-00 बजे
		कन्या--	01-06 बजे
		तुला----	03-20 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947, सूर्य** दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-32**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-36**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सोमवार **01 Dec**
तिथि - एकादशी **19-01** तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - रेवती **23-18** तक उप अश्विनी
योग - व्यतिपात **00-58** तक उप वरियान
करण - वणिज **08-20** तक उप विष्टी (भद्रा)

मोक्षदा एकादशी व्रत सर्वे
श्री गीता ज.मौन ग्यारस व्रत

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 07-55 09-18

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
अमृत **06-32 - 07-55** शुभ	चंचल **17-36 - 19-16** शुभ
काल **07-55 - 09-18** अशुभ	रोग **19-16 - 20-52** अशुभ
शुभ **09-18 - 10-42** शुभ	काल **20-52 - 22-29** अशुभ
रोग **10-42 - 12-05** अशुभ	लाभ **22-29 - 00-06** शुभ
उत्पात**12-05 - 13-29** अशुभ	उत्पात**00-06 - 01-42** अशुभ
चंचल **13-29 - 14-52** शुभ	शुभ **01-42 - 03-19** शुभ
लाभ **14-52 - 16-16** शुभ	अमृत **03-19 - 04-55** शुभ
अमृत **16-16 - 17-36** शुभ	चंचल **04-55 - 06-25** शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते । आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नही होगा । आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा । दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं । आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं । आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज सावधान रहें । आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी । इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी । लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है । इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें । यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है ।आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे । यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं । इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आपके लिए बहुत सारा काम है ,व्यस्त रहेंगे । जल्दी के चक्कर में अपने किसी शुभचिन्तक को नाराज ना करें । नम्र बने रहें । आपकी सकारात्मकता के कारण नए अवसर मिलेंगे । धीरज रखें ,परिवर्तन ही शाश्वत नियम हैविसिलिये बदलाव तो आपके जीवन में भी होना ही है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भारत की तरक्की के सामने खड़ा हुआ सबसे बड़ा 'दुश्मन', कई इंडस्ट्री पर मंडराया खतरा

नई दिल्ली,30 नवंबर (एजेंसियां)। एक तरह जहां ट्रंप के टैरिफ ने भारत के निर्यात पर असर डाला तो वहीं अब एक और मुसीबत सामने खड़ी हो गई है। इसके कारण देश की कई इंडस्ट्री पर खतरा मंडराने लगा है। इसे लेकर बड़ी कंसल्टिंग फर्म बीसीजी की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के निर्यात से जुड़े वो उद्योग जो अंतरराष्ट्रीय नियमों के दायरे में आते हैं, वे जलवायु परिवर्तन के कारण बहुत बड़े खतरे में हैं। इनमें एल्युमीनियम, लोहा और स्टील से जुड़ी इंडस्ट्री प्रमुख हैं। अगर इस खतरे पर ध्यान नहीं दिया गया तो इन उद्योगों के मुनाफे, कामकाज और लंबे समय तक चलने की क्षमता पर बुरा असर पड़ सकता है।

चुकानी पड़ सकती है भारी कीमत

बीसीजी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीनियर पार्टनर (एशिया पैसिफिक लीडर- क्लाइमेट एंड सस्टेनेबिलिटी) सुमित गुप्ता ने पीटीआई को बताया कि 'क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026' के अनुसार भारत उन टॉप 10 देशों में से एक है जहां मौसम की चरम घटनाओं का सबसे ज्यादा असर पड़ता है। सीओपी30 में जारी हुई इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के लिए जलवायु परिवर्तन पर ध्यान न देने की कीमत बहुत भारी हो सकती है। आरबीआई और डब्ल्यूईएफ 2024 के आंकड़ों का हवाला देते हुए गुप्ता ने कहा कि साल 2030 तक भारत की जीडीपी का 4.5% हिस्सा जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चरम घटनाओं के कारण खतरे में है। और सदी के अंत तक जलवायु से जुड़ी समस्याओं की वजह से भारत को अपनी राष्ट्रीय आय का 6.4% से लेकर 10% से भी ज्यादा का नुकसान हो सकता है।

खतरों का असर कंपनियों पर

सुमित गुप्ता ने कहा कि इन खतरों का सीधा असर कंपनियों पर पड़ता है। जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चरम घटनाओं के कारण, भौतिक इंफ्रास्ट्रक्चर (जैसे सड़कें, पुल) तबाह हो जाते हैं, मजदूरों के काम के घंटे कम हो जाते हैं और काम करने की क्षमता पर असर पड़ता है। साथ ही जिन इलाकों में जलवायु का खतरा ज्यादा है, वहां प्रोजेक्ट्स में अनिश्चित देरी हो सकती है और निवेश की क्षमता भी घट सकती है।बीसीजी के अनुमानों के मुताबिक, सिर्फ सीधे जलवायु खतरों की वजह से साल 2050 तक वैश्विक कंपनियों के ईबीआईटीडीए(ब्याज, टैक्स, डेप्रिसिएशन और एमोर्टाइजेशन से पहले की कमाई) का 5% से 25% हिस्सा खतरे में पड़ सकता है। हालांकि भारत की कंपनियां अब जलवायु चुनौती की गंभीरता को समझने लगी हैं। यह चुनौती न केवल मुनाफे को, बल्कि व्यवसाय की लंबी अवधि की स्थिरता को भी खतरे में डालती है।

एक झटका और विमान नीचे... एक सॉफ्टवेयर ने कैसे बढ़ाई एयरलाइंस की मुसीबत, अब कितनी सुधरी स्थिति?

नई दिल्ली,30 नवंबर (एजेंसियां)। एयरबस ए320-फैमिली के विमान इस्तेमाल करने वाली दुनियाभर की एयरलाइंस इस समय एक सॉफ्टवेयर में खराबी से जूझ रही हैं। भारत में भी इंडिगो समेत कई एयरलाइंस इस विमान का इस्तेमाल करती हैं। सॉफ्टवेयर में आई खराबी ने दुनियाभर में हड़कंप मचा दिया है। इसमें खराबी की वजह से हवा में उड़ते विमान ये पायलट का कंट्रोल छूट जाता है और विमान नीचे गिरने लगता है। हालांकि अब इस समस्या को तेजी से सुलझाया जा रहा है। देश भर की एयरलाइंस 350 से ज्यादा एयरबस ए320-फैमिली के विमानों में सॉफ्टवेयर अपग्रेड का काम तेजी से कर रही हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि एक खास ग्लोबल सेफ्टी डायरेक्टिव ने चेतावनी दी है कि तेज सौर विकिरण फ्लाइट-कंट्रोल डेटा को खराब कर सकता है। इससे विमान अचानक, बिना पायलट के कंट्रोल के हिल सकते हैं। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने शनिवार को तुरंत इस पर अमल करने का आदेश दिया।

कई यात्रियों को आई थी चोट

डीजीसीए का यह आदेश एयरबस द्वारा ईएलएसी बी फ्लाइट-कंट्रोल कंप्यूटर में पाई गई एक खराबी के बाद आया है। इस कंप्यूटर में सॉफ्टवेयर वर्जन एल104 चल रहा था। यही सॉफ्टवेयर वर्जन 30 अक्टूबर को जेटब्लू ए320 में हुई एक घटना से जुड़ा था। उस घटना में, विमान अचानक पायलट के इनपुट के बिना नीचे की ओर झुक गया था, जिससे कई यात्री घायल हो गए थे और अमेरिका में इसकी जांच शुरू हुई थी।

कितने विमानों में अपग्रेड हुआ सॉफ्टवेयर?

इंडिगो के पास ऐसे 200 विमान हैं और उन्होंने सभी को पूरी तरह से अपडेट कर दिया है। एयरलाइन ने कहा कि यह काम बहुत सोच-समझकर किया गया। उनकी इंजीनियरिंग और ऑपरेशन टीमों ने यह सुनिश्चित किया कि हर विमान में जरूरी सॉफ्टवेयर अपडेट हो जाए और साथ ही नेटवर्क पर उड़ानों का संचालन भी सामान्य बना रहे। इंडिगो ने बताया कि उनकी टीम की मेहनत से यह बड़ा अपडेट बिना किसी परेशानी के पूरा हो गया। इससे ग्राहकों की यात्रा पर बहुत कम असर पड़ा और एक भी उड़ान रद्द नहीं हुई। इस तकनीकी काम के पूरा होने के बाद, अब हर विमान सबसे नए और स्वीकृत कॉन्फिगरेशन के साथ उड़ रहा है। एयरलाइन ने यह भी कहा कि वे अपनी नियमित सुरक्षा प्रक्रियाओं के तहत विमानों के प्रदर्शन पर लगातार नजर रख रहे हैं। एयर इंडिया ने भी बताया है कि उन्होंने ईएएसए और एयरबस की सॉफ्टवेयर रीअलाइनमेंट की जरूरत को पूरा करते हुए अपने 90% से ज्यादा ए320-फैमिली के विमानों में यह बदलाव कर लिया है। एयर इंडिया ने कहा कि वे जल्द ही ईएएसए द्वारा तय की गई समय-सीमा के अंदर अपने पूरे बेड़े को अपडेट कर लेंगे।

कमाल की है पीपीएफ स्कीम

हर महीने 7000 रुपये के निवेश से ऐसे बन जाएगा 57 .72 लाख का फंड

नई दिल्ली,30 नवंबर (एजेंसियां)। निवेश के सेक्टर में कई तरह के ऑप्शन मौजूद हैं, लेकिन उनमें से पीपीएफ स्कीम एक बेहद सुरक्षित तरीका मानी जाती है। क्योंकि यह सरकार की स्कीम है और मार्केट की हलचल का इस पर कोई सीधा असर नहीं पड़ता। इसलिए इसमें पैसा लगाने वालों के पैसे फिक्स रिटर्न के साथ बढ़ते रहते हैं। अगर आप हर महीने 7,000 रुपये जमा करते हैं, तो मैच्योरिटी पर करीब 57.72 लाख रुपये का बड़ा फंड तैयार हो सकता है। आइए इसके ब्याज और कैलकुलेशन को आसान भाषा में समझते हैं।

पीपीएफ स्कीम क्या है?

पीपीएफ एक सरकारी और सुरक्षित लंबी अवधि की बचत योजना है, जो अच्छा ब्याज और टैक्स में राहत देती है। इसमें दिया गया पैसा पूरा सुरक्षित होता है और इस पर मिलने वाला रिटर्न भी तय रहता है। पीपीएफ की लॉक-इन अवधि 15 साल की होती है और यह रिटायरमेंट, बच्चों की पढ़ाई या शादी जैसे लंबी अवधि के गोल्स के लिए एक बेहतर विकल्प है। यह भारत सरकार की गारंटी वाली स्कीम है, जिसमें ब्याज दर समय-समय पर बदली जाती है। फिलहाल पीपीएफ पर 7.1% सालाना ब्याज मिल रहा है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है और टैक्स बेनिफिट भी मिलता है।

कैसे बनेगा बड़ा फंड?

अगर कोई व्यक्ति हर महीने 7,000 रुपये यानी साल में 84,000 रुपये पीपीएफ में जमा करता है, तो 15 साल में यह रकम बढ़कर लगभग 20 लाख रुपये हो जाती है। लेकिन अगर निवेशक इस स्कीम को 25 साल तक चलाता है, तो कंपाउंडिंग का कमाल दिखता है और यही पैसा बढ़कर करीब 57.72 लाख रुपये तक पहुंच जाता है। यह स्कीम उन लोगों के लिए खास है जो अपने भविष्य को सुरक्षित रखना चाहते हैं। नौकरी करने वाले लोग, छोटे व्यापारी या वे लोग जो रिस्क नहीं लेना चाहते उनके लिए पीपीएफ एक भरोसेमंद विकल्प है। हर महीने थोड़ी रकम डालकर वे अपने बच्चों की पढ़ाई, शादी या रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। पीपीएफ का एक और फायदा यह है कि इसमें निवेश पर सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती है।

'ड्रैगन' का दिमाग हुआ फ्यूज, 8 महीने से इस मोर्चे पर नहीं मिली कोई गुड न्यूज

नई दिल्ली,30 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी चीन बीते कुछ सालों से कई तरह के आर्थिक संकटों के दौर से गुजरा रहा है। रियल एस्टेट सेक्टर से लेकर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर तक के आंकड़े वैसे नहीं आ रहे हैं, जिस तरह के उन्हें जरुरत है। खास बात तो ये है कि फैक्ट्री एक्टीविटी के नवंबर महीने के आंकड़े वैसे देखने को नहीं मिले है, जिस तरह की उम्मीद की जा रही है। खास बात तो ये है कि इस मोर्चे पर 8 महीनों से चीन को गुड न्यूज का इंतजार कर रहा है। लेकिन कोई सफलता हासिल नहीं हुई है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर चीन के फैक्ट्री एक्टीविटी के आंकड़े किस तरह की कहानी को बयां कर रहे हैं।

8 महीने से लगातार कम पीएमआई

चीन की फैक्ट्री एक्टीविटी में नवंबर में लगातार आठवें महीने गिरावट आई है। एक आधिकारिक सर्वे में यह जानकारी दी गई है। हालांकि, अमेरिका-चीन के बीच व्यापार के मोर्चे पर समझौता हो गया है, लेकिन इसके बावजूद चीन की चुनौतियां बनी हुई हैं। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने कहा कि आधिकारिक मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई नवंबर में थोड़ा बढ़कर 49.2 हो गया, जो अक्टूबर में 49 था। पीएमआई के 50 से नीचे होने का आशय गतिविधियों में संकुचन से है। पीएमआई गतिविधियों में यह गिरावट विश्लेषकों के अनुमान के मुताबिक है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी शुल्क में कटौती के बाद अमेरिकी बाजार में चीन का निर्यात प्रतिस्पर्धा हासिल कर सकता है। लेकिन यह कहना जल्दबाजी होगी कि व्यापार समझौते के बाद निर्यात ने फिर से रफ्तार पकड़ी है या नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका 30 अक्टूबर से चीनी उत्पादों पर शुल्क में कटौती करेगा। इससे चीन के निर्यात और विनिर्माण को लेकर कुछ उम्मीद बंधी है।चीन के रियल एस्टेट मार्केट में लंबे समय से जारी मंदी और घरों की गिरती कीमतों से उपभोक्ताओं का विश्वास अभी भी कमजोर हो रहा है, और रियल एस्टेट निवेश में भी गिरावट आई है। घरेलू स्तर पर ऑटो इंडस्ट्री सहित कई सेक्टर्स में इंटेंस प्राइस कंप्टीशन ने भी कई बिजनेस पर दबाव डाला है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए और अधिक सरकारी नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है। लेकिन आईएनजी बैंक में ग्रेटर चाइना के मुख्य अर्थशास्त्री लिन सोंग ने इस महीने की शुरुआत में एक नोट में लिखा था कि पॉलिसी मेकर्स आगे नीतिगत समर्थन देने में देरी करते दिख रहे हैं। हालांकि चीनी अधिकारियों ने पहले घरेलू उपकरणों और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ट्रेड-इन सब्सिडी जैसे उपाय शुरू किए थे, लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि इनमें से कुछ सब्सिडी धीरे-धीरे समाप्त होने वाली हैं, और बिक्री और मांग में गिरावट आने की संभावना है। कैपिटल इकोनॉमिक्स के चीन अर्थशास्त्री ज़िचुन हुआंग ने पिछले हफ़्ते कहा कि उपभोक्ता वस्तुओं की ट्रेड इंटरी पॉलिसीज से मिलने वाला धीमा प्रोत्साहन मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की घरेलू मांग पर भारी पड़ सकता है और घरेलू डिमांड के संकेत मिले-जुले रहे हैं।

आईआईएम रायपुर में डीजीपी-आईजी सम्मेलन

पीएम मोदी की मौजूदगी में सुरक्षा पर गहन मंथन

रायपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। नवा रायपुर स्थित आईआईएम रायपुर परिसर में चल रहा 60वां अखिल भारतीय डीजीपी-आईजी सम्मेलन आज अपने अंतिम चरण में पहुंच गया। तीसरे दिन का कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति के साथ शुरू हुआ। सुबह उन्होंने 6 बजे योग का अभ्यास किया, जिसके बाद 8:30 बजे सभी अधिकारियों के साथ सामूहिक फोटो लिया गया। लगभग 9 बजे ब्रेकफास्ट के दौरान पीएम ने वरिष्ठ अधिकारियों से अनौपचारिक बातचीत की।

करीब 10 बजे से औपचारिक बैठकें प्रारंभ हुईं। पहले सत्र में पुलिस व्यवस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग और इसके भविष्य पर चर्चा हुई। इसके बाद दूसरे सत्र में वैश्विक परिदृश्य में उभरते जियो-पॉलिटिकल चुनौतियों पर गहन विमर्श किया गया। दोपहर में टी ब्रेक के तुरंत बाद R&AW द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा, बाहरी खतरों और बदलते सुरक्षा ढांचे पर विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया गया।

दोपहर बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डेलीगेट्स, अवार्ड प्राप्त अधिकारियों और विशेष आमंत्रितों से मुलाकात की। इस दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारियों को राष्ट्रपति पदक सम्मानित किया गया। लगभग 3 बजे शहरी पुलिसिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन शहरों को पुरस्कार दिया गया, जिसके बाद प्रधानमंत्री ने सम्मेलन को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री के भाषण व फोटो सेशन के उपरांत वे करीब 4 बजे आईआईएम रायपुर से प्रस्थान करेंगे। अगले सत्र में पुलिस स्पोर्ट्स और उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी। लगभग 5:10 बजे तीन दिवसीय सम्मेलन का औपचारिक समापन होगा।

यह सम्मेलन देश के शीर्ष पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और परिचालन चुनौतियों पर खुलकर संवाद करने का मंच देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 से इस आयोजन को नए आयाम दिए हैं, जिसके कारण इसे देश के अलग-अलग स्थलों पर अधिक व्यापक और सहभागी रूप में आयोजित किया जा रहा है। गुवाहाटी, कच्छ, हैदराबाद, टेकनपुर, केवड़िया, पुणे, लखनऊ, नई दिल्ली, जयपुर और भुवनेश्वर जैसे शहर इस आयोजन की मेजबानी कर चुके हैं।

'लाल आतंक' को फिर बड़ी चोट

छत्तीसगढ़ में 37 नक्सलियों ने किया सरेंडर

माओवादियों पर था 65 लाख रुपये का इनाम

जगदलपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 37 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। मिनपा जैसी घटना में शामिल नक्सली ने अपने 36 साथियों के साथ आत्मसमर्पण किया है। इस समर्पण के साथ ही एक और टीम बिखरती हुई नजर आ रही है, इन सभी नक्सलियों के ऊपर 65 लाख का इनाम घोषित था। दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि पूना मारगेम जिसका अर्थ पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल पर भरोसा जताते हुए नक्सली हिंसा का मार्ग छोड़कर शांति और प्रगति के मार्ग को अपना रहे हैं और समाज की मुख्यधारा में शामिल हो रहे है।

समर्पण करने वाले नक्सलियों में कुछ वर्ष पहले मिनपा में पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर 26 जवानों के बलिदान होने और 20 जवानों को घायल कर हथियार एवं एम्युनिशन लूटने की घटना में शामिल माओवादी ने भी सरेंडर किया है।

20 महीने में 508 नक्सलियों ने किया सरेंडर

भारत सरकार और छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रेरित होकर, पिछले 20 महीनों में दंतेवाड़ा जिला में 165 ईनामी नक्सली सहित कुल 508 से अधिक नक्सलियों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर सामाजिक मुख्यधारा को अपनाया है। नक्सलियों के नेतृत्व से लेकर आधार क्षेत्र के सक्रिय कैडर तक बड़ी संख्या में नक्सली संगठन से अलग हो चुके हैं। लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 333 इनामी नक्सली सहित कुल 1160 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। जिसमें जिला दन्तेवाड़ा के साथ-साथ सीमावर्ती जिलों बस्तर, बीजापुर एवं नारायणपुर के 916 पुरूष नक्सली तथा 244 महिला नक्सली शामिल हैं।

नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से मांगा क्षमादान

येरुशलम, 30 नवंबर (एजेंसियां)। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने चल रहे भ्रष्टाचार मुकदमे के बीच देश के राष्ट्रपति से आधिकारिक रूप से माफी मांगी है। यह कदम इस्राइल की राजनीति में बड़ा और असाधारण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से रविवार को जारी बयान में कहा गया कि नेतन्याहू ने राष्ट्रपति कार्यालय के कानूनी विभाग को अपना माफी का आवेदन भेज दिया है। वहीं राष्ट्रपति कार्यालय ने इस आवेदन को 'असाधारण और दूरगामी असर वाला कदम' बताया है। बेंजमिन नेतन्याहू इस्राइल के इतिहास में पहले ऐसे मौजूदा प्रधानमंत्री हैं जिन पर भ्रष्टाचार का मुकदमा चल रहा है। उनके खिलाफ तीन बड़े मामलों में आरोप दर्ज हैं। इसमें धोखाधड़ी, भरोसे का उल्लंघन, रिश्वत लेना शामिल हैं। इन मामलों में आरोप है कि नेतन्याहू ने अमीर व्यापारियों और राजनीतिक समर्थकों से उपहार और फायदे लिए और बदले में उन्हें लाभ पहुंचाया। हालांकि, अब तक किसी भी मामले में उनकी दोष सिद्धि नहीं हुई है। वह लगातार सभी आरोपों को राजनीतिक साजिश बताते रहे हैं। बेंजमिन नेतन्याहू का यह कदम ऐसे समय आया है जब देश में उनके खिलाफ चल रही सुनवाई समाज को राजनीतिक रूप से दो हिस्सों में बांट चुकी है। इसके अलावा, कुछ हफ्ते पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस्राइल सरकार को नेतन्याहू को माफी देने की सलाह दी थी।

प्रेमिका ने प्रेमी की लाश से की शादी

पिता-भाईयों ने कर दी थी हत्या, शादी की रस्में पूरी कर कहा- हमारा प्यार जीत गया

नांदेड़ (महाराष्ट्र), 30 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नांदेड़ में प्रेम संबंध के चलते एक युवक की लड़की के घरवालों ने बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद लड़की युवक के घर गई और प्रेमी के मृत शरीर से शादी कर ली। प्रेमी के हाथों से ही माथे पर सिंदूर लगाया और उसके घर में बहू बनकर रहने की कसम खाई। यह घटना नांदेड के इटवारा इलाके की है।

प्रेमी के हत्यारों अपने पिता और भाईयों के लिए मौत की सजा मांगते हुए प्रेमिका ने कहा- उसकी मौत में भी हमारा प्यार जीत गया और मेरे पिता और भाई हार गए। प्रेमिका ने आगे कहा कि उसने उससे शादी इसलिए की, क्योंकि भले ही टेट मर चुका है, लेकिन उनका प्यार अभी भी जिंदा है।

नांदेड़ शहर के जूना गंज इलाके में रहने वाले सक्षम ताते (22) और 20 वर्षीय आंचल मामडिवार के बीच तीन सालों से प्रेम संबंध थे। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन सक्षम की दूसरी जाति के होने के चलते आंचल के घरवालों को रिश्ता पसंद नहीं था। पिछले काफी समय से परिवार के लोग आंचल पर सक्षम से अलग होने का दबाव बना रहे थे।

वहीं, आंचल और सक्षम कोर्ट मैरिज करने की योजना बना रहे थे। जब यह बात आंचल के पिता और भाईयों को मालूम हुई तो उन्होंने बहाने से सक्षम को बुलाया और फिर उसे जमकर पीटा। पिटाई के दौरान उसके सीने में गोली मार दी। इतना ही नहीं, आरोपियों ने पत्थरों से उसका सिर भी कुचल दिया।

पोस्टमार्टम के बाद सक्षम का शव घर पहुंचते आंचल उसके घर पहुंच गई। सक्षम के शव के पास बैठकर रोती रही और उसने वहीं पर सक्षम के मृतदेह के साथ विवाह की रस्में निभाईं। आंचल ने अपने ही हाथों से सक्षम को हल्दी भी लगाई। सक्षम के हाथों से अपनी मांग भरकर फूट-फूटकर रोने लगी।

आंचल ने कहा- मेरे पिता और भाइयों ने हमें अलग करना चाहा। उन्होंने उसे मार दिया, लेकिन वे हार गए और मेरा प्रेमी मरकर भी जीत गया। आंचल ने साफ कहा है कि वह अपने पिता और भाइयों को कठोर सजा दिलवाना चाहती है।

पुलिस ने इस मामले में सभी पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें मुख्य आरोपी गजानन बालाजीराव मामिलवाड़, साहिल ठाकुर, जयश्री मदनसिंह ठाकुर, सोमश लाखे और वेदांत शामिल हैं।

तीन सगे भाइयों की कुल्हाडी से काटकर मर्डर

टीकमगढ़ , 30 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले में जमीनी विवाद के कारण खूनी संघर्ष हो गया। जिले के सिमरा गांव में जमीनी विवाद के चलते खूनी संघर्ष तीन भाइयों की हत्या कर दी गई है। जबकि तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती किया गया है। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस हत्याकांड के बाद पूरे गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

दरअसल, सिमरा गांव में रविवार की दोपहर में जमीनी विवाद को लेकर खूनी संघर्ष हो गया।

जिसमें तीन सगे भाई चतुर्भुज लोधी ,बलराम लोधी ,और परमलाल लोधी की कुल्हाड़ी डंडों से हत्या कर दी गई है। जबकि मृतक के परिवार की मुन्नी देवी, रेखा लोधी और 8 साल की बेटी स्नेहा गंभीर रुप से घायल हैं। घायलों को इलाज के लिए टीकमगढ़ जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया है।

पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि चतुर्भुज लोघी और उसके भाईयों की जमीन का विवाद गांव के ही रहने वाले पहलवान लोधी से चल रहा था। रविवार को पहलवान लोधी जबरन मृतक के परिवार की जमीन की जुताई करने के लिए 10 से 15 लोगों के साथ खेत में पहुंचकर जुताई करने लगा। चतुर्भुज लोधी, बलराम लोधी और परमलाल लोधी ने जब इसका विरोध किया तो दोनों पक्षों के बीच बहस होने लगी।

पहलवान लोधी ने दावा किया कि यह जमीन उसकी है इस कारण से जुताई करवा रहा है। जबकि चतुर्भुज लोधी के परिवार ने कहा कि वह वर्षों से इस जमीन पर खेती कर रहे हैं और यह उनकी जमीन है। इसके बाद पहलवान लोधी और उसके साथ आए लोगों ने तीनों भाइयों पर अचानक कुल्हाड़ी और डंडों से हमला कर दिया गया। जिससे तीनों भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची है और मामले की कार्यवाही कर रही है। टीकमगढ़ जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाहा ने जानकारी देते हुए बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची है। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि इस घटना के मुख्य आरोपी पहलवान सहित सात लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

चुटूपालू घाटी में सड़क हादसा

रांची, 30 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के रामगढ़ जिले में रांची–पटना हाईवे के चुटूपालू घाटी में एक दिल दहला देने वाली दुर्घटना हुई। आयरन ओर से भरा एक ट्रेलर रांची की ओर से रामगढ़ की तरफ जा रहा था। जैसे ही वाहन घाटी क्षेत्र में पहुँचा, ट्रेलर अचानक अनियंत्रित हो गया और आगे चल रहे कई छोटे वाहनों, ऑटो और बाइक को जोरदार टक्कर मारते हुए अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भीषण था कि क्षण भर में पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

ट्रेलर के पलटते ही उसमें आग लग गई और देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुँची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ट्रेलर का अगला हिस्सा पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। दुर्घटना के कारण हाईवे पर लंबा जाम लग गया, जिसे हटाने में पुलिस और स्थानीय लोगों ने काफी मेहनत की।

इस हादसे में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत रामगढ़ सदर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसका इलाज जारी है। हादसे के बाद ट्रेलर का ड्राइवर मौके से लापता है। पुलिस यह जांच कर रही है कि वह घायल होकर कहीं गिर गया या फिर घटना के डर से भाग निकला। उसकी तलाश में पुलिस टीम जुट गई है।

तमिलनाडु के तिरुपत्तूर के पास 2 बसों की आमने-सामने से टक्कर, 7 लोगों की मौत

चेन्नई, 30 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के सिवगंगा जिले के तिरुपत्तूर में दो बसों के रविवार दोपहर आमने-सामने से टक्कर हो गई। हादसे में 7 लोगों की मौत हुई है। सिवगंगा एसपी शिवा प्रसाद के मुताबिक कई यात्री घायल हुए हैं। सभी को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। हादसे के कारणों की जांच जारी है।

पाकिस्तानी गैंगस्टर के लिए काम करने वाले आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली , 30 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में एक पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इसका खुलासा किया है। भट्टी एक गैंगस्टर है जो पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के इशारे पर काम कर रहा है। शहजाद भट्टी के इशारे पर भारत में काम करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से एक पंजाब का हरगुनप्रीत सिंह है। दूसरा आरोपी मध्य प्रदेश के दतिया का विकास प्रजापति और तीसरा उत्तर प्रदेश के बिजनौर का आरिफ है।

इन्होंने हाल ही में 25 नवंबर को गुरदासपुर सिटी पुलिस स्टेशन के सामने एक हैंड ग्रेनेड फेंका था। इसी ने इस हमले को अंजाम दिया था और यही लड़के इस घटना में शामिल थे और इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। स्पेशल सेल के एडिशनल सीपी प्रमोद कुमार कुशवाहा ने इसकी जानकारी दी है।

इसके अलावा, इनके निशाने पर और भी कई जगहें थीं जहां इस ग्रुप ने वीडियोग्राफी और रेकी की थी और इन्हें हैंड ग्रेनेड फेंकने थे...शहजाद भट्टी बाहर से निर्देश देता था और इस ग्रुप को सीधे तौर पर और अपने साथियों के साथ मिलकर चला रहा था।

वह सोशल मीडिया ऐप्स या अपने अन्य संपर्कों के ज़रिए भर्ती किए गए युवाओं का इस्तेमाल करके आतंकी गतिविधियां चला रहा था...इस ग्रुप के एक-दो और लिंक हैं जिन्हें पंजाब पुलिस के साथ साझा किया जाएगा। पुलिस द्वारा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और उन लोगों को गिरफ्तार भी किया जाएगा।

स्पेशल सेल के एडिशनल सीपी प्रमोद कुमार कुशवाहा ने बताया हमने विकास प्रजापति के पास से एक पिस्तौल और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

केरल सरकार ने डिप्टी एसपी को सस्पेंड किया

हिरासत में ली गई महिला के यौन शोषण का आरोप

कोच्चि, 30 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के कोझीकोड जिले के वताकारा के डिप्टी एसपी ए. उमेश को विभागीय जांच के बाद सस्पेंड किया गया है। उन पर हिरासत में ली गई महिला से छेड़छाड़ और वेश्यावृत्ति रैकेट से जुड़े लोगों से रिश्वत लेने का आरोप है। जांच में पाया गया कि पलक्काड के वडक्केंचेरी थाने में इंस्पेक्टर रहते हुए उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग कर महिला का यौन शोषण किया था। मामला तब सामने आया जब 15 नवंबर को मृत मिले एसएचओ बिनू थॉमस के सुसाइड नोट में उमेश का जिक्र पर और उन पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। केरल सरकार ने उमेश को गंभीर खराब आचरण का दोषी मानेते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। उनके खिलाफ जांच जारी रखने के आदेश भी दिए गए हैं।

झारखंड के नक्सलियों की मदद से छह राज्यों में संगठन को खड़ा करने में लगा था विशाल सिंह

रांची, 30 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच में एक अहम खुलासा हुआ है. एनआईए ने माओवादी के नॉर्दर्न रीजनल ब्यूरो में संगठन को फिर से सक्रिय करने की कोशिशों से जुड़े एक मामले में एक और आरोपी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है.

गिरफ्तार आरोपी की पहचान विशाल सिंह उर्फ सूरज बताया गया है, जो मथुरा (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला है. एनआईए की जांच में पता चला है कि पूरा मामला उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में माओवादी नेताओं, कैडर्स, समर्थकों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स द्वारा संगठन को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा था. इस पूरे षड्यंत्र को झारखंड के नक्सलियों की मदद से अंजाम दिया जा रहा था.

माओवादी सदस्यों को ड्रोन प्रशिक्षण

एनआईए की जांच में खुलासा हुआ है कि माओवादी सदस्य विशाल सिंह उर्फ सूरज ने संगठन के कैडर को ड्रोन को संभालने और चलाने का प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से छकरबंधा और पचरुखिया जंगल इलाके में 10 दिन बिताए थे. जांच से यह भी पता चला है कि विशाल सिंह ने माओवादी के दो सीनियर लीडरों के साथ कैडर मीटिंग भी की थी, जो संगठन की खतरनाक साजिशों को आगे बढ़ाने का हिस्सा थी.

नासिक में बन रहा साधु ग्राम, 1670 पेड़ काटे जाएंगे

नासिक, 30 नवंबर (एजेंसियां)। एमएनएस चीफ राज ठाकरे ने शनिवार को नासिक में कुंभ मेले से पहले 'साधु ग्राम' बनाने के लिए पेड़ों को काटने का विरोध किया और कहा कि बीजेपी की सरकार को इस मामले को बढ़ने नहीं देना चाहिए।

राज ठाकरे ने सरकार पर मौकापरस्ती करने का आरोप लगाया। एमएनएस चीफ ने कहा कि सरकार कुंभ मेले के बहाने पेड़ों को काटने और फिर जमीन अपने पसंदीदा उद्योगपतियों को दान करने की योजना बना रही है।

साधु ग्राम की प्लानिंग 31 अक्टूबर, 2026 से शुरू होने वाले कुंभ मेले से पहले तपोवन इलाके के 1,200 एकड़ में की जा रही है। इस महीने की शुरुआत में 1,670 पेड़ हटाने के लिए मार्क किए गए थे, जिनमें से कुछ 100 साल से भी ज्यादा पुराने बताए जा रहे हैं।

धनबाद में पेपर लीक रैकेट का भंडाफोड़

पश्चिम बंगाल पुलिस भर्ती परीक्षा से पहले 22 लोग हिरासत में, 272 एडमिट कार्ड जब्त

धनबाद, 30 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड पुलिस ने एंटी क्राइम चेकिंग अभियान के दौरान धनबाद पुलिस ने पश्चिम बंगाल आरक्षी (पुलिस) भर्ती परीक्षा में धांधली की कोशिश कर रहे एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में 22 लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिसमें परीक्षार्थी, गिरोह के सदस्य, स्थानीय लोग और होटल संचालक शामिल है। इस कार्रवाई की सबसे खास बात ये रही कि पश्चिम बंगाल आरक्षी (पुलिस) भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले सभी परीक्षार्थी और गिरोह का संचालनकर्ता पश्चिम बंगाल के ही रहने वाले हैं।

30 नवंबर को होने वाली थी परीक्षा

तिसरा थाना के पास एक संदिग्ध स्कॉर्पियो की जांच और पूछताछ के बाद, पुलिस को पश्चिम बंगाल आरक्षी (पुलिस) परीक्षा के फर्जीवाड़े से जुड़े एक बड़े गिरोह का पता चला। यह परीक्षा 30 नवंबर 2025 को आयोजित होने वाली थी।

लॉज में चल रहा था 'प्रश्न पत्र पढ़वाने' का काम

इस खुफिया जानकारी के आधार पर, पुलिस ने झरिया थाना क्षेत्र स्थित बंधन लॉज में छापेमारी की। इस दौरान, प्रश्न पत्र पढ़वाने के कार्य में संलिप्त कुल 22 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।

गिरोह के पास से भारी मात्रा में सामग्री बरामद की गई है, जिसमें 272 पीस एडमिट कार्ड, 70 पीस मोबाइल फोन, अन्य पहचान पत्र, एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक, नोटबुक, ब्लूटूथ डिवाइस, लगभग 40 कलाई घड़ियां, मोबाइल चार्जर, पेन का एक कार्टून, 10 पीस सोने की चेन, स्टेशनरी, और अन्य कागजात बरामद किए गए।

विवादों में 125 साल पुराने गोलबाजार का मालिकाना हक

भंवर में 960 दुकानदारों का भविष्य

रायपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। 125 साल पुराने गोलबाजार में किराएदारों को मालिकाना हक देने की योजना अब विवादों और प्रशासनिक उलझनों में फंसकर लगभग ठप हो गई है। वर्ष 2020 में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट में 960 दुकानदारों को स्थायी समाधान देने का लक्ष्य था। लेकिन गाइडलाइन दरों में अंतर, विकास शुल्क की ऊंची मांग, दुकानों की चौहद्दी निर्धारण में लगातार आ रही आपत्तियां और दस्तावेजी प्रक्रिया की धीमी रफ्तार ने इसे पटरी से उतार दिया।

चार साल बीतने के बावजूद केवल 15 रजिस्ट्री

चार साल बीतने के बावजूद केवल 15 रजिस्ट्री होना इस योजना की विफलता का सबसे बड़ा संकेत है। बाजार के भीतर स्थित करीब 480 दुकानों की दरें मेन रोड के बराबर रखने पर व्यापारियों ने विरोध जताया, जिसके चलते प्रक्रिया रुक गई।

अब महापौर मीनल चौबे ने संकेत दिया है कि गोलबाजार की वास्तविक स्थिति, आपत्तियों और बाजार की जरूरतों को देखते हुए योजना को नए सिरे से पुनरीक्षित किया जाएगा, ताकि व्यवहारिक समाधान निकाला जा सके।

गाइडलाइन दरें बनीं रुकावट

मालिकाना हक योजना में सबसे महत्वपूर्ण विवाद गाइडलाइन दरों को लेकर सामने आया। मुख्य सड़क से लगी दुकानों की गाइडलाइन दर 1.50 लाख रुपये प्रति वर्गमीटर रखी गई, जबकि बाजार के भीतर स्थित दुकानों की दर 90 हजार प्रति वर्गमीटर तय की गई।

व्यापारियों का कहना है कि ग्राहकी, पहुंच, पार्किंग और व्यावसायिक उपयोगिता में बड़ा अंतर होने के बावजूद दरें लगभग समान असर पैदा करती हैं, जो अव्यावहारिक है। जिन 480 दुकानों पर यह दर लागू हुई, उनमें से अधिकांश दुकानदारों ने आपत्ति दर्ज कराई।

विकास शुल्क और दस्तावेजी प्रक्रिया से बढ़ी परेशानी

योजना में दुकानदारों को विकास शुल्क भी देना था, जो कई मामलों में लाखों रुपये तक पहुंच गया। व्यापारियों ने इसे अनुचित बताते हुए रियायत की मांग की, जबकि नगर निगम और राजस्व विभाग के बीच शुल्क निर्धारण को लेकर तालमेल न होने से प्रक्रिया अटक गई। इसके अलावा दुकानों की चौहद्दी नापजोख, पुराने दस्तावेजों की पुष्टि, संपत्ति कर रिकार्ड का मिलान और वास्तविक कब्जे की जांच जैसी प्रक्रियाओं ने दुकानदारों को महीनों तक चक्कर कटवाए। कई दुकानदारों ने इसे बिना तैयारी शुरू किया गया प्रोजेक्ट बताकर विरोध दर्ज कराया था।

श्रीलंका में भीषण चक्रवात 'दितवाह' के कारण लगा आपातकाल

इस बीच रेस्क्यू कर रही एनडीआरएफ टीम, जयशंकर ने शेयर किया वीडियो

कोलंबो, 30 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका में आए भीषण चक्रवात 'दितवाह' से मची भारी तबाही के बाद राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने पूरे देश में आपातकाल लगा दिया है। चक्रवात के कारण मरने वालों की संख्या 150 से अधिक हो गई है। देश के विभिन्न प्रांतों से भूस्खलन में लोगों के दबने और अचानक आई बाढ़ में बह जाने की दर्दनाक घटनाएं सामने आ रही हैं। इसी बीच भारत ने 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत दो सैन्य विमानों से करीब 21 टन राहत सामग्री श्रीलंका भेजी है। एनडीआरएफ टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है। विदेश मंत्री जयशंकर ने जांबांजों का एक वीडियो शेयर किया है।

एनडीआरएफ के जवान बने हनुमान

श्रीलंका के बाढ़ पीड़ितों को रेस्क्यू करने में भारत से भेजे गए 80 जवान हनुमान के रूप में आपदाग्रस्त लोगों की जान बचा रहे हैं। अब धीरे-धीरे चक्रवात के श्रीलंका से दूर जाने के साथ जलस्तर घट रहा है, लेकिन अधिकारियों ने चेतावनी दी कि इसके अप्रत्यक्ष प्रभाव अभी जारी रहेंगे। आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) की रिपोर्ट के अनुसार, खराब मौसम से मरने वालों की संख्या बढ़कर 153 हो गई है। डीएमसी ने बताया कि 191 लोग लापता हैं और कई जिलों में तलाशी और राहत अभियान जारी है। कुल 25 जिलों में 2,17,263 परिवारों के 7,74,724 लोग इस आपदा से प्रभावित हुए हैं। कई क्षेत्रों में बाढ़, भूस्खलन और भारी बारिश के कारण हालात अभी भी कठिन बने हुए हैं।

हेलीकॉप्टर और बोट से किया जा रहा रेस्क्यू

बाढ़ में फंसे लोगों को हेलीकॉप्टर और बोट के जरिये एनडीआरफ के जवान रेस्क्यू कर रहे हैं। ऐसे कई वीडियो सामने आए हैं, जिसके जरिये भारतीय जवान बाढ़ पीड़ितों की मुश्किल हालात में जान बचाते दिख रहे हैं। एनडीआरएफ जवानों की इस जांबाजी को हर कोई सलाम कर रहा है। भारत ने श्रीलंका के मुश्किल समय में बड़ा सहारा दिया है। भारत से राहत सामग्री लगाता श्रीलंका के बाढ़ पीड़ितों को पहुंचाई जा रही है। अब तक 21 टन से अधिक राहत सामग्री कोलंबो भेजी जा चुकी है।

श्रीलंका ने पूरे देश में लगाया आपातकाल

डीएमसी के अनुसार देशभर में 798 राहत शिविरों में 27,494 परिवारों के 1,00,898 लोग फिलहाल आश्रय लिए हुए हैं। रात जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, पूरे देश में आपातकाल लागू कर दिया गया है। भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया पर बताया कि चक्रवात 'दित्वा' से हुई तबाही को देखते हुए राहत प्रयासों में तेजी लाने के लिए 'ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया गया। मध्यरात्रि को हिंडन एयरबेस से एक सी-130 और एक आईएल-76 विमान भेजे गए,

जिनके माध्यम से 21 टन राहत सामग्री, 80 से अधिक एनडीआरएफ कर्मी और आठ टन उपकरण श्रीलंका भेजे गए। जरूरतमंद समुदायों के लिए आवश्यक राशन और जरूरी सामान पहुंचाया गया। वायुसेना ने कहा, "पड़ोसी प्रथम" की नीति पर चलते हुए भारत इस संकट की घड़ी में श्रीलंका के साथ मजबूती से खड़ा है।

रूस और यूक्रेन में इस समय कितना एक्यूआई है, युद्ध में प्रदूषण बढ़ा या नहीं; असलियत सुनकर दिमाग घूम जाएगा

कीव, 30 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया भर के कई देश आजकल प्रदूषण और पर्यावरणीय बदलावों के कारण चिंता में हैं। भारत की बात करें तो यहां राजधानी दिल्ली समेत कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) चिंताजनक स्थिति में है। प्रदूषण के विभिन्न कारक और स्रोत हो सकते हैं मगर क्या आप जानते हैं कई सालों से युद्ध कर रहे रूस और यूक्रेन में कितना प्रदूषण है ? वहां का एक्यूआई कितना है ? भारत जैसे देशों में अकेले औद्योगिक क्षेत्रों से ही कई प्रकार की गैसों या कार्बन का उत्सर्जन हो जाता है मगर युद्ध मैदान में उतरे रूस और यूक्रेन में क्या हाल है ? आज हम आपको इसके बारे में बताएंगे। कई रिपोर्ट्स में बताया गया है कि, रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण भारी प्रदूषण हुआ है। शुरुआती दो वर्षों में यहां लगभग 175 मिलियन टन ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होने का दावा किया जाता है। युद्ध के कारण वायु, जल और मिट्टी में भारी प्रदूषण हुआ है, जो जंगल की आग, सैन्य उपकरणों के चलने और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे से उत्पन्न हुआ है। युद्ध के पहले तीन सालों में लगभग 237 मिलियन टन कार्बन एमिशन हुआ।

शिवपाल सिंह यादव का बड़ा खुलासा: बोले- अमित शाह के कहने पर भतीजे अक्षय के सामने लड़ा था चुनाव

लखनऊ, 30 नवंबर (एजेंसियां)। फिरोजाबाद। वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव को लेकर सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री शिवपाल यादव ने बड़ा कबूलनामा किया है। उन्होंने एक पॉडकास्ट में कहा है कि वह फिरोजाबाद सीट से गृहमंत्री अमित शाह के कहने पर भतीजे के सामने चुनाव लड़े थे। यदि वे चुनाव न लड़ते तो अक्षय यादव को कोई नहीं करा पाता। वह बड़े अंतर से जीतते। 17वीं लोकसभा के चुनाव में फिरोजाबाद की सीट काफी चर्चित रही। यहां से सपा ने पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रो। रामगोपाल यादव के सांसद पुत्र अक्षय यादव को दूसरी बार मैदान में उतारा था। वहीं भाजपा ने गुमनामी में जीवन बिता रहे सिरसागंज के पुराने कार्यकर्ता डा। चंद्रसेन जादौन को प्रत्याशी बनाकर सबको चौंका दिया था। 2009 के उपचुनाव को छोड़ दिया जाए तो 1999 से काबिज रही सपा का पलड़ा भारी लग रहा था। 2019 के चुनाव में बने थे अक्षय यादव की हार का कारण, जीती थी भाजपा इसी बीच परिवार में फूट के बाद सपा से अलग होकर प्रसपा बनाने वाले पूर्व मंत्री शिवपाल यादव ने यहां से स्वयं चुनाव लड़ने की घोषणा की

कैलिफोर्निया में गोलीबारी, चार की मौत

10 घायल; बच्चे की बर्थडे पार्टी में चलीं गोलियां

वॉशिंगटन, 30 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना हुई है। पुलिस ने बताया कि कैलिफोर्निया के स्टॉकटन में हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हुई है और 10 लोग घायल हुए हैं। एक बच्चे की बर्थडे पार्टी के दौरान गोलीबारी हुई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गोलीबारी में मरने वाले लोगों में दो बच्चे भी शामिल हैं। सैन जाओकिन काउंटी शेरिफ ने सोशल मीडिया पोस्ट पर बताया कि मरने वालों में दो बच्चे और दो व्यस्क शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा लग रहा है कि इन लोगों की निशाना बनाकर हत्या की गई। गोलीबारी की घटना एक बैंक्वेट हॉल के भीतर हुई। पुलिस गोलीबारी के पीछे की वजह तलाशने में जुटी है। पुलिस के अनुसार, गोलीबारी की घटना स्टॉकटन के लुसिले एवेन्यू के 1900वें ब्लॉक में घटी। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्टॉकटन के उप-मेयर जेसन ली ने बताया कि एक बच्चे के बर्थडे के दौरान गोलीबारी की घटना हुई। उन्होंने घटना पर दुख जताया और कहा कि वह अधिकारियों के संपर्क में हैं। पुलिस ने एहतियातन घटनास्थल की ओर जाने वाली सड़कों को बंद कर दिया है।

मिसिसिपी में हुई गोलीबारी में छह की मौत हुई थी

बीते माह अमेरिका के मिसिसिपी डेल्टा क्षेत्र में भी गोलीबारी की घटना हुई थी। दो अलग-अलग जगहों पर हुई गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य लोग घायल हो गए। राज्य के सीनेटर डेरिक सिमंस ने बताया कि एक घटना में लीलैंड शहर में हाई स्कूल फुटबॉल होमकमिंग गेम के बाद गोलीबारी हुई। इसमें चार लोगों की मौत हुई और 4 अन्य घायल हो गए। वहीं दूसरी घटना हाइडलबर्ग शहर में हाई स्कूल होमकमिंग वीकेंड के दौरान स्कूल परिसर में गोलीबारी हुई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई।

सुबह-सुबह कई राउंड फायरिंग, 52 साल के शख्स की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के आया नगर इलाके में गोलीबारी की एक घटना सामने आई है। पुलिस को सूचना मिली कि फतेहपुर बेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आया नगर में गोली चलने की आवाज सुनाई दी है। मौके पर पहुंचने पर, पुलिस को एक व्यक्ति गोली लगने से घायल अवस्था में मिला। घायल व्यक्ति की पहचान रतन (पुत्र लेखी राम) के रूप में हुई है, जिनकी आयु 52 वर्ष थी और वे आया नगर के रहने वाले थे। गोली लगने की वजह से रतन की मौत हो गई। पुलिस और फोरेंसिक टीमें तत्काल हरकत में आईं और घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटनास्थल पर फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम पहुंच चुकी है और साक्ष्य जुटाने का काम जारी है। गोलीबारी के कारणों और इसमें शामिल व्यक्तियों का पता लगाने के लिए गहन जांच की जा रही है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ की जा रही है।

नेशनल गार्ड पर हमले के बाद अमेरिका का बड़ा कदम

अफगान पासपोर्ट पर यात्रा करने वालों के वीजा पर रोक

वाशिंगटन, 30 नवंबर (एजेंसियां)। वाशिंगटन में कुछ दिनों पहले नेशनल गार्ड के सदस्यों पर हुई फायरिंग के बाद ट्रंप प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। व्हाइट हाउस के पास हुई गोलीबारी की घटना के बाद अमेरिका ने तत्काल प्रभाव से अफगान पासपोर्ट धारकों को अपने देश में प्रवेश के लिए वीजा जारी करने पर पूरी तरह रोक लगा दी है और सभी नए शरण आवेदनों पर भी अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है।

बुधवार को 20 वर्षीय नेशनल गार्ड बेकस्ट्रॉम की हो गई थी मौत

व्हाइट हाउस के निकट बुधवार को हुई गोलीबारी में वेस्ट वर्जीनिया नेशनल गार्ड की 20 वर्षीय स्पेशलिस्ट सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई थी, जबकि 24 वर्षीय स्टाफ सार्जेंट एंड्रयू वोल्फ गंभीर रूप से घायल हो गए।

हमलावर की पहचान 29 वर्षीय अफगान नागरिक रहमानुल्लाह लकनवाल के रूप में हुई है। उस पर प्रथम-डिग्री हत्या सहित कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। जांच में सामने आया है कि लकनवाल ने अफगानिस्तान युद्ध के दौरान सीआईए के साथ काम किया था।

शरण पर अमेरिका ने लगाया बैन

ह्वाइट हाउस के अनुसार हमलावर ने बाइडेन प्रशासन के दौरान शरण के लिए आवेदन किया था और इसी साल ट्रंप प्रशासन ने उसकी शरण याचिका को मंजूरी दी थी। इस घटना के बाद ट्रंप प्रशासन ने वैध आव्रजन प्रक्रिया को और सख्त करने का ऐलान किया है।

कुछ चुनिंदा देशों से आने वाले नागरिकों के प्रवेश पर अतिरिक्त पाबंदियां लगाने और अमेरिका में पहले से मौजूद अफगान शरणार्थियों एवं अन्य वैध प्रवासियों की सुरक्षा समीक्षा करने की प्रक्रिया शुरू करने का ऐलान किया है। अमेरिका ने अब ऐसे नागरिकों को शरण देने पर भी बैन लगा दिया है। वाशिंगटन में हुई घटना की जांच जारी है और हमले के पीछे की मंशा का पता लगाया जा रहा है।

'इमरान खान जिंदा हैं,' पीटीआई सांसद का दावा- पूर्व पीएम की लोकप्रियता से डरी पाकिस्तान सरकार

इस्लामाबाद, 30 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की हत्या को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। इस बीच उनकी पार्टी के सांसद ने दावा किया है कि इमरान खान अभी जिंदा है। वह अभी अडियाला जेल में ही है। सरकार ने भी इमरान खान की हत्या से इनकार कर दिया है। दरअसल, क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान को लेकर इस सप्ताह की शुरुआत में दावा किया गया कि रावलपिंडी की जेल के अंदर उनकी हत्या कर दी गई है। इस बीच इमरान खान की मौत के अफवाहों का खंडन करते हुए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सीनेटर खुर्रम जीशान ने कहा कि इमरान खान जीवित हैं और फिलहाल अदियाला जेल में बंद हैं। खुर्रम जीशान ने आरोप लगाया कि इमरान खान को परेशान करके देश छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। जीशान ने कहा कि पाकिस्तान छोड़ने के लिए दबाव बनाने की रणनीति के तहत ही पूर्व प्रधानमंत्री को अलग-थलग रखा जा रहा है।

इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से जुड़े खुर्रम जीशान ने एएनाई से बातचीत करते हुए बताया कि देश में शासन इमरान खान की लोकप्रियता से भयभीत और डरा हुआ है, यही वजह है कि उन्होंने उनकी कोई भी तस्वीर या वीडियो जारी करने की अनुमति नहीं दी है। पाकिस्तान में सत्तारूढ़ सरकार खतरे में दिख रही है, उन्हें डर है कि एक भी तस्वीर जनता का समर्थन जुटा सकती है। गौरतलब है कि इस सप्ताह की शुरुआत में अफगानिस्तान के कई सोशल मीडिया हैंडलों ने दावा किया था कि इमरान खान की रावलपिंडी की जेल के अंदर हत्या कर दी गई है। इमरान खान को लेकर यह अफवाहें ऐसे समय में उड़ी जब पाकिस्तानी अधिकारी अदालती आदेश के बावजूद पिछले एक महीने से खान को उनके फैमिली से मिलने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। खुर्रम जीशान ने एएनाई से बाततीच के दौरान बताया कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें लगभग एक महीने से अलग-थलग रखा गया है और उनके परिवार, उनके वकीलों और यहां तक कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के वरिष्ठ नेतृत्व को भी उनसे मिलने की अनुमति नहीं दी गई है।

अमेरिका में कोविड वैक्सीन ने ली 10 बच्चों की जान

एफडीए के चीफ मेडिकल अफसर का बड़ा खुलासा, बताया कैसे हुई मौत

वॉशिंगटन, 30 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (अमेरिका-एफडीए) ने कहा है कि देश में कोविड-19 टीकाकरण की वजह से कम से कम 10 बच्चों की मौत हुई है। इसका एक संभावित कारण मायोकार्डिटिस या दिल की सूजन बताया गया है। एफडीए के चीफ मेडिकल और साइंटिफिक अफसर विनय प्रसाद ने एक एजेंसी स्टाफ को भेजे एक मेमो में कहा कि एक रिव्यू में कम से कम 10 ऐसे बच्चों की पहचान हुई है, जिनकी मौत कोविड-19 वैक्सीन लगने के बाद और उसकी वजह से हुई। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बताया कि प्रसाद ने मेमो में लिखा, ये मौतें वैक्सीनेशन से जुड़ी हैं। यह एक बहुत बड़ा खुलासा है। पहली बार अमेरिकी एफडीए यह मानेगा कि कोविड-19 वैक्सीन से अमेरिकी बच्चों की मौत हुई है।

कोविड वैक्सीन पर बड़ा खुलासा

मेमो में बच्चों की उम्र, स्वास्थ्य स्थिति या इसमें शामिल वैक्सीन बनाने वालों के बारे में नहीं बताया गया था। ये नतीजे 2021 और 2024 के बीच हुई 96 मौतों के शुरुआती अध्ययन पर आधारित थे। प्रसाद ने कहा कि इससे यह नतीजा निकलता है कि कम से कम 10 मौतें कोविड-19 वैक्सीनेशन से जुड़ी हैं। प्रसाद ने मेमो में लिखा, ऐसे मामले पढ़ना मुश्किल है जहां 7 से 17 साल के बच्चे कोविड वैक्सीन की वजह से मर सकते हैं। उन्होंने वैक्सीन की निगरानी को और सख्त करने के प्लान की घोषणा की। एफडीए रिव्यू को पीयर-रिव्यू नहीं किया गया है।

वैक्सीन पर नीति में बड़ा बदलाव

रिपोर्ट में बताया था कि नए एफडीए रिव्यू के नतीजे किसी पीयर-रिव्यूड मेडकल जर्नल में प्रकाशित नहीं हुए हैं। सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन की वैक्सीन कमेटी अगले सप्ताह बैठक करने वाली है। इस बीच अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ केनेडी जूनियर ने कोविड वैक्सीन पर सरकारी नीति में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत 65 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों के साथ-साथ उन लोगों तक इसकी पहुंच सीमित कर दी है, जिन्हें कोई दूसरी बीमारी है।

वैक्सीन पर बदला ट्रंप प्रशासन का रुख

डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में हेल्थ सेक्रेटरी का पद संभालने से पहले केनेडी लंबे समय तक एंटी-वैक्सीन अभियान से जुड़े रहे हैं। केनेडी ने वैक्सीन को ऑटिज्म से भी जोड़ा है। हालांकि, ट्रंप के पहले कार्यकाल में जब कोरोना वायरस महामारी फैली थी और उनके बाद आए बाइडन प्रशासन में अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने वैक्सीन को जान बचाने वाला बताया था। एफडीए कमिश्नर मार्टी मकारी ने फॉक्स न्यूज पर प्रसारित एक टीवी इंटरव्यू में 10 बच्चों की मौत की रिपोर्ट की पुष्टि की।

मकारी ने फॉक्स एंड फ्रेंड्स को बताया कि 2020 में रिलीज हुई कोविड वैक्सीन जोखिम वाले लोगों और बुजुर्गों के लिए बहुत अच्छी थीं। लेकिन उन्होंने कहा कि अब युवाओं का हर साल कुछ कोविड शॉट देना साइंस पर आधारित नहीं है।

रोज गार्डन में महिला का मर्डर: टॉयलेट से चीखने की आवाज, सबसे पहले किसने देखी खून से लथपथ लाश..उसने क्या बताया?

चंडीगढ़, 30 नवंबर (एजेंसियां)। चंडीगढ़ के फेमस टूरिस्ट प्लेस रोज गार्डन में शनिवार को दिनदहाड़े एक महिला की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई। महिला बाथरूम हुई वारदात से यहां घूमने आए लोगों में हड़कंप मच गया। मृत महिला के पास से मिली बिहार स्टाफ सेलेक्शन कमीशन की स्लिप से उसकी पहचान सहारनपुर निवासी दीक्षा (30) के रूप में हुई है। मौके पर मौजूद एक युवक ने बताया कि वह पार्क में टहल रहा था तभी बाथरूम की तरफ तेज चीखें सुनाई दीं। उसने तुरंत बाहर मौजूद ट्रैफिक कर्मियों को घटना की जानकारी दी। बाद में पुलिस टीम ने वहां मौजूद एक अन्य महिला को बाथरूम के भीतर जाकर देखने के लिए कहा। जैसे ही वह अंदर पहुंची तो देखा कि एक महिला लहूलुहान फर्श पर पड़ी है। खून से सनी महिला को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कर्जदारों से परेशान युवक ने किया सुसाइड

इंदौर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर के भंवरकुआं क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने आत्महत्या कर ली। शनिवार शाम परिजनों ने उसे फंदे पर लटका हुआ देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। परिवार के अनुसार, युवक को कर्जदार लगातार परेशान कर रहे थे और उसके मोबाइल पर उनसे लगातार कॉल आ रहे थे। भंवरकुआं पुलिस के मुताबिक, पवन (24) पुत्र मनोज पाटिल, निवासी श्रीराम नगर, का शव शाम फंदे पर लटका मिला।

सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को जिला अस्पताल भेजा। पवन के जीजा शरद ने बताया कि उसे सबसे पहले पवन की मां ने देखा था। पवन के जीजा का कहना है कि उसके मोबाइल में इस मामले से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां हैं, जिन्हें पुलिस जांच में शामिल करेगी।

पुतिन का रूस कितने देशों को हथियार सप्लाई करता है, ये कितने हाइटेक?

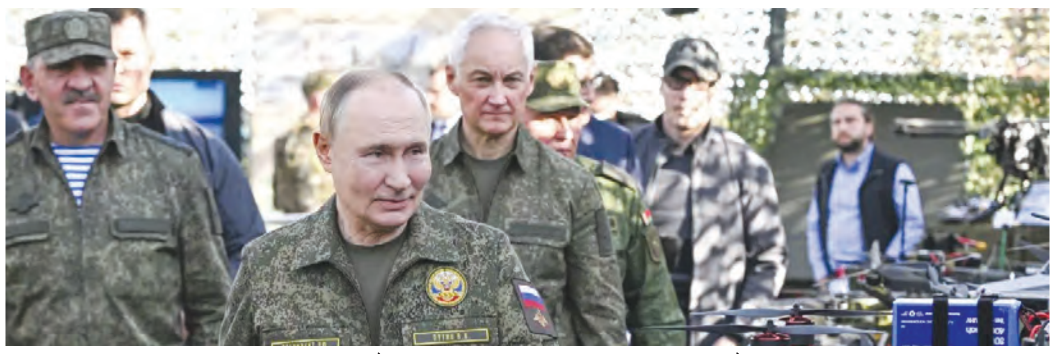

मास्को, 30 नवंबर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन आगामी 4-5 दिसंबर को भारत के दौरे पर आ रहे हैं। वे पीएम नरेंद्र मोदी के साथ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के भारत के खिलाफ उठाए गए टैरिफ जैसे कदम की वजह से दोनों देशों में तल्खी देखने को मिल रही है। ऐसे में पुतिन की यह यात्रा महत्वपूर्ण हो सकती है। माना जा रहा है कि पुराने दोस्त दोनों देशों के बीच कुछ महत्वपूर्ण समझौते भी हो सकते हैं। इस यात्रा की घोषणा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोबल ने कई महीने पहले की थी।

रूसी राष्ट्रपति के इस दौरे के बहाने समझते हैं कि रूस भारत समेत कितने देशों को हथियारों की आपूर्ति करता है? किस तरह के हथियार बनाता और बेचता है? ये हथियार कितने हाइटेक हैं? रूस दुनिया के सबसे बड़े हथियार सप्लायर देशों में से एक है। सोवियत काल से लेकर आज के पुतिन युग तक, रूस ने न सिर्फ अपने लिए विशाल हथियार तंत्र खड़ा किया है, बल्कि एशिया, अफ्रीका, मध्य पूर्व और लैटिन अमेरिका तक सैकड़ों अरब डॉलर के हथियार बेचकर एक व्यापक सैन्य कूटनीतिक नेटवर्क तैयार किया है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रक्षा विश्लेषण रिपोर्टों के अनुसार, पिछले दो दशकों में रूस ने 50 से अधिक देशों को छोटे बड़े हथियार, मिसाइल सिस्टम, टैंक, लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर और एयर डिफेंस सिस्टम सप्लाई की हैं। इनमें एशिया के बड़े देश भारत, चीन, वियतनाम, म्यांमार और बांग्लादेश से लेकर मध्य पूर्व के अल्जीरिया, सीरिया, ईरान, इराक और मिस्र जैसे देश, तथा अफ्रीका के अंगोला, नाइजीरिया और इथियोपिया जैसे साझेदार शामिल हैं।

रूस की हथियार निर्यात नीति सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि भू राजनीतिक रणनीति भी है। जिन देशों से रूस राजनीतिक रूप से निकटता बढ़ाना चाहता है या पश्चिमी देशों के प्रभाव को संतुलित करना चाहता है, वहां वह हथियार, ट्रेनिंग, तकनीकी सहयोग और रक्षा उद्योग में साझेदारी की पेशकश करता है। भारत इस रणनीति के बिल्कुल केंद्र में है।

भारत और रूस के रक्षा संबंध कितने गहरे?

भारत के लिए रूस (पुराना सोवियत संघ सहित) दशकों तक सबसे बड़ा रक्षा साझेदार रहा है। आज भी भारतीय सशस्त्र बलों के बड़े हिस्से में रूसी मूल के हथियार और प्लेटफॉर्म हैं। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के मिग 21, मिग 29 जैसे पुराने लड़ाकू विमानों से लेकर सुखोई 30 एमकेआई (एसयू 30 एमकेआई) जैसे आधुनिक मल्टी रोल फाइटर, एस 400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली तथा ट्रांसपोर्ट और ट्रेनर विमानों में भी रूसी योगदान रहा है। थलसेना के पास बड़ी संख्या में रूसी टी 72 और टी 90 टैंक हैं। बीएमपी 2 जैसे इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल हैं।

मल्टी बैरल रॉकेट सिस्टम, एंटी टैंक मिसाइल, आर्टिलरी सिस्टम के साथ ही कई तरह के रडार और कम्युनिकेशन सिस्टम भी रूसी तकनीक पर आधारित हैं। इसी तरह नौसेना (भारतीय नौसेना) का आईएनएस विक्रमादित्य जैसा एयरक्राफ्ट कैरियर रूसी मूल का है। कई फ्रिगेट्स, पनडुब्बियाँ और मिसाइल सिस्टम रूस से लिए गए हैं। भारत को मिलने वाली परमाणु संचालित आक्रमण पनडुब्बी भी रूस से लीज़ पर ली गई है, जो दोनों देशों के बीच गहरे भरोसे का संकेत है। भारत-रूस के कई संयुक्त विकास कार्यक्रम भी चल रहे हैं।

ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल दोनों देशों का संयुक्त प्रोजेक्ट है, जिसे दुनिया की सबसे तेज़ और भरोसेमंद क्रूज़ मिसाइलों में गिना जाता है। हेलिकॉप्टर, स्पेयर पार्ट्स और एम्यूनिशन के क्षेत्र में भी कई संयुक्त उत्पादन योजनाएं चल रही हैं।

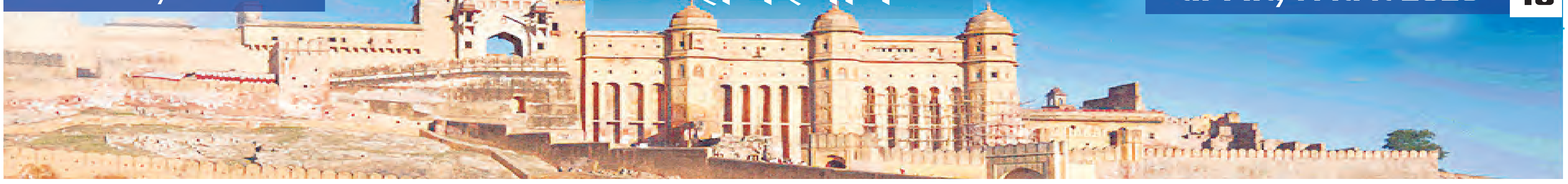

भजनलाल सरकार जल्द लॉन्च करेगी पहली सेमीकंडक्टर पॉलिसी

रोजगार के खुलेंगे नए द्वार

जयपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान अब देश में सेमीकंडक्टर निर्माण और डिजाइन का नया हब बनने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाने जा रहा है। राजस्थान सरकार जल्द ही प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर पॉलिसी लॉन्च करने वाली है। इस नीति के लागू होने के बाद चिप डिजाइन से लेकर चिप निर्माण तक का पूरा सिस्टम यहीं विकसित होगा।

बताया जा रहा है कि नई पॉलिसी का उद्देश्य वेफर फेब, चिप डिजाइन, असेंबली, टेस्टिंग और पैकेजिंग जैसी सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन को राज्य में विकसित करना है। सरकार राष्ट्रीय सेमिकॉन इंडिया मिशन के साथ मिलकर विश्व की नामी कंपनियों को प्रदेश में निवेश के लिए लाएगी। पॉलिसी का एक मुख्य हिस्सा यह भी है कि आइआइटी और तकनीकी संस्थान यहीं डिजाइन एक्सपर्ट तैयार करेंगे, जिससे युवाओं को कॅरियर के नए अवसर मिलेंगे।

यह कर रहे दावा

चिप ईकोसिस्टम एक ही राज्य मेंः वेफर फेब, चिप डिजाइन और असेंबली-टेस्टिंग-पैकेजिंग प्रदेश में विकसित करने का लक्ष्य। कंपाउंड सेमीकंडक्टर और फैब्लेस डिजाइन को बढ़ावा।

टैलेंट होंगे तैयारः तकनीकी संस्थान चिप डिजाइन, एम्बेडेड सिस्टम और एडवांस इलेक्ट्रॉनिक्स में स्किल्ड टैलेंट तैयार करेंगे। उद्योग-एकेडमी साझेदारी से छात्रों को सीधे इंडस्ट्री-लेवल ट्रेनिंग।

सेमिकॉन इंडिया के साथ तालमेलः सेमिकॉन इंडिया मिशन के साथ मिलकर बड़ी कंपनियों को राजस्थान लाएंगे। नई हाई-टेक यूनिट्स आने से अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ काम करने का अवसर।

चर्चित हिस्ट्रीशीटर डेनिस

बावरिया हत्याकांड : ट्रेन में भीख मांगते पकड़े गए तीन बदमाश, अब तक 12 गिरफ्तार

इलेक्ट्रॉनिक्स का हबः तकनीकी क्षमता, कुशल मानव क्षमता, कुराल संसाधन और सस्ती ऊर्जा से उद्योगों को बढ़ावा।राजस्थान चिप मैन्युफैक्चरिंग और डिजाइन का उभरता केंद्र बन सकता है।

चिप यहां करती है काम

मोबाइल और कंप्यूटर मेंः प्रोसेसर (सीपीयू), ग्राफिक्स चिप, रैम, स्टोरेज-सब सेमीकंडक्टर चिपें हैं। फोन की स्पीड, कैमरा, इंटरनेट इसी पर निर्भर है।

वाहनों मेंः कारों में 100 से अधिक चिप लगती हैं। इंजन कंट्रोल, ब्रेक सिस्टम, सेंसर, एयरबैग, इलेक्ट्रिक व्हीकल बैटरी मैनेजमेंट सब चिप-आधारित हैं।

टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, 3 एसी मेंः स्मार्ट फंक्शन तापमान नियंत्रण, ऑटोमेटिक सेंसर, सब चिप के कारण संभव है।

इंटरनेट और संचार मेंः राउटर, सर्वर, टावर, 5जी उपकरण, सभी में हाई-परफॉर्मेंस चिपें काम करती हैं।

रक्षा और स्पेस मेंः मिसाइल, ड्रोन, सैटेलाइट, रडार, सबकी कमांड और नेविगेशन सिस्टम चिप आधारित।

मेडिकल उपकरणों मेंः एमआरआइ, सीटी स्कैन, मॉनिटरिंग मशीनें और लाइफ सपोर्ट सिस्टम में सेमीकंडक्टर जरूरी हैं।

चीन और ताइवान में हब

चीन और ताइवान सेमीकंडक्टर के प्रमुख वैश्विक हब हैं। यहीं से भारत समेत कई देशों में सप्लाई होती है। मोदी सरकार ने स्वदेशी सेमीकंडक्टर की मुहिम शुरू की। इसके लिए इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन शुरू किया गया। जिसके तहत राज्यों को ग्रांट के रूप में करीब 74,000 करोड़ रुपए देने का प्रावधान है।

औद्योगिक भविष्य को नई दिशा

सेमीकंडक्टर पॉलिसी राज्य के औद्योगिक भविष्य को नई दिशा देगी। हमारा लक्ष्य चिप डिजाइन से लेकर वेफर फेब और असेंबली टेस्टिंग-पैकेजिंग तक पूरा इको सिस्टम विकसित करना है, ताकि राजस्थान देश का अग्रणी सेमीकंडक्टर हब बन सके।

सांसद बेनीवाल बोले- अब समाधान का वक्त, हर अधूरे वादे पर होगी 'लड़ाई'

बाड़मेर-जैसलमेर की जरूरतें होंगी पूरी

बाड़मेर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सीमा से सटा और रेगिस्तानी इलाका बाड़मेर-जैसलमेर आज भी कई गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। पिछले कुछ दशकों में पर्यटन, उद्योग, तेल, गैस और सौर ऊर्जा से आर्थिक-सामाजिक-इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव आया है। लेकिन आज भी यह क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं, कनेक्टिविटी, शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है।

कांग्रेस पार्टी से सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल का कहना है कि सदन में मुद्दे उठाए, कुछ मामलों में प्रयास शुरू जरूर हुए हैं, लेकिन पूर्ण समाधान नहीं हो पाया। शीतकालीन सत्र में कैसे क्षेत्र के मुद्दों को उठाएंगे और समाधान की राह निकालेंगे। इस बारे में सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल से विस्तृत बातचीत हुई। प्रस्तुत है बातचीत के प्रमुख अंश...

चुनाव के दौरान जनता से जो वादे किए थे, उन्हें वन बाय वन पूरा करने का प्रयास जारी है। हालांकि, यह सही है कि कई वादे पूरे नहीं हुए। मुख्य मुद्दा रेलवे कनेक्टिविटी का था। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव हमारे राजस्थान के हैं, उन्होंने एक सर्वे मंजूर किया है। आशा है इस बजट में इसकी घोषणा होगी। इससे गुजरात तक सीधे रेल सेवा मिलेगी।

रेगिस्तान में पानी तो बड़ा मुद्दा है ही। हर घर को मीठा पानी मिले इसके लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। जल जीवन मिशन के तहत जो घर वंचित रह गए थे, उन्हें जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। सरकार से मांग करेंगे कि यह योजना सफल बनानी है तो डिमांड के अनुसार पानी की सप्लाई जरूरी है। सोलर कंपनियों को जिस तरह कम दाम पर जमीन दी जा रही है, उसी तरह किसानों को भी सरकारी भूमि दी जा सकती है। हमने यह मुद्दा भी उठाया है। किसानों को बराबर बिजली नहीं मिल रही है। कई जगह तो छह घंटे भी नहीं मिल रही। इसका प्रमुख कारण यह है कि सिस्टम अपग्रेडेशन नहीं हो पाया। सब स्टेशन और लाइन नहीं है। नए जीएसएस लगाए हैं। शिव में शुरू हुआ है। जहां-जहां नए जीएसएस की आवश्यकता है, जहां पुरानी लाइनें हैं उनको बदलवाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। पिछली लोकसभा में मैंने घरेलू बिजली को लेकर भी मांग रखी थी।

11 साल में कितने अवैध प्रवासी बाहर निकाले गए?

सचिन पायलट ने साधा निशाना, एसआईआर पर कही ये बात

टोंक 30 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने एसआईआर (मतदाता सूची सुधार अभियान) और कर्नाटक की राजनीतिक स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनकी यह यात्रा महत्वपूर्ण है क्योंकि चुनाव आयोग ने सभी फॉर्म 4 दिसंबर से पहले भरने की समयसीमा तय की है। पायलट ने कहा, "वे चाहते हैं कि SIR यहीं जल्दी पूरी हो जाए, जैसे बिहार में किया गया। लेकिन हम इसमें सावधानीपूर्वक कार्रवाई कर रहे हैं। मैंने हमेशा देखा है कि भाजपा के नेता, गृहमंत्री और प्रधानमंत्री कहते रहे हैं कि अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना जरूरी है। अगर कोई अवैध रूप से देश में रह रहा है, तो उसे देश से बाहर निकाला जाए। लेकिन मुझे बताइए, पिछले 11 वर्षों में भारतीय सरकार ने कितने अवैध

प्रवासियों को देश से निकाला?"

सचिन पायलट ने आगे कहा, "चुनाव आते हैं और प्रवासियों का नाम लेते हैं, लेकिन आखिर में किसके वोट काटने की कोशिश हो रही है? गरीब, पिछड़े, दलित और आदिवासी। संविधान ने इन लोगों को अधिकार दिए हैं, और अगर उनके नाम हटाए जाते हैं, तो लोकतंत्र में इससे बड़ा पाप और क्या होगा। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए मेहनत करनी चाहिए कि 18 वर्ष से अधिक उम्र का हर नागरिक, जिसे वोट का अधिकार है, उससे कोई वंचित न हो। यह देश में पहली बार एसआईआर नहीं हो रहा है। कई बीएलओ (बुनियादी स्तर के अधिकारी) मानसिक दबाव में आकर आत्महत्या कर रहे हैं। इसलिए मैं कहता हूं कि काम निष्पक्ष तरीके से होना चाहिए।"

कर्नाटक में मुख्यमंत्री के खिलाफ चल रहे विवाद पर पायलट ने कहा, "जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं, मामला कुछ और है। दोनों, राज्य अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ने सरकार बनाने के लिए मेहनत की। वे इसे साथ में चला रहे हैं और साथ में इसे दोबारा सफल बनाएंगे।" सचिन पायलट ने यह भी जोर देते हुए कहा कि चुनावी प्रक्रिया में निष्पक्षता और सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए।

शौर्य दिवस का शोर निकला फेक! राजस्थान शिक्षा विभाग ने समाचार को बताया भ्रामक

जयपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान शिक्षा विभाग में शनिवार देर रात से लेकर रविवार सुबह तक अचानक प्रशासनिक हलचल देखने को मिली। बाबरी विध्वंस दिवस यानी 6 दिसंबर को "शौर्य दिवस" मनाए जाने से जुड़े आदेश पर विभाग ने अब स्पष्ट किया है कि इस संबंध में न तो माध्यमिक शिक्षा निदेशालय और न ही शिक्षा विभाग द्वारा कोई निर्णय लिया गया है। विभाग ने इसे भ्रामक और पूरी तरह निराधार बताया है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक, बीकानेर कार्यालय की ओर से जारी आधिकारिक प्रेस नोट में कहा गया कि राजस्थान पत्रिका में 30.11.2025 को प्रकाशित समाचार, जिसमें दावा किया गया था कि प्रदेश के स्कूलों में 6 दिसंबर को शौर्य दिवस मनाया जाएगा, पूरी तरह गलत है। प्रेस नोट में कहा गया कि अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा ऐसा कोई आदेश जारी करने का दावा भी असत्य है। निदेशक सीताराम जाट (IAS) ने यह भी बताया कि इस संबंध में पहले वायरल हुए एक पत्र का खंडन 05.11.2025 को (राजकाज-18665233) के माध्यम से किया जा चुका है।

इस बीच, शनिवार रात 9:37 बजे एक आदेश जारी किया गया था, जिसमें सभी सरकारी और निजी विद्यालयों को 6 दिसंबर को "शौर्य दिवस" मनाने का निर्देश दिया गया था। बताया गया कि यह आदेश शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के निर्देश पर जारी हुआ था। आदेश में विद्यालयों में राम मंदिर आंदोलन और भगवान राम पर भाषण, निबंध प्रतियोगिताएं, चित्रकला और पोस्टर निर्माण, देशभक्ति

गीत, लोकनृत्य, पौराणिक घटनाओं पर लघु नाटिका, राम मंदिर आंदोलन से जुड़ी प्रदर्शनी, शौर्य यात्रा या जागरूकता मार्च, भगवान राम की आरती एवं विशेष प्रार्थना सभा, सूर्य नमस्कार और योगाभ्यास जैसी गतिविधियों के आयोजन का सुझाव दिया गया था। आदेश में इन गतिविधियों को विद्यार्थियों में देशभक्ति, वीरता, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ाने वाला बताया गया था।

हालांकि रविवार सुबह 9:15 बजे विभागीय व्हाट्सऐप ग्रुपों से रात में भेजे गए सभी संदेश अचानक हटा दिए गए और नया संदेश भेजकर यह जानकारी दी गई कि आदेश को स्थगित माना जाए। विभाग ने यह भी निर्देश दिया कि इस आदेश से संबंधित कोई भी समाचार प्रकाशित न किया जाए। साथ ही बताया गया कि आदेश "निजी कारणों" से स्थगित किया गया है। इस अचानक बदलाव से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया और राजनीतिक व प्रशासनिक स्तर पर आपत्तियों को आदेश वापस लेने का कारण बताया जा रहा है।

अब तक शिक्षा विभाग की ओर से पूरे मामले पर कोई विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों का कहना है कि आदेश पर "ऊपरी स्तर से" आपत्ति जताए जाने के बाद इसे तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया। वहीं जयपुर से मिली जानकारी के अनुसार, राज्य के सभी विद्यालयों में 5-6 दिसंबर तक परीक्षाएँ संचालित हो रही हैं और परीक्षा अवधि के कारण किसी भी अन्य आयोजन की संभावना नहीं है। माना जा रहा है कि यही कार्यक्रम स्थगित किए जाने का एक प्रमुख कारण है।

पूरे घटनाक्रम को विभागीय गलियारों में एक बड़े प्रशासनिक उलटफेर के रूप में देखा जा रहा है। रात में आदेश जारी होने, फिर सुबह स्थगित किए जाने और बाद में मीडिया रिपोर्ट को निराधार बताने से पूरा मामला और भी चर्चित हो गया है।

मनोहरपुर-दौसा हाईवे पर भीषण हादसा

ट्रक की टक्कर से कार के उड़े परखच्चे, 3 की मौत

दौसा, 30 नवंबर (एजेंसियां)। मनोहरपुर-दौसा नेशनल हाईवे पर रविवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें ट्रक और कार की जोरदार भिड़ंत में तीन लोगों की मौत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना पर रायसर और मनोहरपुर थानों की पुलिस मौके पर पहुंची।

घायलों को निम्स अस्पताल भिजवाया

पुलिस ने कार सवार मृतकों व घायलों को निम्स अस्पताल भिजवाया। रतनपुरा के पास हुए इस हादसे के बाद हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए। मृतक बीकानेर जिले के नोखा के रहने वाले बताए जा रहे हैं। ये दौसा में एक शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात सुचारू कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

ओवरटेक के दौरान हादसा

पुलिस ने बताया कि मनोहरपुरा से दौसा की तरफ ट्रक जा रहा था। इसी दौरान रतनपुरा के पास सामने की ओर से कार आ रही थी। ओवरटेक करने के दौरान ट्रक और कार की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। ओवर स्पीड के कारण ट्रक से टकराते ही कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

ट्रांसफर की स्पष्टनीति होनी चाहिए : मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के बयान ने सियासी पारा चढ़ाया

जयपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा सियासत में किसी ना किसी मुद्दे को लेकर चर्चा में रहते हैं। इस बार किरोड़ी लाल मीणा सरकार की ट्रांसफर नीति को लेकर दिए गए बड़े बयान के कारण सुर्खियों में है, जहां उन्होंने एक समारोह में कहा कि सरकारी कर्मचारियों में ट्रांसफर को लेकर असंतोष रहता है, इसलिए भारत सरकार की तरह राजस्थान में भी कर्मचारी वर्ग के लिए स्थानांतरण की स्पष्ट नीति बननी चाहिए। जिससे कर्मचारियों का असंतोष समाप्त हो सके। किरोड़ी लाल के बयान का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर सामने आया है। इधर, इस बयान के बाद सियासी गलियारों में हलचल मच

गई है।

ट्रांसफर में सरकार का सबसे ज्यादा समय खर्च होता है

दरअसल, यह बयान किरोड़ी लाल ने उस समय दिया, जब कोटा के रामगंज मण्डी में जुमली गांव में जागो जगाओ पदयात्रा निकाली गई। इस दौरान शिक्षा मंत्री मदन दिलावर भी मौजूद थे। इसमें कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा का यह बयान सामने आया। जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में किरोड़ी लाल मीणा कहते हैं कि हमारा सबसे अधिक समय ट्रांसफरों में खर्च हो जाता है, इसलिए भारत सरकार की तरह राजस्थान में भी कर्मचारी वर्ग के ट्रांसफर को लेकर स्पष्ट नीति बननी चाहिए।

मेरे भी 10-20 ट्रांसफर करते जाना, किरोड़ी लाल ने ली चुटकी

सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो में किरोड़ी लाल मीणा मजाकिया अंदाज में नजर आए। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय सबसे बड़ा मंत्रालय है। यह महासमुद्र और इसमें हमारे मदन जी डुबकियां लगा रहे हैं, लेकिन इस मंत्रालय में बहुत सी परेशानियां है। उन्होंने आगे कहा कि जब भी कैबिनेट की बैठक होगी, तब हम दोनों मुख्यमंत्री जी से निवेदन करेंगे कि ट्रांसफर को लेकर एक स्पष्ट नीति बननी चाहिए। इस बीच किरोड़ी लाल ने चुटकी लेते हुए शिक्षा मंत्री से कहा कि स्पष्ट नीति बने इससे पहले आप 10-20 ट्रांसफर मेरे कर देना। इस पर वहां मौजूद लोग ठहाके लगाते हुए नजर आए।

मां के सामने 6 मंजिला इमारत से गिरी 10 साल की बच्ची, एमपी से आए थे राजस्थान

सीकर 30 नवंबर (एजेंसियां)। सीकर शहर के शास्त्रीनगर में निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत की छठी मंजिल से नीचे गिरने पर मजदूर की 10 वर्षीय मासूम बेटी की दर्दनाक मौत हो गईं। वह खेलते समय में लिफ्ट शाफ्ट से सीधे नीचे गिर गई।

जिससे सिर में चोट लगने पर वह गंभीर रूप से घायल हो गई। नजदीकी लोगों ने उसे तुरंत एसके अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक वह दम तोड़ चुकी थी।

चिकित्सकों के मृत घोषित करने पर सूचना पर पहुंची उद्योग नगर थाना पुलिस ने शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। यहां रविवार सुबह उसका पोस्टमार्टम किया जाएगा।

थानाधिकारी राजेश बुडानिया ने बताया कि मूल रूप से MP के गुना जिले के मोहरी खुर्द निवासी पूरणमल और उसकी पत्नी कुसुम बाई मजदूरी करने के लिए राजस्थान आए थे। शाम करीब पांच बजे कुसुम शास्त्रीनगर की इसी निर्माणाधीन भवन की छठी मंजिल पर काम कर रही थी। पास ही बेटी रेखा खेल रही थी। तभी अचानक वह लिफ्ट शाफ्ट के पास पहुंचकर सीधे नीचे गिर गई।

हादसे के समय पिता पूरणमल सीकर में ही दूसरी साइट पर मजदूरी कर रहा था। मौत की खबर सुनते ही परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

तेज धमाकों से दहला राजस्थान का झुंझुनूं शहर

11 लग्जरी कारें जलकर खाक; इलाके में दहशत

झुंझुनू, 30 नवंबर (एजेंसियां)। झुंझुनूं शहर के बाइपास क्षेत्र में शनिवार रात आगजनी की बड़ी वारदात सामने आई। कुछ लोगों ने गाड़ियों के वर्कशॉप में घुसकर रिपेयरिंग के लिए आई गाड़ियों में आग लगा दी। घटना से इलाके में दहशत फैल गई। तेज धमाके और आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठती देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की सूचना पर नगर परिषद की 3 दमकलें मौके पर आई। दमकलकर्मियों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक वर्कशॉप में मरम्मत के लिए खड़ी 11 लग्जरी कार पूरी तरह जलकर राख हो गई। घटना के बाद सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें कुछ बदमाश दिख रहे है।

वर्कशॉप के मालिक नासिर के छोटे भाई इमरान ने अनिल नाम के युवक पर गाड़ियों में आग लगाने का आरोप लगाया है। उसके अनुसार पूर्व में भी अनिल दस दिन पहले भी उनके गैराज व रेस्टोरेंट पर आया था और कारों के शीशे तोड़कर भाग गया था। इसकी शिकायत पुलिस में दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

पहले भी रेस्टोरेंट पर पेट्रोल फेंका था

इसके बाद 24 नवंबर की रात को पहले रेस्टोरेंट पर पेट्रोल फेंका गया, फिर वर्कशॉप पर आकर गाड़ियों के शीशे तोड़े गए और पेट्रोल डाला गया, लेकिन उस समय आग नहीं लग सकी। इसके बाद मामले की लिखित शिकायत दोबारा पुलिस को दी गई।

सीसीटीवी फुटेज में दिखे हमलावर

घटना के बाद सामने आए फुटेज में साफ दिख रहा है कि बदमाश वर्कशॉप में घुसे, गाड़ियों के शीशे तोड़े और पेट्रोल छिड़क आग लगा दी। ऐसे मे माना जा रहा है कि किसी रंजिश के चलते बदमाशों ने आगजनी की वारदात को अंजाम दिया।

शॉपिंग सेंटर में शिव परिवार की मूर्तियां खंडित

हिंदू संगठनों ने रोड किया जाम, विधायक भी पहुंचे

कोटा, 30 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में शॉपिंग सेंटर इलाके में स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर में शिव परिवार को खंडित कर देने का मामला सामने आया है। इसकी जानकारी लगने के बाद स्थानीय व्यापारियों और हिंदू संगठनों ने अपनी नाराजगी जताई और शॉपिंग सेंटर इलाके में पहुंचकर रोड को जाम कर दिया। वहीं सूचना के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों से समझाइश की कोशिश की। इस दौरान नियमित पूजा करने के लिए आई बुजुर्ग महिला संतोष शर्मा मंदिर की हालत देखकर काफी चिंतित हुई और उनकी आंखों से आंसू निकल गए। महिला की मांग है कि जब तक कोई कार्रवाई नहीं होगी वह यहीं बैठी रहेंगी और अन्न, जल ग्रहण नहीं करेंगी। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि शॉपिंग सेंटर इलाके में डिवाइडर पर यह मंदिर बना हुआ है। जो काफी पुराना है। इस मंदिर से यहां के व्यापारियों की आस्था भी जुड़ी हुई है। यहां दर्शन करने के बाद ही व्यापारी अपनी दुकानों को खोलते हैं। मंदिर में शिवलिंग, पार्वती, गणेश सहित अन्य भगवान की मूर्तियां है। मूर्तियां खंडित होने के बाद व्यापारियों में भी घटना को लेकर काफी रोष है। सामने आया है कि रात को यहां पर एक व्यक्ति मंदिर के आसपास घूमता हुआ नजर आया। स्थानीय लोगों ने उसे टोका था और भागने की भी कोशिश की थी लेकिन वह वहां से गया नहीं। जिन्होंने भी यह कृत्य किया है उनको कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। सूचना मिलने के बाद कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा भी घटनास्थल पहुंचे और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं से जानकारी लेते हुए उनको समझने की भी कोशिश की। संदीप शर्मा ने कहा कि मौके पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों से इस संबंध में जानकारी ली गई है।

बालोतरा शहर में दिल्ली जैसे हालात, एक्यूआई 400 पार, सांस और आंखों में जलन से लोग परेशान

बाड़मेर 30 नवंबर (एजेंसियां)। बालोतरा शहर में वायु प्रदूषण लगातार चरम पर पहुंच रहा है। हालत यह है कि सामान्य दिनों में दूर के पहाड़ नहीं दिखाई देते और बारिश के बाद ही दृश्यता सुधरती है। यह स्थिति साफ संकेत देती है कि इन दिनों सर्दी के मौसम में शहर की हवा खतरनाक स्तर तक प्रदूषित हो चुकी है।

शहर के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 400 से ऊपर दर्ज किया गया, जो गंभीर असर की श्रेणी में आता है। वहीं, बढ़ते प्रदूषण के बीच प्रशासन की उदासीनता और पारदर्शिता की कमी भी उजागर हो रही है।

शहर के औद्योगिक क्षेत्र, नेहरू कॉलोनी, भगत सिंह सर्किल, गायत्री चौक, रबारियों का टांका और खेड़ रोड पर एक्यूआई मीटर से जांच की गई। नेहरू कॉलोनी में एक्यूआई पीएम 2.5 का स्तर 395 तथा पीएम 10 का स्तर 458 दर्ज किया गया। डागा हॉस्पिटल वाली गली में पीएम 2.5 की रीडिंग 408 और पीएम 10 की 473 पाई गई।

खेड़ रोड पर भी पीएम 2.5 की रीडिंग 406 और पीएम 10 की 470 मिली है। इसी तरह औद्योगिक क्षेत्र में पीएम 2.5 में 315 और पीएम 10 में 365, रबारियों का टांका क्षेत्र में पीएम 2.5 में 234 व पीएम 10 में 271 तथा गायत्री चौक में पीएम 2.5 में 167 व पीएम 10 में 193 रीडिंग दर्ज हुई है। सामान्य दिनों में शहर का एक्यूआई 100-150 के बीच रहता है। लेकिन धूल ने इसे गंभीर असर की श्रेणी में पहुंचा दिया है।

दो साल से एक्यूआई संयंत्र लगने का इंतजार

शहर में दिसंबर 2023 में दो करोड़ रुपए की लागत से एक्यूआई संयंत्र लगाने की घोषणा हुई थी। मई 2025 में दो सदस्यीय टीम ने निरीक्षण भी किया, लेकिन दो वर्ष बाद भी संयंत्र स्थापित नहीं हो सका। इससे शहरवासियों को वास्तविक समय का प्रदूषण डेटा नहीं मिल पा रहा है।

वहीं, धूल और धुएं की अधिकता से लोगों को सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन, गले में खराश और सिरदर्द जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। दुकानदारों का कहना है कि दुकानों में रखा सामान धूल से भर रहा है, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। साथ ही बुजुर्गों और बच्चों पर प्रदूषण का प्रभाव और अधिक गंभीर बना हुआ है।

गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ मनाई गई

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नौवें सिख गुरु, गुरु तेग बहादुर साहिबजी की 350वीं शहादत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ रविवार को मनाई गई। नौवें सिख गुरु ने धर्म की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया और धार्मिक स्वतंत्रता एवं मानवाधिकारों के लिए अंतिम बलिदान का प्रतीक बन गए। इस अवसर पर उनकी अनुपम शहादत को याद करते हुए उनके योगदान और धर्म, सत्य, और मानव गरिमा की रक्षा के लिए किए गए बलिदान के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया गया। राज्य के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में सिख भक्तों ने विशाल कीर्तन दरबार में भाग लिया, जो एनटीआर स्टेडियम, इंदिरा पार्क में आयोजित किया गया, और गुरु ग्रंथ साहिब जी (सिखों की पवित्र ग्रंथ) के समक्ष प्रार्थनाएँ अर्पित कीं। यह कार्यक्रम गुरुद्वारा साहिब सीताफलमंडी, सिकंदराबाद के प्रबंधक समिति के तत्वावधान में, तेलंगाना के सभी सिख गुरुद्वारों के सहयोग से आयोजित किया गया। गुरुद्वारा साहिब सीताफलमंडी की प्रबंधक समिति के अध्यक्ष हरपाल सिंह और कंचन सिंह, अध्यक्ष प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, महासचिव रणजीत सिंह तथा संयुक्त सचिव एवं समन्वयक जगजीत सिंह ने बताया कि यह दरबार शब्द कीर्तन और कथाओं (धार्मिक प्रवचन) से संपन्न हुआ।वभाई अनंतवीर सिंहजी (यूएसए वाले), भाई गुरदेव सिंहजी (ऑस्ट्रेलिया वाले), ज्ञानी शेर सिंहजी (अम्बाला) और देश के विभिन्न हिस्सों से विशेष रूप से आमंत्रित अन्य प्रसिद्ध रागी जत्थों ने अपने शब्द कीर्तन से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने जीवन के उच्च मूल्यों और सामुदायिक सौहार्द को अपनाने पर बल दिया। साथ ही सिख गुरुओं की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला, जो राष्ट्रीय एकता, शांति, भाईचारे और साम्प्रदायिक सौहार्द के लिए खड़े थे।वगुरु तेग बहादुर जी का जीवन साहस, निस्वार्थता और धर्म के लिए खड़े होने का संदेश देता है। प्रवचकों ने गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाओं की कहानियाँ साझा कीं और सभी को न्याय, शांति और मानव गरिमा के उनके संदेश को अपनाने की प्रेरणा दी।वसमिति के सदस्यों ने गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शहादत के महत्व पर जोर दिया, जो धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के लिए अंतिम बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वार्षिक आयोजन गुरु साहिब की विरासत का सम्मान करने के साथ-साथ दया और सामुदायिक सौहार्द की भावना को बढ़ावा देने का उद्देश्य भी रखता है। गुरु जी ने लोगों के अपने धर्म को स्वतंत्र रूप से निभाने के अधिकार की रक्षा की। उनके बलिदान और बहादुरी के लिए उन्हें हिंद की चादर भी कहा जाता है। गुरु जी को उनके धर्म को बदलने से इंकार करने पर चांदनी चौक, दिल्ली में यातनाएँ दी गईं और फिर सिर काट दिया गया। इस प्रकार वे धर्म की रक्षा में शहीद हुए और अमर हो गए।वगुरु तेग बहादुर जी, जिन्हें अक्सर हिंद दी चादर भारत की ढाल के रूप में सम्मानित किया जाता है, अत्याचार के खिलाफ दृढ़ खड़े रहे और प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म को स्वतंत्र रूप से निभाने का अधिकार देने के लिए संघर्ष किया। उनकी शहादत 1675 में साहस, करुणा और सार्वभौमिक भाईचारे का कालजयी प्रतीक बनी। उनकी शिक्षाएँ पीढ़ियों को सत्य, न्याय, सहिष्णुता और सभी धर्मों के प्रति सम्मान जैसे मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देती हैं।

उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने मानवता की रक्षा के लिए अद्वितीय बलिदान दिया। भाई मतीदास, भाई सतिदास और भाई दयाला को भी उनके भक्ति और साहस के लिए याद किया गया।वसभा के समापन के बाद, सभी भक्तों के लिए गुरु का लंगर परोसा गया, जहाँ भक्तों ने अनुशासन के साथ एक साथ बैठकर भाईचारे, एकता और एक-दूसरे के प्रति चिंता की भावना का अनुभव किया।

भारत ने साउथ अफ्रीका को 17 रन से हराया

पहले वनडे में विराट कोहली का शतक कुलदीप ने 4, हर्षित ने 3 विकेट लिए

रांची, 30 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने साउथ अफ्रीका को पहले वनडे में 17 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। रांची के जेएससीए स्टेडियम में रविवार को साउथ अफ्रीका ने बॉलिंग चुनी। भारत ने विराट कोहली के शतक के दम पर 349 रन बना दिए। जवाब में मेहमान टीम ने फाइट दिखाई, लेकिन टीम 332 रन ही बना सकी।

भारत से कोहली ने 135, रोहित शर्मा ने 57 और कप्तान केएल राहुल ने 60 रन बनाए। गेंदबाजी में कुलदीप यादव ने 4 विकेट लिए। हर्षित राणा ने 3 और अर्शदीप सिंह ने 2 विकेट लिए। साउथ अफ्रीका से मार्को यानसन, नांद्रे बर्गर, कॉर्बिन बॉश और ओटनिल बार्टमैन को 2-2 विकेट मिले।

बड़े टारगेट के सामने साउथ अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। टीम ने 11 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिए। मैथ्यू ब्रीट्जकी ने फिर पारी संभाल ली। उन्हें मार्को यानसन का साथ मिला, लेकिन दोनों एक ही ओवर में आउट हो गए। आखिर में कॉर्बिन बॉश ने फिफ्टी लगाकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया, लेकिन उनकी पारी काम न आई। सीरीज का दूसरा वनडे 3 दिसंबर को रायपुर में खेला जाएगा।

सचिन से आगे निकले विराट भारतीय पारी में कोहली ने वनडे में 52वां शतक लगाया। वे क्रिकेट के किसी एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर बन गए। विराट ने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 51 शतक हैं। टी-20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा और ग्लेन मैक्सवेल ने 5-5 शतक लगाए हैं। क्रिकेट में 3 फॉर्मेट होते हैं, टेस्ट, वनडे और टी-20। कोहली के इंटरनेशनल क्रिकेट में 83 शतक हो गए हैं। वे केवल तेंदुलकर (100 शतक) से पीछे हैं।

रोहित ने तोड़ा शाहिद अफरीदी का वर्ल्ड रिकॉर्ड 20वें ओवर में रोहित शर्मा ने मार्को यानसन की बॉल पर छक्का लगाया। इसी के साथ वे वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर बन गए। उन्होंने पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी के 351 छक्कों का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा।

आईआईएचएम हैदराबाद में छात्रों का इंडो-फ्रेंच फूड और संस्कृति का जादुई संगम

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईएचएम हैदराबाद के छात्रों ने शनिवार को हाईटेक सिटी में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। यह इंडो-फ्रेंच पाक और सांस्कृतिक महोत्सव III वर्ष के 70 से अधिक छात्रों द्वारा तैयार किया गया, जिसमें 40 से अधिक व्यंजन और 400 से अधिक अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय और फ्रेंच पाक कला के अनोखे मिश्रण को पेश करना था। इस अवसर पर फ्रांस के उपकांसुल पास्कल लोरेउ और दक्षिण कोरिया के मानद कांसुल जनरल सुरेश चुक्कापल्ली उपस्थित रहे। आईआईएचएम होटल स्कूल के अध्यक्ष डॉ. सुबॉर्नो बोस ने कहा, "हॉस्पिटैलिटी केवल सेवा नहीं, बल्कि संबंधों का उत्सव है।

आईआईएचएम में हम ऐसे पेशेवर तैयार करते हैं जो वैश्विक दृष्टि और नवाचार के साथ नेतृत्व कर सकें।" यह आयोजन हैदराबाद के पाक-संस्कृतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण योगदान है और छात्रों के व्यावसायिक प्रशिक्षण को मजबूती देता है।

सुराराम में इंजीनियरिंग छात्र ने की आत्महत्या

हैदाबाद, 30 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात सुराराम इलाके में 18 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र ने आत्महत्या कर ली। अभिलाष जी, जो एक निजी कॉलेज में प्रथम वर्ष में पढ़ते थे, अपने परिवार के साथ शिवालयनगर में रहते थे। रविवार सुबह परिजनों ने उन्हें घर में पंखे से लटका पाया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के शवगृह भेज दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

मिधानि ने गुणवत्ता माह पर एनएफसी का प्रेरणादायी व्याख्यान आयोजित किया

हैदराबाद, 29 नवंबर स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि), रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एक रक्षा सार्वजनिक उपक्रम, ने गुणवत्ता माह के अवसर पर नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र (एनएफसी) के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक, डॉ. कोमल कपूर का विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया।

उन्होंने कर्मचारियों को गुणवत्ता संवर्द्धन, उन्नत विधियों और आधुनिक निरीक्षण प्रथाओं के महत्वपूर्ण पहलुओं पर संबोधित किया। मिधानी के सीएमडी डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति तथा निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) पी. बाबू सहित मिधानि के अधिकारी उपस्थित थे।

अपने व्याख्यान में, डॉ. कपूर ने गुणवत्ता निरीक्षण में उन्नत प्रौद्योगिकियों और स्वचालन की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने गुणवत्ता के चार स्तंभ- विधियाँ, सामग्री, जनशक्ति और मशीनें-विस्तार से समझाए और बताया कि ये सिद्धांत मिधानि की कार्यसंस्कृति और उसके लोगो में निहित दर्शन से कैसे मेल खाते हैं।

इस अवसर पर, मिधानि के सीएमडी डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति ने संगठन की गुणवत्ता उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी दोहराया कि गुणवत्ता मिधानी के आत्मनिर्भर भारत, राष्ट्रीय स्वावलंबन और रणनीतिक विकास में योगदान की आधारशिला है।

अपने संबोधनों में, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) पी. बाबू और महाप्रबंधक (गुणवत्ता प्रबंधन) ए. रविचंद्रन ने गुणवत्ता, नवाचार और राष्ट्रीय संस्थानों के साथ रणनीतिक सहयोग के प्रति मिधानि के दृढ़ संकल्प को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के दौरान, मिधानि ने अपने पूर्व गुणवत्ता विभाग प्रमुखों, पी. एन. मोहंती और श्री एन. वी. एस. रामगोपाल का सम्मान किया, जिन्होंने गुणवत्ता सुविधाओं के उन्नयन और विभाग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में उत्कृष्ट योगदान दिया।

कुएँ के पास करंट लगने से किसान की मौत

निर्मल, 30 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। खानपुर मंडल के सुरजापुर गांव में शनिवार रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। मक्का की फसल को पानी देते समय 54 वर्षीय किसान पनेला वेंकट रामउलू की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, किसान रात में खेत के कुएँ पर मोटर चलाने गए थे। जब वे सुबह तक घर नहीं लौटे, तो परिचित उन्हें देखने पहुंचे। वहां वे कुएँ के पास बिजली के तार से चिपके मृत मिले।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

बन्डलागुड़ा स्थित सीरवी समाज वेल्फेयर असोसिएशन समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित 12 दिसम्बर को श्री आईमाताजी बडेर की भव्य प्राण-प्रतिष्ठा के लिए बतौर मुख्य अतिथि मल्काजगिरि सांसद ईटेला राजेन्द्र को निमंत्रण पत्रिका देकर आमंत्रित करते हुए अध्यक्ष वेनाराम चोयल, सचिव प्रकाश सेपटा, कोषाध्यक्ष लक्ष्मणराम परिहार, सलाहकार जगदीश प्रसाद काग, खंगारराम सेपटा, देवाराम आगलेचा, भगाराम चोयल, शशी सोलंकी व समाज बन्धु ।

155 वां निशुल्क मेगा मेडिकल शिविर का 405 लोगों ने लाभ लिया

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट अग्रवाल सेवा दल एवं हैदराबाद जायसवाल सेवा समिति के सहयोग से 155 वां निशुल्क मेगा मेडिकल शिविर जियागुड़ा के शांति नगर स्थित श्री श्लोक दि स्कूल में आयोजित किया गया। आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा कार्डियलजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा प्रदान की गई जिसमें डॉ. मणिदीप, डॉ.गायत्री, नर्सिंग स्टाफ रानी, संगीता, भाग्य अनुषा, बीएमडी टेक्निशियन, मोहन एवं अनिल, 2डी इको अक्षिता एवं मार्केटिंग के उदय कुमार ने सेवा प्रदान की।

अवसर पर एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क स्क्रीनिंग 225 लोगों की गई जिसमें 96 लोगों को निशुल्क चश्मे एवं 6 लोगों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई अवसर पर अजीत कश्यप, एच.भगवान, प्रतीक्षा, के.नरसिंग राव एवं के.भास्कर ने सेवा प्रदान की। शिविर में सामान्य चिकित्सक डॉ. अखिल्स क्लिनिक, डॉ.अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी, दंत जांच की सेवा एसएनआर डेंटल के डॉ.एस. निखिल राज द्वारा, फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर के डॉ.मीता बजाज और श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा एक व्यक्ति की सहायता की गई।

अग्रवाल सेवा दल एवं शिविर संयोजक सुधीर गुप्ता, निखिल रानासरिया, दीपक गुप्ता, उर्मिला अग्रवाल, हैदराबाद जयसवाल सेवा समिति के देवेन्द्र कुमार जायसवाल, राधारमण, उदय भूषण, स्वरूप कुमार, राजेश बेड़खा, रितेश अमिन्हा, अशोक कुमार, हेमराज, साईनाथ जायसवाल, कमल प्रसाद, स्वयंसेवक अजय तुलस्यान, पवन भुवानिया, जितेन्द्र गोयल, राधेश्याम बियानी, सुमन भुवानिया, अरुणा तुलस्यान, सुनैना नारसरिया, रितु गर्ग समाजसेवी शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, अग्र महिला मंच की दीपा गर्ग, अंजू गोयल, सरला अग्रवाल, पित्ती लैमिनेशन के सदस्य ने सहयोग प्रदान कर इसे सफल बनाया। शिविर का 405 लोगों ने लाभ लिया।

बिजनेस मीट का आयोजन

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिज़नेस नेटवर्किंग परंपरा (एच2एच5) और एच2एच 6 सशक्त ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए एक बिज़नेस मीट का आयोजन किया। यह मीटिंग भाग्यनगर में हिंदू व्यापारियों की मदद और उन्हें बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई थी।

यह मीटिंग होटल एसवीएम ग्रैंड नागोले में आयोजित की गई थी और इस मीट के मुख्य अतिथि उद्योगपति और समाजसेवी गोपाल बलदवा थे। अध्यक्ष किरण वेमुला और जेवी गोपीचंद, उषा श्री, शिव कुमार, मुरली मोहन जैसे अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। मीटिंग अध्यक्ष किरण वेमुला के नेतृत्व में हुई। इस अवसर पर एच2एच के संस्थापक गीतेश काटे जी भी उपस्थित थे।

केसीआर के पोस्टर का क्षीराभिषेक ग्रामीणों ने निकाला जुलूस

आदिलाबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले के इकोडा मंडल स्थित मुखरा (के) गांव में शुक्रवार को अनोखा दृश्य देखने को मिला, जब ग्रामीणों ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए उनके फ्लेक्स पोस्टर का बैलगाड़ी पर रखकर क्षीराभिषेक किया।

गांव वालों ने एक दिन पहले दीक्षा दिवस मनाने के बाद यह कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने याद किया कि केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना ने विभिन्न क्षेत्रों में तेज विकास किया था। ग्रामीणों ने कहा कि तेलंगाना आंदोलन का नेतृत्व करने और कठिन परिस्थितियों में अलग राज्य निर्माण तक संघर्ष करने में केसीआर की भूमिका ऐतिहासिक है। उत्सव में शामिल लोगों ने बताया कि वे केसीआर को फिर से मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं, क्योंकि उनका मानना है कि राज्य की वास्तविक प्रगति केवल उनके नेतृत्व में ही संभव है। इस दौरान ढोल-ताशों के साथ गांव की गलियों में जुलूस भी निकाला गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

एफआईआर के...

प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की धारा 66(2) के तहत, ईडी किसी दूसरी एजेंसी से किसी अपराध की जांच और एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध कर सकती है। जब ऐसा कोई अपराध दर्ज हो जाता है, तो वह ईडी के लिए मनी लॉन्ड्रिंग की जांच का आधार बन जाता है। ईडी की यह जांच बीजेपी के पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी की एक निजी शिकायत पर आधारित है। पटियाला हाउस की एक मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने जून 2014 में इस शिकायत पर संज्ञान लिया था, जिससे कानूनी प्रक्रिया शुरू हुई थी। तब से ईडी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड और उसके अधिग्रहण से जुड़ी अनियमितताओं की जांच कर रही है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने इस नई एफआईआर को पुरानी बातों को दोहराने जैसा बताया है। कांग्रेस का कहना है कि जब भी पार्टी किसी मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश करती है, तो ऐसे पुराने मामले फिर से उठा दिए जाते हैं। संसद सत्र शुरू होने से ठीक पहले इस एफआईआर का आना पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है। कांग्रेस को अब इस मामले से भी निपटना होगा।

इस मामले में अदालत का फैसला 16 दिसंबर को आना है। अगर फैसला कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के खिलाफ जाता है, तो पार्टी की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। कार्यकर्ताओं को भी इस मुद्दे पर ध्यान देना होगा, जो शायद राहुल गांधी की योजनाओं के अनुसार नहीं है। राहुल गांधी चाहते थे कि कर्नाटक के सत्ता संघर्ष जैसे मुद्दों को पीछे रखकर, एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) और 14 दिसंबर की मेगा रैली और संसद में होने वाली चर्चाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

अब सवाल यह उठता है कि क्या नेशनल हेराल्ड का यह मामला 'इंडिया ब्लॉक' को एकजुट कर पाएगा? मुश्किल वक्त में सभी का साथ जरूरी होता है। कांग्रेस यह उम्मीद कर रही होगी कि उसके सहयोगी दल जैसे डीएमके, टीएमसी, राजद जिन पर खुद भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं, वे संसद में गांधी परिवार का साथ देंगे। लेकिन, यह मुश्किल लग रहा है। दलों के बीच आपसी मतभेद और कड़वाहट है। साथ ही, इनमें से कई दल अपने-अपने राज्यों में चुनाव लड़ रहे हैं, जैसे टीएमसी बंगाल में और डीएमके तमिलनाडु में। वे ऐसे मुद्दे का हिस्सा बनना चाहेंगे जो उनके चुनावी फायदे के लिए हो। इसलिए, यह मामला 'इंडिया ब्लॉक' की एकता की कहानी में कोई नया मोड़ लाएगा, इसकी संभावना कम है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के किसी प्रारूप में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज, सचिन से आगे निकले

रांची, 30 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच में शतक लगा दिया है। कोहली इस मैच में लय में नजर आए और उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाए रखा। कोहली के वनडे करियर का यह 52वां और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 83वां शतक है। कोहली 102 गेंदों पर सैकड़ा पूरा किया। यह इस साल उनका वनडे प्रारूप में दूसरा शतक है। इससे पहले उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाए थे। कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच में 120 गेंदों पर 11 चौकों और सात छक्के की मदद से 135 रन बनाकर आउट हुए।

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच में शानदार बल्लेबाजी की। कोहली ने इस दौरान रोहित के साथ शानदार साझेदारी निभाई।नांद्रे बर्गर ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर भारत को पहला झटका दिया। यशस्वी ने तेज शुरुआत दिलाई थी, लेकिन वह इस लय को बरकरार नहीं रख सके और विकेट के पीछे डि कॉक को कैच थमा बैठे। इसके बाद रोहित ने कोहली के साथ मिलकर मोर्चा संभाला और दोनों बल्लेबाजों के बीच 109 गेंदों पर 136 रनों की साझेदारी हुई।

रोहित अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन मार्को यानसेन ने एलबीडब्ल्यू आउट कर उन्हें पवेलियन की राह दिखाई। इस तरह रोहित और कोहली के बीच यह साझेदारी टूट गई। रोहित 51 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 57 रन बनाकर आउट हुए।

कोहली के वनडे में अब 52 शतक हो गए हैं और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी प्रारूप में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली से पहले ये रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था जिन्होंने टेस्ट में 51 शतक लगाए थे, लेकिन अब कोहली उनसे आगे निकल गए हैं। कोहली 294 पारियों में इस उपलब्धि पर पहुंचे हैं। कोहली वनडे प्रारूप में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में पहले ही सचिन को पीछे छोड़ चुके हैं। सचिन के नाम वनडे में 49 शतक है।

कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ दिया है। सचिन और वॉर्नर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 50 ओवर के प्रारूप में पांच-पांच शतक लगाए हैं, जबकि कोहली इस टीम के खिलाफ वनडे में छह शतक लगा चुके हैं।

रांची का स्टेडियम कोहली को रास आता है और वह यहां पांच पारियों में तीन वनडे शतक लगा चुके हैं। इसके अलावा विशाखापत्तनम में कोहली ने सात में तीन वनडे शतक और पुणे में खेली आठ पारियों में तीन शतक लगाए हैं। वहीं, सचिन तेंदुलकर ने भी वडोदरा में सात वनडे पारियों में तीन शतक लगाए हैं। रांची में कोहली ने अब तक 110.19 के स्ट्राइक रेट से 519 रन बनाए हैं। उन्होंने इस मैदान पर 2013 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 77, 2014 में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 139, 2016 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 45, 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 123 और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2025 में 135 रन बनाए।

अभिषेक शर्मा की 12 गेंद में फिफ्टी, 32 में शतक

टी-20 की तीसरा सबसे तेज अर्धशतक, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 16 छक्के लगाए

खेल डेस्क, 30 नवंबर (एजेंसियां)। अभिषेक शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 148 रन की पारी खेलकर कई रिकॉर्ड तोड़ डाले। पंजाब के कप्तान ने बंगाल के खिलाफ 12 गेंद में फिफ्टी और 32 गेंद में सेंचुरी पूरी की। उन्होंने इस पारी में 16 छक्के लगाए। यह मेंस टी-20 क्रिकेट में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है और भारतीय खिलाड़ियों में दूसरा सबसे तेज भी है।

अभिषेक ने 425.00 की स्ट्राइक रेट से 12 गेंद में 5 चौके और 5 छक्के लगाकर फिफ्टी पूरी की। इसके बाद उन्होंने 7 चौके और 11 छक्के की मदद से 32 बॉल पर शतक पूरा किया। अभिषेक 52 बॉल पर 8 चौके और 16 छक्के की मदद से 148 रन बनाकर आउट हुए।

अभिषेक ने प्रभसिमरन सिंह के साथ 205 की पार्टनरशिप की। उनकी इस पारी के दम पर पंजाब ने 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 310 रन बोर्ड पर लगा दिए। यह मैच हैदराबाद में खेला गया।

प्रभसिमरन सिंह ने 70 रन बनाए

अभिषेक शर्मा (148) के अलावा पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने 70 रन बनाए। रमनदीप सिंह ने 15 बॉल पर 4 छक्के और 2 चौकों की मदद से 39 रन बनाए। सनवरी सिंह ने 8 बॉल पर 2 चौके और 2 छक्के लगाकर 22 रन बनाए ।

दिपेंद्र सिंह के नाम सबसे तेज टी-20 फिफ्टी

मेंस की टी-20 में सबसे तेज अर्धशतक नेपाल के दिपेंद्र सिंह ऐरी (9 बॉल) ने सितंबर 2023 में हांगझो एशियन गेम्स के दौरान मंगोलिया के खिलाफ बनाया था। भारत के अशुतोष शर्मा इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने 2023-24 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ रेलवे की ओर से 11 गेंदों में अर्धशतक लगाया था।

युवराज के क्लब में शामिल हुए अभिषेक

12 बॉल पर फिफ्टी लगा कर युवराज सिंह के क्लब में शामिल हो गए। युवराज सिंह ने साल 2007 टी-20 वर्ल्ड कप में स्टुअर्ट ब्रॉड की 6 गेंदों पर 6 छक्के जड़ते हुए 12 गेंदों में फिफ्टी पूरी की थी। हालांकि अभिषेक ने यह कारनामा घरेलू टूर्नामेंट में किया है। अभिषेक अब इस फॉर्मेट में 12 गेंदों पर अर्धशतक बनाने वाले पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। युवराज सिंह पहली बार यह उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ी है। क्रिस गेल ने जनवरी 2016 में बीबीएल में मेलबर्न रेनेगेड्स की ओर से यह किया था।

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में भारत की दूसरी जीत

ओमान को 17-0 से हराया; दिलराज ने 4 गोल, मनमीत-अर्शदीप की हैट्रिक

चेन्नई, 30 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में ओमान को 17-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मैच मदुरै (चेन्नई) में खेला गया। इस जीत के बाद भारत का कुल गोल अंतर +24 हो गया। टीम ने इससे पहले चिली को 7-0 से हराया था।

इस मुकाबले में दिलराज सिंह ने चार गोल दागते हुए टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। मनमीत सिंह और अर्शदीप सिंह ने हैट्रिक जमाई, जबकि अजीत यादव ने दो गोल किए।

पहला हाफः भारत ने 5 गोल किए

मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने दबदबा बनाया। तीसरे मिनट में अर्शदीप सिंह ने काउंटर अटैक को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर में भारत को पाँच पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन ओमान के गोलकीपर अहमद अल नबी ने इन्हें बचाते हुए शानदार प्रदर्शन किया।

इसके बाद मनमीत सिंह ने 17वें और 26वें मिनट में दो गोल करके स्कोर 3-0 कर दिया। 29वें मिनट में अनमोल एक्का ने 11वें पेनल्टी कॉर्नर को ड्रैग-फ्लिक से गोल में बदला। हाफ टाइम से ठीक पहले दिलराज सिंह ने टीम का पाँचवां गोल दागा।

दूसरा हाफः 12 गोल, मिले 7 पेनल्ट कॉर्नर में से चार को गोल में तब्दील किया

दूसरे हाफ में भारतीय टीम ने एकतरफा खेल दिखाते हुए 12 गोल किए। टीम को इस दौरान सात पेनल्टी कॉर्नर मिले, जिनमें से चार को गोल में बदला गया।

तीसरे क्वार्टर के शुरुआती पांच मिनट में लगातार चार गोल हुए। मनमीत ने अपनी हैट्रिक पूरी की, जबकि दिलराज और अर्शदीप ने दो-दो और गोल जोड़े। तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारत 12-0 से आगे था। चौथे क्वार्टर में भी भारतीय आक्रमण जारी रहा और टीम ने पाँच और गोल दागते हुए मुकाबला 17-0 से अपने नाम किया।

सैयद मोदी इंटरनेशनल में श्रीकांत ने मिथुन को हराया

त्रीसा-गायत्री की जोड़ी फाइनल में पहुंची

लखनऊ, 30 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व चैंपियन किदांबी श्रीकांत ने शानदार खेल दिखाते हुए हमवतन मिथुन मंजनाथ को कड़े तीन गेमों के मुकाबले में 21-15, 19-21, 21-13 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। 32 वर्षीय श्रीकांत की शुरुआत दमदार रही। उन्होंने पहले गेम में 8-2 की बढ़त ली और शुरुआत से ही लय और नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि मंजनाथ ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी की और स्कोर को बराबरी पर लाते हुए गेम अपने नाम किया। निर्णायक गेम में श्रीकांत ने फिर से आक्रामक रुख अपनाते हुए शुरू से बढ़त बनाए रखी और मुकाबला जीत लिया। अब फाइनल में उनका सामना हांगकांग के जेसन गुनेवान से होगा।

त्रीसा-गायत्री लगातार दूसरी बार फाइनल में

महिला डबल्स में भारत की त्रीसा जोली और गायत्री गोपीचंद की विश्व नंबर 14 जोड़ी ने मलयेशिया की ओंग जिन यी और कार्मेन तिंग पर 21-11, 21-15 की आसान जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। युगल जोड़ी की यह जीत खास इसलिए भी है क्योंकि गायत्री पांच महीने की कंधे की चोट से उबरकर हाल ही में कोर्ट पर लौटी हैं। त्रीसा-गायत्री ने पहले गेम से ही मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी, जबकि दूसरे गेम में दबाव के क्षण आने पर भी संयम नहीं खोया। फाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना जापान की आठवीं वरीयता प्राप्त काहो ओसावा और माई तनाबे की जोड़ी से होगा।

आंद्रे रसेल ने आईपीएल से संन्यास लिया

केकेआर के सपोर्ट स्टाफ से जुड़े; 11 साल तक टीम के लिए खेले

कोलकता, 30 नवंबर (एजेंसियां)। आंद्रे रसेल ने आईपीएल से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है।इसी के साथ 37 साल के रसेल का बतौर खिलाड़ी केकेआर के साथ 11 साल का रिश्ता खत्म हो गया। आईपीएल 2026 ऑक्शन से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने रसेल को रिलीज कर दिया था। इस फ्रेंचाइजी से वह 2014 में जुड़े रहे। रसेल ने केकेआर के लिए 133 मैच खेले। उन्होंने 2014 और 2024 में केकेआर को खिताब दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। रसेल ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलकर अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 2012 और 2013 में दिल्ली के लिए खेले, 2014 में वे केकेआर में शामिल हुए और तब से इस टीम के खास मेंबर बन गए।

रसेल ने आईपीएल से रिटायरमेंट का ऐलान करते हुए एक वीडियो शेयर किया, जिसमें बताया कि वह आईपीएल 2026 में केकेआर में बतौर पावर कोच की भूमिका में नजर आएंगे।

आईपीएल 2025 में 167 रन बनाए

केकेआर ने रसेल को पिछले मेगा ऑक्शन से पहले 12 करोड़ रुपए में रिटेन किया गया था, लेकिन आईपीएल 2025 में खराब प्रदर्शन के बाद केकेआर ने उन्हें इस साल रिलीज कर दिया था। उन्होंने आईपीएल 2025 में 13 पारियों में सिर्फ 167 रन बनाए और आठ विकेट लिए थे।

नया चैप्टर, नई एनर्जी- रसेल

आंद्रे रसेल ने लिखा, आईपीएल से संन्यास ले रहा हूं, लेकिन स्वैग नहीं छोड़ रहा। आईपीएल करियर शानदार रहा, 12 सीजनों की यादें, और केकेआर परिवार से मिला ढेर सारा प्यार। मैं दुनिया की अन्य क्रिकेट लीग में छक्के मारता रहूंगा और विकेट लेता रहूंगा।

रसेल ने आगे लिखा, और सबसे अच्छी बात क्या है? कि मैं घर नहीं छोड़ रहा हूं। आप मुझे एक नए रोल में देखेंगे, केकेआर के सपोर्ट स्टाफ में 2026 के पावर कोच के तौर पर। नया चैप्टर, नई एनर्जी। हमेशा नाइट के लिए।

आरसीबी के पूर्व-कप्तान ने पाकिस्तानी लीग के लिए आईपील छोड़ा

डु-प्लेसिस ने मिनी ऑक्शन से नाम वापस लिया, कहा- नया चैलेंज लेना चाहता हूं

बेंगलुरु, 30 नवंबर (एजेंसियां)। आरसीबी के कप्तान रहे साउथ अफ्रीकी प्लेयर फाफ डु-प्लेसिस ने पाकिस्तान सुपर लीग खेलने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग के 2026 सीजन से किनारा कर दिया है। उन्होंने पोस्ट के जरिए बताया कि वह 16 दिसंबर को अबुधाबी में होने वाले मिनी ऑक्शन में हिस्सा नहीं लेंगे।

41 साल के फाफ ने लिखा- भारत हमेशा मेरे दिल में खास जगह रखेगा। यह अलविदा बिल्कुल नहीं है, आप मुझे फिर देखेंगे। इस साल मैंने एक नया चैलेंज लेने का फैसला किया है। मैं आने वाले पीएसएल सीजन में खेलूंगा।

डु प्लेसिस पिछले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा रहे हैं। उन्हें दिल्ली ने 15 नवंबर को जारी रिटेंशन लिस्ट में रिलीज कर दिया था। डु-प्लेसिस ने 2022 से 2024 तक 3 सीजन में आरसीबी की कप्तानी की थी। फ्रेंचाइजी ने उन्हें मेगा ऑक्शन से पहले रिलीज कर दिया था।

आईपीएल में 14 सीजन खेलने के बाद मैंने इस साल अपना नाम ऑक्शन में नहीं देने का फैसला किया है। यह एक बड़ा फैसला है। जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो दिल में बहुत आभार आता है।

यह लीग मेरी क्रिकेट यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। मुझे वर्ल्ड क्लास साथियों के साथ खेलने, शानदार फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने और उन फैंस के सामने खेलने का मौका मिला, जिनका जुनून किसी और जैसा नहीं है। भारत ने मुझे दोस्ती, सीख और यादें दी हैं, जिन्होंने मुझे एक खिलाड़ी और इंसान दोनों रूप में आकार दिया है।

हर कोच, साथी खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ और हर उस फैन को, जिन्होंने सालों से मेरा साथ दिया, दिल से धन्यवाद। आपका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। 14 साल लंबा समय है, मुझे गर्व है कि इस सफर ने मुझे क्या दिया। भारत हमेशा मेरे दिल में खास जगह रखेगा, और यह अलविदा बिल्कुल नहीं है, आप मुझे फिर देखेंगे।

इस साल मैंने एक नया चैलेंज लेने का फैसला किया है। मैं आने वाले PSL सीजन में खेलूंगा। यह मेरे लिए एक रोमांचक कदम है। कुछ नया अनुभव करने, एक खिलाड़ी के रूप में बढ़ने और शानदार प्रतिभा और ऊर्जा से भरी इस लीग को अपनाने का मौका।

साउथ अफ्रीकी क्रिकेटर फाफ डु प्लेसिस आईपीएल के 154 मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 2012 में CSK के साथ अपने IPL करियर की शुरुआत की थी। वे राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली के लिए भी खेल चुके हैं।

फाफ ने 135.78 के स्ट्राइक रेट से 4773 रन बनाए हैं। इनमें 39 फिफ्टी शामिल हैं।

2021 में टेस्ट से रिटायरमेंट लिया था, तब से टीम से बाहर हैं

फाफ ने 17 फरवरी 2021 को टेस्ट से रिटायरमेंट ले लिया था। उन्होंने आखिरी इंटरनेशनल मैच 4 से 8 फरवरी 2021 के बीच रावलपिंडी में आखिरी टेस्ट मैच खेला था। उसके बाद से फाफ नेशनल टीम से बाहर चल रहे हैं।

पाकिस्तान ने ट्राई सीरीज के फाइनल में श्रीलंका को हराया

बाबर आजम ने चौका मारकर जिताया; शाहीन-नवाज को 3-3 विकेट

रावलपिंडी, 30 नवंबर (एजेंसियां)। बाबर आजम ने 34 बॉल पर नाबाद 37 रन की पारी खेली।

पाकिस्तान ने अपनी मेजबानी वाली ट्राई सीरीज जीत ली है। टीम ने फाइनल मुकाबले में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया। पाकिस्तानी टीम ने 115 रन का टारगेट 18.3 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया।

बाबर आजम ने चौका मारकर टीम को जीत दिलाई। उन्होंने 34 बॉल पर नाबाद 37 रन बनाए। ओपनर सईम अयूब ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए।

रावलपिंडी में कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। टीम के गेंदबाजों ने इस फैसले को सही साबित किया और श्रीलंकाई टीम को 19.1 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट कर दिया। कामिल मिसारा ने 59 रन की पारी खेली।

पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी और मोहम्मद नवाज ने 3-3 विकेट झटके।

अबरार अहमद को 2 विकेट मिले। मोहम्मद नवाज प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया।

बाबर आजम ने 3 कैच पकड़े। इसी के साथ वे पाकिस्तान की ओर से टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 60 कैच लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। बाबर ने फखर जमान के 57 कैच के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

पथुम निसंका जल्दी आउट, शाहीन ने बोल्ड किया

टॉस हारकर बल्लेबाजी कर रही श्रीलंकाई टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने 20 रन पर पहला विकेट गंवा दिया था। तीसरे ओवर की चौथी बॉल पर पथुम निसंका 11 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें शाहीन शाह अफरीदी ने बोल्ड कर दिया।

मेंडिस और मिशारा के बीच फिफ्टी पार्टनरशिप

20 रन पर पर पहला विकेट गंवाने के बाद ओपनर कामिल मिशारा ने कुसल मेंडिस के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप करके पारी को संभाला। 84 रन पर मोहम्मद नवाज ने इस साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने कुसल मेंडिस को बाबर आजम के हाथों कैच कराया। मेंडिस के आउट होने के बाद कामिल मिशारा भी 59 रन बनाकर आउट हुए।

श्रीलंका ने 16 रन बनाने में गंवाए आखिरी 8 विकेट

मिशारा के आउट होने के बाद टीम को ऑलआउट होने में टाइम नहीं लगा। एक समय टीम का स्कोर 98/2 था। उसके बाद पूरी टीम 114 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम के 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके।

पाकिस्तानी ओपनर्स ने मजबूत शुरुआत दिलाई

115 रन का टारगेट चेज करने उतरे पाकिस्तानी ओपनर्स ने अपनी टीम को मजबूज शुरुआत दिलाई।

साहिबजादा फरहान (23 रन) और सईम अयुब (36 रन) की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 46 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को ईशान मलिंगा ने तोड़ा। उन्होंने साहिबजादा फरहान को बोल्ड कर दिया। वहीं, सईम अयूब को वानिंदू हसरंगा ने एलबीडब्ल्यू किया।

बाबर आजम ने चौका मारकर जिताया

सईम अयूब के आउट होने के बाद बाबर ने सलमान अली आगा के साथ 23 रन की साझेदारी करके टीम 100 के करीब पहुंचाया, लेकिन 98 रन के टीम स्कोर पर सलमान आगा 14 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। वे 16वें ओवर में पवन रत्नायके की बॉल पर डीआरएस लेकर एलबीडब्ल्यू होने से बचे, लेकिन अगली ही बॉल पर दसुन शनाका को कैच थमा बैठे। फखर जमान भी 3 रन बना सके। ऐसे में बाबर ने 19वां ओवर डाल रहे दुष्मंथा चमीरा की चौथी बॉल पर चौका लगाया और टीम को जीत दिला दी। वे 34 बॉल पर नाबाद 37 रन पर नाबाद लौटे।

बांग्लादेश ने दूसरे टी-20 में आयरलैंड को हराया

सीरीज1-1 से बराबर की; लिटन दास ने 57 रन की पारी खेली

चटगांव, 30 नवंबर (एजेंसियां)। चटगांव में खेले गए दूसरे टी-20 में बांग्लादेश ने आयरलैंड को 4 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने 20 ओवर में 170/6 का स्कोर बनाया। जवाब में बांग्लादेश ने 19वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

आयरलैंड की पारीः स्टर्लिंग–टेक्टर की तेज शुरुआत

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड को पॉल स्टर्लिंग और टिम टेक्टर ने तेजी से शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 57 रन जोड़े। स्टर्लिंग ने 14 गेंदों पर 29 रन जबकि टेक्टर ने 25 गेंदों पर 38 रन बनाए।

पावरप्ले के बाद आयरलैंड का स्कोर 75/1 था। इसके बाद लोर्कन टकर ने 32 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 41 रन की पारी खेलकर टीम को 170 तक पहुंचाया।

बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन ने 3 विकेट लिए, जबकि शाकिब और सैफुद्दीन को 1-1 सफलता मिली।

बांग्लादेश की पारीः लिटन दास का अर्धशतक

171 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश टीम की शुरुआत खराब रही। तीसरे ओवर में तंजीद हसन 7 रन बनाकर रनआउट हो गए। इसके बाद कप्तान लिटन दास और परवेज हुसैन इमोन ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

परवेज इमोन 28 गेंदों में 5 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए। वहीं लिटन दास ने 37 गेंदों में 3 चौके और 3 छक्के लगाते हुए 57 रन की पारी खेली।

इसके बाद तौहिद ह्रदोय (6) और नुरूल हसन (5) जल्दी आउट हुए, जिससे टीम पर दबाव बढ़ा। सैफ हसन भी 22 रन बनाकर लौटे।

सैफुद्दीन की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से मिली जीत

अंत में मैच फिसलता दिख रहा था, लेकिन मोहम्मद सैफुद्दीन ने सिर्फ 7 गेंदों पर 17 रन ठोककर मैच बांग्लादेश की ओर मोड़ दिया। उन्होंने 2 चौके और 1 छक्का लगाया।

उनके साथ मेहदी हसन ने 3 गेंदों पर 6 रन बनाकर अहम योगदान दिया और टीम को जीत दिलाई।

'तेलंगाना एग्रीकल्चर –2047 एग्री चैप्टर' को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज़

आधुनिक तकनीक और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का व्यापक विश्लेषण

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में दिसंबर में आयोजित होने वाले ग्लोबल समिट के हिस्से के रूप में राज्य सरकार अपने महत्वाकांक्षी 'विज़न डॉक्यूमेंट 2047' को प्रस्तुत करने की तैयारी कर रही है। इस दस्तावेज़ का एक महत्वपूर्ण अंग 'तेलंगाना एग्रीकल्चर – 2047 एग्री चैप्टर' होगा, जो राज्य के कृषि क्षेत्र को वर्ष 2047 तक विश्वस्तरीय बनाने की रणनीति तय करेगा। पिछले दो वर्षों में किसानों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तेलंगाना सरकार ने कृषि क्षेत्र को अभूतपूर्व प्रोत्साहन दिया है। किसान हितों को केंद्र में रखकर राज्य सरकार ने अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा कृषि क्षेत्र को आवंटित किया है तथा किसानों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर कर्ज माफी लागू की है।

इसके साथ ही रैतु भरोसा योजना के माध्यम से प्रति एकड़ 12,000 रुपये की निवेश सहायता प्रदान कर किसानों को स्थिरता, आत्मविश्वास और निवेश क्षमता उपलब्ध कराई गई है। केंद्र सरकार से सीमित समर्थन के बावजूद राज्य ने सभी फसलों की खरीद समर्थन मूल्य पर सुनिश्चित कर किसानों के प्रति अपने भरोसे को और मजबूत किया है। इसी क्रम में, 'तेलंगाना एग्रीकल्चर – 2047 एग्री चैप्टर' को तैयार करने के लिए कृषि, बागवानी, अनुसंधान और मार्केटिंग संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी और विशेषज्ञ वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित विस्तृत अध्ययन कर रहे हैं। इसमें कृषि के भविष्य से जुड़े सभी पहलुओं रणनीति, नीति, अवसंरचना, आधुनिक तकनीक और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का व्यापक विश्लेषण शामिल है। वरिष्ठ अधिकारियों ने रिपोर्ट के प्रारूप पर अंतिम चर्चा करने के लिए कृषि, मार्केटिंग, हैंडलूम तथा टेक्सटाइल मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव से भेंट की। मंत्री ने रिपोर्ट को और प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि राज्य को 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के अनुरूप कृषि क्षेत्र का संतुलित और टिकाऊ विकास अत्यंत आवश्यक है।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिपोर्ट में किसान-केंद्रित योजनाएँ, किसानों की आय में वृद्धि, उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार तथा कृषि में आधुनिक तकनीक के व्यापक उपयोग को प्रमुख फोकस क्षेत्रों के रूप में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कृषि अनुसंधान और एक्सटेंशन गतिविधियों की अपार संभावनाएँ हैं, जिन्हें वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए ठोस योजनाएँ बनानी चाहिए। मंत्री ने फसल उत्पादकता बढ़ाने, फसल विविधीकरण, क्लाइमेट-स्मार्ट कृषि, जल उपयोग दक्षता, तथा प्रिसिजन फार्मिंग जैसे आधुनिक तरीकों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित करने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि विश्वभर में कृषि क्षेत्र में अपनाई जा रही नवीन तकनीकों को शीघ्र लागू किया जाए ताकि तेलंगाना का कृषि क्षेत्र और अधिक मजबूत हो सके।

इसके साथ ही, किसानों के उत्पादों के लिए बेहतर मार्केटिंग सुविधाएँ उपलब्ध कराने तथा वैल्यू-एडेड एग्री-प्रोसेसिंग को बड़े पैमाने पर विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। मंत्री ने सुझाव दिया कि तेलंगाना को ग्लोबल सीड हब के रूप में विकसित किया जाए, जिससे इसे विश्वस्तरीय बीज उत्पादन केंद्र बनाया जा सके।

उन्होंने बीज गुणवत्ता, प्रमाणन प्रणाली और निर्यात मानकों को और मजबूत करने की आवश्यकता बताई। बैठक में कृषि सचिव सुरेंद्र मोहन, कृषि निदेशक गोपी, हॉर्टिकल्चर निदेशक सुश्री यास्मीन बाशा, कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जनैया तथा हॉर्टिकल्चर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीरेड्डी उपस्थित रहे।

आदिलाबाद में दर्दनाक सड़क हादसा

बस-लॉरी की टक्कर में दो की मौत

तीन यात्री घायल, बस चालक फरार

आदिलाबाद, 30 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर नेराडिगोंडा मंडल के पास बोथ चौराहे पर एक निजी ट्रैवलर बस लॉरी से जा टकराई। हादसे में दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, मृतकों में एक पाँच साल का बच्चा और लगभग 60 साल के एक बुजुर्ग शामिल हैं। दोनों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। तीनों घायलों को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें आदिलाबाद के राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बाकी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की। प्राथमिक जांच में दुर्घटना का कारण बस चालक की तेज़ रफ्तार और लापरवाही माना जा रहा है। बस के डैश कैमरे की जाँच के बाद ही असली कारण स्पष्ट होगा। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। बस में करीब 60 यात्री सवार थे और वह हैदराबाद से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जा रही थी।

हर विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं के लिए विशेष एमएसएमई पार्क : मंत्री श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्यभर के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं के लिए विशेष एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग) पार्क स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह पहल महिलाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने और उनके आर्थिक सशक्तीकरण को गति देने की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। यह जानकारी राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने रविवार को दी। वे जूबली हिल्स स्थित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ओपन यूनिवर्सिटी में वी- हब के एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री ने कहा कि 2047 तक तेलंगाना को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में महिलाओं को प्रमुख भागीदार के रूप में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तीकरण परिवार से शुरू होकर आर्थिक और सामाजिक जीवन में सक्रिय भागीदारी तक पहुंचना चाहिए। तेलंगाना में महिलाओं के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव देखा जा रहा है, जो समाज में गहरे परिवर्तन का संकेत है।

श्रीधर बाबू ने आधिकारिक आंकड़ों का उल्लेख करते हुए बताया कि तेलंगाना का महिला श्रम बल भागीदारी दर (एफएलएफपीआर) 52.77 है, जो राष्ट्रीय औसत 45.27 से काफी अधिक है। उन्होंने बताया कि राज्य में महिलाओं की कार्यबल भागीदारी 2017-18 में 227 से बढ़कर 2023-24 में 40.37 हो गई है, जो बेहतर रोजगार और उद्यम अवसरों का प्रमाण है। मंत्री ने वी-हब को महिलाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने में अग्रणी संस्था बताया और कहा कि प्रस्तावित वी-हब 2.0 का लक्ष्य वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों का निर्माण करना होगा। सरकार एक एकीकृत उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र तैयार कर रही है, जिसके तहत महिलाओं को कौशल, तकनीक, वित्त, बाजार और मेंटरशिप की सुविधाएं एक ही मंच पर उपलब्ध होंगी। महिलाओं से पारंपरिक नौकरियों से आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए मंत्री ने कहा कि वे नौकरी तलाशने वाली नहीं बल्कि नौकरी पैदा करने वाली उद्यमी बनें और तेलंगाना की आर्थिक प्रगति में प्रत्यक्ष योगदान दें। इस अवसर पर ओलंपिक बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा, फ़िल्म निर्माता प्रियंका दत्त, वी-हब सीईओ सीता पल्लाचोला तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रही।

डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी मामले में पुलिस का बड़ा एक्शन, तीन गिरफ्तार

फर्जी सीबीआई अधिकारी बनकर दो करोड़ की धोखाधड़ी * 'डिजिटल अरेस्ट' नाम की कोई कानूनी प्रक्रिया नहीं : पुलिस

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी से जुड़े एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में विनीत राज, थिरुपतैया और विश्वनाथम शामिल हैं, जबकि मुख्य आरोपी संदीप उर्फ एलेक्स अब भी फरार है। जांच में पता चला कि आरोपी थिरुपतैया और विश्वनाथम देशभर में दर्ज पांच मामलों में शामिल रहे हैं, जिनमें दो मामले तेलंगाना राज्य से संबंधित हैं।

मामले की शिकायत 71 वर्षीय हैदराबाद निवासी चगंती हनुमंथा राव ने की थी, जिन्हें साइबर ठगों ने सीबीआई अधिकारी बनकर डिजिटल अरेस्ट का झांसा देकर 7 नवंबर से 14 नवंबर 2025 के बीच कुल 1,92,50,070 रुपए विभिन्न खातों में स्थानांतरित करवा लिए। ठगों ने पीड़ित को आधार के दुरुपयोग के फर्जी आरोप में फंसाने की धमकी दी, वीडियो कॉल पर नकली पहचान दिखाते हुए उन्हें डराया और दिल्ली क्राइम ब्रांच की फर्जी एफआईआर भेजकर धोखा दिया। जांच में सामने आया कि यह गैंग आधिकारिक एजेंसियों का रूप धारण कर लोगों को धमकाता था, स्पूफ्ड कॉल, नकली वर्दी, फर्जी दस्तावेज और वीडियो कॉल का इस्तेमाल करके पीड़ितों का विश्वास जीतता था।

अपराधी पीड़ितों को गंभीर आरोपों जैसे मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग तस्करी या साइबर अपराध में फंसाने का डर दिखाकर उनसे भारी रकम वसूलते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। यह कार्रवाई इंस्पेक्टर के. सतीश रेड्डी के नेतृत्व में एसआई श्रीकांत और उनकी टीम ने सफलतापूर्वक की। साइबर क्राइम पुलिस ने नागरिकों को चेतावनी दी है कि किसी भी सरकारी एजेंसी द्वारा फोन, यूपीआई, क्रिप्टो या अन्य माध्यमों से कभी भी जुर्माना या सुरक्षा जमा राशि की मांग नहीं की जाती। 'डिजिटल अरेस्ट' नाम की कोई कानूनी प्रक्रिया नहीं है और नागरिक किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश पर तुरंत 1930 पर शिकायत करें या cybercrime.gov.in पोर्टल का उपयोग करें।

हुस्नाबाद में मुख्यमंत्री के यात्रा को लेकर तैयारियां तेज

मंत्री ने जिला कलेक्टर के साथ व्यवस्थाओं का जायजा लिया

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हुस्नाबाद में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की 3 दिसंबर को होने वाली यात्रा को सफल बनाने के लिए तैयारियाँ तेज़ हो गई हैं। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सिद्धिपेट कलेक्टर हेमवती के साथ सभा स्थल तथा अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और पेयजल, पार्किंग, सुरक्षा समेत सभी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हुस्नाबाद को राज्य का आदर्श निर्वाचन क्षेत्र बनाकर उत्तर तेलंगाना कोनसीमा के रूप में विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री की यात्रा के दौरान शातवाहन यूनिवर्सिटी इंजीनियरिंग कॉलेज, एडवांस टेक्नोलॉजी सेंटर (एटीसी), राजीव राजमार्ग से हुस्नाबाद तक फोर-लेन सड़क, अकन्नापेट-हुस्नाबाद रोड विकास, कोहेड में यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेसिडेंशियल स्कूल समेत कई विकास कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि गिरिजन ग्रामों के लिए लिंक रोड, उममापुर फॉरेस्ट क्षेत्र में 10 करोड़ की लागत से अर्बन पार्क, हुस्नाबाद नगरपालिका के विकास कार्यों के लिए स्वीकृत 20 करोड़, 8 करोड़ की लागत से आधुनिक ड्राइविंग ट्रैक सहित आरटीए कार्यालय और 6 करोड़ से इंदिरा महिला शक्ति बाजार की स्थापना भी प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि स्विमिंग पूल, वेटरनरी अस्पताल, फिश मार्केट और वेजिटेबल मार्केट के प्रस्तावों को मंजूरी मिलते ही कार्य शुरू किए जाएंगे। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इंदिरा महिला शक्ति योजना के तहत महिला समूहों को बसें प्रदान करेंगे और हैदराबाद-हुस्नाबाद एक्सप्रेस बस सेवा शुरू करेंगे।

इंजीनियरिंग छात्रों की सुविधा हेतु 70 विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित की जाएँगी। उन्होंने आगे बताया कि करीमनगर-कोत्तापल्ली-हुस्नाबाद फोर-लेन सड़क (फेज़-1), 250-बेड अस्पताल, एलम्मा चेरुवु और महा समुद्रम गंडी पर्यटन विकास कार्य प्रगति पर हैं। पल्ले चेरुवु और कोत्ते चेरुवु का विकास भी जारी है। हुस्नाबाद में रिंग रोड, कबड्डी अकादमी, स्टेडियम विकास और डिग्री कॉलेज के पास पार्क की स्थापना की मांग मुख्यमंत्री के समक्ष रखी जाएगी। वंगरा में नवोदय विद्यालय के लिए प्रक्रिया चल रही है, जबकि एल्कतुरती जंक्शन का विकास पूरा हो चुका है। वहाँ पर आईआईटी बसर की स्थापना के लिए भी प्रयास जारी हैं। मंत्री ने कहा कि औद्योगिक कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो गया है और इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध होगा।

गौरववेली परियोजना के लिए धन जारी हो चुका है, जिसे पूर्ण कर क्षेत्र को सस्य-श्यामल बनाया जाएगा। समीक्षा बैठक में मंत्री ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री की यात्रा को सफल बनाने के लिए घर-घर जाकर प्रचार करें और सरपंच चुनावों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों को जीत दिलाने के लिए सभी नेता एकजुट होकर कार्य करें। कार्यक्रम में कलेक्टर हेमवती, ग्रंथालय संस्थान अध्यक्ष लिंगमूर्ति, मंडल अध्यक्ष, वरिष्ठ नेता और अधिकारी उपस्थित रहे।

मेधावी प्रशिक्षुओं को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए

एयर फ़ोर्स स्टेशन बेगमपेट में विदाई समारोह संपन्न

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एयर फ़ोर्स स्टेशन बेगमपेट स्थित नेविगेशन ट्रेनिंग स्कूल (एनटीएस), भारतीय वायुसेना का एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है, जहाँ पिछले सात दशकों से फ़्लाइंग कैडेट्स को दक्ष नेविगेटर के रूप में तैयार किया जा रहा है। यह संस्थान भारतीय वायुसेना, भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक तथा मित्र राष्ट्रों के चयनित एविएटर्स को उन्नत नेविगेशन कौशल और इंस्ट्रक्शनल ट्रेनिंग प्रदान करता है। इसके साथ ही, वेपन सिस्टम्स स्कूल (डब्लूएसएस) भी एयर फ़ोर्स स्टेशन बेगमपेट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो सभी वेपन सिस्टम ऑपरेटर्स को एकीकृत कर आधुनिक और प्रभाव-आधारित प्रशिक्षण प्रदान करता है, ताकि अधिकारी वायुसेना की नई आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार हो सकें। 29 नवम्बर 2025 को यहां 109वां एडवांस नेविगेशन कोर्स (एएनसी), 141वां एब-इनिशियो नेविगेशन कोर्स, तथा स्टेज-II एवं स्टेज-III वेपन सिस्टम कोर्स का विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह की समीक्षा एयर वाइस मार्शल संजीव कुमार तलियन, असिस्टेंट चीफ़ ऑफ़ एयर स्टाफ (इंटेलिजेंस) ने की।

109वें एएनसी के समापन कोर्स में कुल सात अधिकारी शामिल थे, जिनमें दो भारतीय नौसेना से, एक भारतीय तटरक्षक से तथा एक रॉयल मलेशियन एयर फ़ोर्स से थे। ये अधिकारी अब अपने-अपने सेवाओं में प्रशिक्षक के रूप में दायित्व संभालेंगे। वहीं 141वें एब-इनिशियो नेविगेशन कोर्स में भारतीय वायुसेना के पाँच फ़्लाइंग कैडेट्स और श्रीलंकाई वायुसेना के एक अधिकारी ने प्रशिक्षण पूरा किया।

कोंडागट्टू में भीषण आग, 20 से ज़्यादा दुकानें जलकर खाक

दमकल गाड़ियों की कमी से बढ़ा नुकसान, रातभर चलाया गया राहत अभियान

जगतियाल, 30 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडागट्टू में शनिवार देर रात लगी भीषण आग में 20 से ज़्यादा दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। आग कोंडागट्टू पहाड़ियों की तलहटी में स्थित दुकानों के समूह में लगी थी। पेद्दा हनुमान प्रतिमा से लेकर जगतियाल-करीमनगर मुख्य मार्ग तक लगी खिलौनों और जनरल स्टोर्स की दुकानों की श्रृंखला आग की चपेट में आ गई। आग लगने का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि आग कैसे लगी।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुँचीं। जगतियाल, धर्मपुरी और करीमनगर से दमकल गाड़ियाँ बुलाकर आग बुझाने का प्रयास देर रात तक जारी रहा। टीमों ने आग को आगे फैलने से रोकने की पूरी कोशिश की। घटना के बाद भक्तों और स्थानीय लोगों ने कोंडागट्टू के प्रमुख हनुमान मंदिर में एक स्थायी अग्निशमन इंजन न होने पर नाराज़गी जताई। उनका कहना है

दुकानों में लगी आग पर केटीआर का दुख

सरकार पर लापरवाही का आरोप, पीड़ित परिवारों को 30 लाख की मदद की मांग

हैदराबाद, 30 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने जगतियाल जिले के कोंडागट्टू अंजनेया स्वामी मंदिर के पास लगी भीषण आग पर गहरा दुख जताया। आग में लगभग 30 दुकानें जलकर राख हो गईं। उन्होंने फोन पर चोप्पाडांडी के पूर्व विधायक सनके रविशंकर से बात की, जो घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचे थे। रामा राव ने कहा कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों ने कर्ज़ लेकर अपनी रोजी-रोटी के लिए दुकानें खोली थीं, लेकिन आग ने क्षणभर में सब कुछ खत्म कर दिया। नुकसान लगभग एक करोड़ रुपये के आसपास बताया जा रहा है।

रामा राव ने सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि दमकल गाड़ियों के देर से पहुंचने के कारण नुकसान बढ़ा। अग्निशमन इंजन मरम्मत में था, एक दूसरी गाड़ी पहुंचकर भी काम नहीं कर सकी, जबकि कोरुटला और करीमनगर से पहुंची गाड़ियों को भी एक घंटे से ज्यादा लग गया। इसे उन्होंने प्रशासन की बड़ी विफलता बताया। उन्होंने कांग्रेस सरकार को इस चूक के लिए पूरी तरह जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत मिले। रामा राव ने सरकार से मानवीय आधार पर प्रत्येक परिवार को 30 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की मांग की।

उन्होंने रविशंकर की सराहना की, जिन्होंने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों में हिस्सा लिया और पीड़ित परिवारों को 5,000 रुपये की तत्काल सहायता दी। स्थानीय लोगों को भरोसा दिलाते हुए रामा राव ने कहा कि बीआरएस पीड़ितों के साथ खड़ा है और अगर सरकार पर्याप्त मुआवजा नहीं देती तो पार्टी उनकी ओर से दबाव बनाएगी।

श्री पदराजामठ, मुलबागल के प्रमुख स्वामी ने भगवान वेंकटेश्वर के समक्ष प्रार्थना की

तिरुमला, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री श्री 1008 श्री सुजयनिधि तीर्थ स्वामीजी, श्री श्री पदराजा मठ, मुलबागल के पीठाधीपति ने रविवार की सुबह तिरुमला में श्री वारी मंदिर में प्रार्थना अर्पित की। मंदिर की पारंपरिक गरिमा (पेद्दा मर्यादा) के अनुसार उन्हें पुराने अन्नप्रसादम परिसर के पास स्थित पवित्र पीपल वृक्ष पर स्वागत किया गया। इसके बाद टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी अनिल कुमार सिंघल ने तीर्थस्वामी का स्वागत किया, जबकि आरचक उन्हें इष्टिकपाल सम्मान के साथ बेड़ी अंजनेय स्वामी मंदिर ले गए। मंदिर के उप-कार्यकारी अधिकारी लोचनाथम, पैशकार रामकृष्ण, पारपथेयदार बाला सुब्रमण्यम और अन्य उपस्थित थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.